अधिकतम : 31° C
न्यूनतम : 19° C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

बरेली, शनिवार 30 मई 2026 बरेली संस्करण: वर्ष 23 अंक 178 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 13 विक्रमी सम्वत् 2083 12 जिलहिज्जा 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

बेटी, व्यापारी को छेड़ने वाले का इंतजार अब यमराज करते हैं: मुख्यमंत्री योगी पेज 2

ऋषभ पंत ने लखनऊ सुपर जाएंट्स की कप्तानी छोड़ी खेल टाइम्स

'बहुत तलाश किया, कोई आदमी ना मिला' बहुत याद आएंगे बशीर बद्र सम्पादकीय

ईरान ने चार जहाजों पर दागीं मिसाइलें, अमेरिकी विमान गिराने का भी दावा पेज 12

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली हवाई अड्डे पर हर पांच मिनट में मिलेगी बदलते मौसम की जानकारी

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अब हर पांच मिनट में बदलते मौसम की ज्यादा विस्तृत और सटीक जानकारी मिल सकेगी जिससे हवाई अड्डा संचालक, विमान सेवा कंपनियां और यात्री लाभान्वित होंगे। इसके लिए यहां विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक उन्नत, एकीकृत एविएशन वेदर इंटेलिजेंस एंड नाउकास्टिंग सुविधा 'स्काईकास्ट' का उद्घाटन किया है। दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड ने शुक्रवार को बताया कि स्काईकास्ट के शुरू होने से दिल्ली एयरपोर्ट देश का एकमात्र ऐसा हवाई अड्डा बन गया है, जहां विमानन और एयरपोर्ट संचालन के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई व्यापक और सतत वायुमंडलीय निगरानी प्रणाली लगाई गई है।

यूपी में 100 किमी प्रतिघंटा का तूफान

नई दिल्ली। यूपी में गर्मी के बजाय बारिश-आंधी का सिलसिला जारी है। शुक्रवार सुबह लखनऊ, प्रयागराज, झांसी और चंदौली में तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश हुई। 100 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। हमीरपुर में तूफान के चलते अंडर कंस्ट्रक्शन पुल गिर गया। जिसमें 6 की मौत हो गई। लखनऊ में रेलवे स्टेशन का टिन शेड गिर गया। 2 लोग घायल हुए। राजस्थान में 12 जिलों में बारिश हो सकती है।

बागपत में जिला पूर्ति अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत में जिला पूर्ति अधिकारी अनूप तिवारी को विजिलेंस टीम ने उनके कार्यालय से 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। सिंघावली अहीर थाना क्षेत्र के बुढ़सैनी गांव निवासी राशन डीलर व शिकायतकर्ता नरेंद्र कुमार ने बताया कि गांव में उसकी सरकारी राशन की दुकान है। उन्होंने 4 दिन पहले विजिलेंस टीम से डीएसओ अनूप तिवारी की शिकायत की। आरोप लगाया कि डीएसओ अनूप तिवारी राशन बांटने पर कमीशन मांग रहे हैं और लगातार 4 महीनों से दबाव बना रहे हैं। कमीशन न देने पर लाइसेंस निरस्त करने की धमकी दे रहे हैं।

सीबीएसई ने 12वीं री-इवैल्यूएशन प्रक्रिया टाली

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के 12वीं के छात्र अब एक जून से री-इवैल्यूएशन और आंसर-शीट की स्कैन कॉपी के लिए ऑनलाइन आवेदन कर पाएंगे। बोर्ड ने शुक्रवार को तारीख बढ़ाने का ऐलान किया। बोर्ड ने 19 मई से यह प्रक्रिया शुरू की थी, लेकिन आवेदन संख्या ज्यादा होने के कारण वेबसाइट क्रैश हो रही थी। इसके बाद तारीख बढ़ाकर 25 मई तक कर दी थी। स्टूडेंट्स को री-इवैल्यूएशन के दौरान पोर्टल पर सर्वर डाउन, पेमेंट फेल होने और ब्लर पेज जैसी तकनीकी दिक्कतें सामने आई थीं। स्टूडेंट्स की शिकायत के बाद सीबीएसई ने पोर्टल पर री-इवैल्यूएशन के लिए आवेदन प्रक्रिया को बंद कर दिया था।

औसत से कम रहेगा इस साल मानसून: मौसम विभाग

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने साल 2026 के दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून से सितम्बर) के लिए अपना दूसरा दीर्घकालिक अनुमान शुक्रवार को जारी कर दिया।

इसके अनुसार देश के प्रमुख कई हिस्सों में इस साल मानसून की बारिश सामान्य से कम रहने का अनुमान है। देश में बारिश के मुख्य स्रोत दक्षिण-पश्चिम मानसून के लंबी अवधि के औसत (एलपीए) का 90 प्रतिशत होने की संभावना है और इसमें चार फीसदी घट -बढ़ हो सकती है। मौसम विज्ञान विभाग ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने देश के चार प्रमुख हिस्सों में भी बारिश का अलग-अलग अनुमान भी जारी किया है। विभाग के मुताबिक देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से कम मौसमी वर्षा होने की संभावना है। इससे कृषि, जल उपलब्धता, जलविद्युत उत्पादन और जैव परिस्थितिकी की स्थिरता के लिए चुनौतियां पैदा हो सकती हैं, साथ ही सूखा, भीषण गर्मी और पेयजल संसाधनों पर दबाव बढ़ने का खतरा भी बढ़ सकता है। मौसम विभाग के महानिदेशक डा. मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसूनी बारिश पूर्वोत्तर भारत में सामान्य रहेगी। यहां वर्षा के सामान्य या दीर्घावधि का 94-106 प्रतिशत तक रहने की सबसे अधिक संभावना है। मध्य और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में यह एलपीए के 94 प्रतिशत से कम और उत्तर-पश्चिम भारत में एलपीए के 92 फीसदी से कम बारिश हो सकती है। देश के अधिकांश वर्षा आधारित कृषि क्षेत्रों से युक्त मानसून कोर जोन (एमसीजेड) में दक्षिण-पश्चिम मानसून की मौसमी वर्षा सामान्य से कम (एलपीए के 94 प्रतिशत से कम) होने की सबसे अधिक संभावना है। मौसम विभाग ने जून 2026 के दौरान पूरे देश में औसत वर्षा सामान्य से कम रहने की अधिक संभावना जताई है। यह दीर्घावधि औसत की 92 प्रतिशत से कम रह सकती है। यानी जून में भी बारिश सामान्य से कम रह सकती है। हालांकि उत्तर-पश्चिम भारत, उत्तर-पूर्व भारत और दक्षिणी प्रायद्वीप के कुछ हिस्सों और मध्य भारत के कुछ अलग-थलग क्षेत्रों के, जून महीने में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है।

■ आईएमडी ने दक्षिण-पश्चिम मानसून के लिए अपना दूसरा दीर्घकालिक अनुमान किया जारी

शाकुंभरी देवी क्षेत्र में अचानक आई बाढ़ दो महिला श्रद्धालुओं की मौत

सहारनपुर। देहरादून- विकासनगर के पहाड़ी इलाकों में हुई भारी बारिश के बाद देर रात शाकुंभरी देवी क्षेत्र में अचानक आई बाढ़ में दो महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई। प्रशासन ने क्षेत्र में 48 घंटे का हाई अलर्ट जारी करते हुए श्रद्धालुओं से अगले तीन दिनों तक शाकुंभरी देवी न आने की अपील की है। एडीएम वित्त सलिल कुमार पटेल ने शुक्रवार दोपहर बताया कि मरने वाली दोनों महिलाओं की उम्र करीब 60 वर्ष थी। इनमें से एक की पहचान सावित्री पत्नी चंद्रभान निवासी गीतावली, लक्सर (हरिद्वार) के रूप में हुई है, जबकि दूसरी महिला की पहचान अभी नहीं हो सकी है। उन्होंने बताया कि सावित्री का परिवार धर्मशाला में ठहरा हुआ था। दोनों महिलाएं पानी का बहाव देखने निकली थीं, तभी तेज धारा में बह गईं। राहत एवं बचाव कार्य में लगी टीमों ने दोनों शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं।

NTA को UPSC से सीखने की जरूरत: सुप्रीम कोर्ट

कहा: वहां कभी पेपर लीक नहीं होता, जवाबदेही तय होने तक ऐसी घटनाएं नहीं रुकेंगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को नीट-यूजी पेपर लीक मामले पर कहा कि जवाबदेही तय होने तक ऐसी घटनाएं रुकने वाली नहीं हैं। कोर्ट में मौजूद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से सवाल किया कि यूपीएससी तो आपसे बड़े पैमाने पर परीक्षा करवाता है, वहां कभी पेपर लीक नहीं हुआ। एनटीए को उनसे सीखने की जरूरत है।

सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद नीट पेपर लीक की जांच पर नजर रख रहे हैं ताकि कोई चूक न हो। केस की सुनवाई कर रहे जस्टिस नरसिम्हा ने शिक्षा मंत्रालय से नीट-यूजी परीक्षाओं की जांच प्रक्रिया का ब्योरा मांगा। सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि पेपर लीक के बाद बड़े लेवल पर सुधार किए हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हम युवाओं को लेकर गंभीर हैं। नीट-यूजी री-टेस्ट के लिए नए तरीके अपनाए गए हैं। देशभर में 3 मई को नीट-यूजी परीक्षा हुई थी। 7 मई की शाम पेपर लीक की खबर सामने आई थी। 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई। 21 जून को री-एग्जाम होगा। सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को भंग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। इस दौरान 2024 में नीट पेपर लीक के बाद बनाई गई हाई-पावर मॉनिटरिंग कमेटी के प्रमुख और पूर्व इसरो प्रमुख डा. के राधाकृष्णन से पूछा कि सिफारिशों और सुधारों के बावजूद इस बार नाकामी क्यों हुई। राधाकृष्णन ने बताया कि समिति की अधिकांश सिफारिशें लागू की जा चुकी हैं। नीट-यूजी 2025 सफल रहा और इस साल सामने आई कमजोरियों को आगामी री-टेस्ट से पहले दूर किया जा रहा है।

■ कोर्ट ने शिक्षा मंत्रालय से नीट-यूजी परीक्षाओं की जांच प्रक्रिया का ब्योरा मांगा

एनटीए ने सुप्रीम कोर्ट को दी प्रस्तावित सुधारों और कड़े सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी

नई दिल्ली। एनटीए ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि नीट-यूजी 2026 को रद्द करने और कथित पेपर लीक की जांच सीबीआई को सौंपने का उसका फैसला इस बात का प्रमाण है कि एजेंसी और केंद्र सरकार परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता को कितनी गंभीरता से ले रही हैं। एनटीए ने कहा कि पिछले दो सालों में कथित अनियमितताओं को लेकर हुए विवादों के बाद नीट परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता और सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई बड़े सुधार लागू किए गए हैं। उच्चतम न्यायालय में जमा किए गए एक हलफनामे में एनटीए ने शीर्ष न्यायालय के निर्देशों के पालन में बनाई गई उच्च-स्तरीय समिति के गठन और कामकाज से जुड़ी समय-सीमा की जानकारी दी।

दो पासपोर्ट मामले में अब्दुल्ला आजम बरी

कोर्ट ने सात साल की सजा की रद्द

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। जनपद रामपुर की एमपी-एमएलए की विशेष अदालत से समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आज़म खां को बड़ी राहत मिली है। अदालत ने शुक्रवार को दो पासपोर्ट मामले में निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सात साल की सजा को निरस्त कर दिया। इसके साथ ही अब्दुल्ला आजम की अपील स्वीकार करते हुए पूर्व फैसला रद्द कर उन्हें दोषमुक्त कर दिया गया।

गौरतलब है कि रामपुर की निचली अदालत ने पांच दिसम्बर 2025 को अब्दुल्ला आजम को दोषी मानते हुए सात साल कारावास और पचास हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई थी। इस निर्णय के विरुद्ध अब्दुल्ला आजम ने एमपी-एमएलए विशेष सत्र न्यायालय में अपील दाखिल की थी। मामले में 25 मई को दोनों पक्षों की बहस पूरी हो चुकी थी, जिसके बाद शुक्रवार को न्यायालय ने अपना फैसला सुनाया। अब्दुल्ला आजम के अधिवक्ता नासिर सुल्तान के अनुसार, यह मामला 30 जुलाई 2019 को दर्ज किया गया था। भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने रामपुर के सिविल लाइंस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप लगाया गया था कि अब्दुल्ला आजम ने एमपी-एमएलए विशेष सत्र न्यायालय में अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्रों के आधार पर दो पासपोर्ट बनवाए और उनका विभिन्न स्थानों पर पहचान पत्र के रूप में उपयोग किया। सत्र न्यायालय ने सुनवाई के बाद अभियोजन पक्ष की सजा बढ़ाने की मांग वाली अपील भी खारिज कर दी।

■ पिछले साल दिसम्बर में निचली अदालत ने सुनाई थी सात साल की सजा

विनेश को एशियाई खेलों के ट्रायल्स में हिस्सा लेने की अनुमति

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पहलवान विनेश फोगाट को 30 और 31 मई को होने वाले एशियन गेम्स 2026 के सिलेक्शन ट्रायल्स में हिस्सा लेने की इजाजत दे दी।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने यह आदेश तब दिया, जब वे डब्ल्यूएफआई की उस याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें फोगाट को सिलेक्शन ट्रायल्स में हिस्सा लेने की इजाजत दी गई थी। बेंच ने डब्ल्यूएफआई की तरफ से पेश वकील से कहा कि आज इस मोड़ पर, जब हाई कोर्ट ने आदेश दे दिया है, तो उम्मीदें और अपेक्षाएं बढ़ गई हैं।

■ फोगाट ने सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के फैसले को दी थी चुनौती

सिद्दारमैया ने इस्तीफा देने के बाद खड़गे व राहुल से की मुलाकात

नई दिल्ली। कर्नाटक के निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। समझा जाता है कि श्री सिद्दारमैया की दोनों नेताओं के साथ अलग-अलग हुई मुलाकात में कर्नाटक में नई सरकार के गठन तथा राज्यसभा और विधान परिषद की सीटों के लिए होने वाले चुनावों पर विचार विमर्श किया गया।

राहुल ने ऑटो ड्राइवरों के साथ खाना खाया

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को दिल्ली के बंगाली मार्केट में बने टोडरमल पार्क में ऑटो रिक्शा ड्राइवर्स के बीच पहुंचे। जहां उन्होंने ऑटो चालकों से बात की।

राहुल गांधी उनका यूनिफॉर्म पहने भी नजर आए। पार्क में बैठे राहुल के कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिसमें वे ऑटो ड्राइवर्स के साथ खाना खाते नजर आ रहे हैं। इस दौरान वे ऑटो की सवारी करते भी नजर आए। राहुल गांधी ने ऑटो ड्राइवर्स से रोजमर्रा की चुनौतियों, उनकी इनकम, बढ़ते खर्चों और काम करने के हालात के बारे में जाना। उनकी शिकायतें सुनीं, उनकी जीवनशैली और समस्याओं पर चर्चा की। राहुल से मिलने के बाद एक ऑटो ड्राइवर ने कहा कि राहुल ने हमसे बातचीत की। हमारे मुद्दे उठाने, हमारे बीमा और दूसरी सहायता दिलाने का वादा किया। हमने साथ मिलकर खाना भी खाया। जब हम खाना खा रहे थे, तभी वे अचानक हमसे मिलने आ गए, और हमें बहुत अच्छा लगा।

नई कैबिनेट पर अभी कोई फैसला नहीं: शिवकुमार

बेंगलुरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के निवर्तमान उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को स्पष्ट करते हुए कहा कि राज्य में नई कैबिनेट के गठन या नेतृत्व में बदलाव को लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है। श्री शिवकुमार ने नई दिल्ली में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस विधायक दल की बैठक शनिवार को बुलाई गई है।

भारत चिप-एआई इंडेक्स में चौथे स्थान पर उभरा

दुनिया की डिजिटल अर्थव्यवस्था में पांचवीं रैंकिंग हासिल की

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (इक्रिएर) और पोरस सेंटर फॉर इंटरनेट एंड डिजिटल इकॉनॉमी (आईपीसीआईडीई) की भारतीय डिजिटल अर्थव्यवस्था की स्थिति पर केंद्रित इस वर्ष की रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया की पांचवीं सबसे अधिक डिजिटाइज्ड अर्थव्यवस्था और चिप-एआई इंडेक्स में चौथे स्थान पर उभरा है।

शुक्रवार को यहां जारी स्टेट ऑफ इंडिया एस डिजिटल इकोनॉमी (एसआईडीई) 2026 शीर्षक इस रिपोर्ट के अनुसार, 71 देशों को शामिल करने वाला यह व्यापक अध्ययन, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 96 प्रतिशत को कवर करता है, दर्शाता है कि भारत डिजिटल प्रदर्शन में जर्मनी, फ्रांस, जापान और कनाडा जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं से आगे निकल रहा है। रिपोर्ट वैश्विक डिजिटल परिदृश्य में एक बड़े बदलाव को दर्शाती है। इसके अनुसार अब दुनिया के 72 प्रतिशत एआई उपयोगकर्ता विकासशील देशों में हैं, जिनमें भारत और चीन मिलकर वैश्विक एआई अपनाने का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं। जनरेटिव एआई इतिहास की किसी भी पूर्व तकनीक की तुलना में सबसे तेजी से फैलने वाली तकनीक बन गई है और लॉन्च के तुरंत बाद ही यह विकासशील देशों में व्यापक रूप से अपनाई गई। वैश्विक डिजिटल नेतृत्व में भी बुनियादी बदलाव आ रहा है। दुनिया की शीर्ष पांच डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में से तीन - चीन, सिंगापुर और भारत - अब हिंद-प्रशांत क्षेत्र की हैं, जो पारंपरिक नॉर्थ अटलांटिक प्रभुत्व के साथ एक नए त्रिध्रुवीय डिजिटल व्यवस्था के उभरने का संकेत देता है। इक्रिएर के अध्यक्ष प्रमोद भसीन ने कहा कि भारत ने कनेक्टिविटी, उद्यमिता और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से मजबूत नींव तैयार की है। विकास का अगला चरण इस बात पर निर्भर करेगा कि हम एआई का कितनी प्रभावी ढंग से उपयोग करते हैं।

■ भारत डिजिटल प्रदर्शन में जर्मनी, फ्रांस, जापान और कनाडा जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं से आगे निकल रहा

कॉकरोच जनता पार्टी को नहीं मिली राहत

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के एक्स अकाउंट को भारत में ब्लॉक किए जाने के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार और एक्स को नोटिस जारी किया। वहीं, हाईकोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी के ब्लॉक किए गए 'एक्स' अकाउंट को तुरंत बहाल करने का निर्देश देने से इन्कार कर दिया।

हाईकोर्ट ने शुक्रवार को सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके की याचिका पर सुनवाई की। याचिका में उनके व्यंग्यात्मक डिजिटल संगठन के सोशल मीडिया अकाउंट को एक्स पर ब्लॉक किए जाने के फैसले को चुनौती दी गई। दीपके की याचिका पर जस्टिस पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने सुनवाई की। अभिजीत दीपके ने 15 मई को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत द्वारा दी गई कॉकरोच और परजीवी वाली टिप्पणी के विवाद के बीच सीजेपी की शुरुआत की थी। यह टिप्पणी सीनियर एडवोकेट की पदवी से संबंधित एक याचिका की सुनवाई के दौरान की गई थी।

■ हाईकोर्ट ने एक्स अकाउंट को तुरंत बहाल करने से किया इन्कार

संक्षिप्त समाचार

भाजपा शासन में निर्माण भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा: अखिलेश

लखनऊ। यूपी के हमीरपुर में निर्माणाधीन पुल के गिरने पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी और सरकार पर निशाना साधा है। सपा मुखिया ने कहा कि जो पुल हवा से टूट जा रहे हैं, उन पर जब ट्रैफिक चलेगा तो क्या होगा, ये सोचकर ही डर लगता है। सपा मुखिया ने हमीरपुर की घटनास्थल पर अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट किया और लिखा- बहुत दुखदायी समाचार है कि उप्र के हमीरपुर में एक निर्माणाधीन पुल के गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई और अन्य घायल भी हैं। ये एक गंभीर बात है कि भाजपा के समय में हो रहा हर निर्माण भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। हर काम में 50 प्रतिशत से भी ज्यादा की भाजपाई कमीशनखोरी ही इसकी मूल वजह है।

यूपी के 60 जिलों में गिरेंगे ओले

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर और यूपी कल हुई बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया है। यूपी में कल बदायूं, झांसी सहित कई जिलों में बारिश के साथ ओले भी गिरे हैं, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों की तपती गर्मी से राहत मिली। आज भी आंधी और बारिश की चेतावनी दी गई है। आईएमडी ने दिल्ली में आज बारिश और आंधी को लेकर औरेंज अलर्ट जारी किया है. मौमस में ये बदलाव पश्चिमी विक्षोभ के कारण हो रहा है। आईएमडी ने 60 जिलों में ओलावृष्टि और 10 से ज्यादा जिलों में भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। इसमें मुजफ्फरनगर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, सहारनपुर और शामली सहित कई जिलों शामिल हैं।

केजीएमयू से हटेंगी छह मजार, चलेगा बुलडोजर

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में स्थित 8 में से 6 मजारों को प्रशासन ने अवैध घोषित कर दिया है। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने पुलिस और जिला प्रशासन को पत्र लिखकर अवैध मजारों पर बुलडोजर कार्रवाई करने की मांग की है। अवैध घोषित की गई सभी 6 मजारों को तीन बार नोटिस भेजा गया, लेकिन कोई भी जिम्मेदार सामने नहीं आया है।

जानकारी के अनुसार अगस्त 2024 में कोलकाता के आरजी. कर मेडिकल कॉलेज में महिला रेजिडेंट के साथ रेप और हत्या की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद सितंबर 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने महिला स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए थे। इन निर्देशों का अनुपालन करते हुए केजएमयू प्रशासन ने परिसर में व्यापक जांच की, जिससे मेडिकल कॉलेज में महिला स्वास्थ्य कर्मियों और अन्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। जांच

■ तीन नोटिस भेजने के बाद भी नहीं मिला कोई मालिक

के दौरान परिसर में 'शाहमीना साहब की दरगाह' और 'हरमैन साहब की मजार' के अलावा 6 अन्य मजारें पाई गईं। इन मजारों में प्रयुक्त ईंट, टाइल्स और निर्माण सामग्री के आधार पर यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि इनका निर्माण पिछले कुछ सालों के अंदर किया गया है। ये मजारें मरीजों के आवागमन मार्ग में स्थित हैं, जिससे विशेषकर गंभीर मरीजों के आने-जाने में काफी परेशानी होती है। केजीएमयू प्रशासन की तरफ से 8 मजारों के जिम्मेदारों के उनके वैध होने का प्रमाण के लिए नोटिस भेजा गया। 'शाहमीना साहब की दरगाह' और 'हरमैन साहब की मजार' के जिम्मेदार लोगों ने तो जरूरी दस्तावेज पेश किए, जिससे दोनों मजारों के प्राचीन होने की पुष्टि हुई, लेकिन बाकी 6 मजारों के जिम्मेदार के तरफ से कोई जवाब नहीं आया। प्रशासन ने एक दो नहीं, बल्कि तीन-तीन बार मजारों के जिम्मेदारों को नोटिस भेजा। इसके बावजूद जबाव नहीं मिलने पर प्रशासन ने इन्हें अवैध घोषित कर दिया है। केजीएमयू के कुलपति ने अवैध घोषित कई मजारों पर अग्रिम कार्रवाई के लिए पुलिस और जिला प्रशासन को पत्र लिखा है। जल्द ही इन मजारों पर बुलडोजर कार्रवाई हो सकती है। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता डॉक्टर के के सिंह ने बताया कि दो मजारे वैध हैं, जो कि काफी प्राचीन है। उनसे हमारा कोई विषय नहीं है, क्योंकि वहां पर कमेटी बनी हुई और उसका संचालन किया जा रहा है। 6 मजारे हैं, जिनके वैधता की जांच की गई और तीन बार नोटिस भेजी गई, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। कुलसचिव ने 12 तारीख को चिट्ठी भेज कर जिला और पुलिस प्रशासन से समय लेकर इसको शिफ्ट कराया जाने की मांग की है।

निर्माणाधीन पुल गिरा, छह लोगों की मौत

हमीरपुर, वार्ता

उत्तर प्रदेश में हमीरपुर जिले के ललपुरा क्षेत्र में निर्माणाधीन पुल की कोठी और शटरिंग ढहने से छह मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन मजदूरों को रेस्क्यू कर सुरक्षित बचा लिया गया।

घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब मौसम विभाग द्वारा दो दिनों से तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया जा रहा था, तब भी मजदूरों से रात में काम क्यों कराया गया। पुलिस के अनुसार ललपुरा थाना क्षेत्र के मोराकांदर गांव में लगभग 92 करोड़ रुपये की लागत से 'ग्यारह कोठी' पुल का निर्माण कार्य चल रहा है। शुक्रवार तड़के पुल की एक कोठी के लिए शटरिंग का कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान तेज आंधी आने पर वहां मौजूद मजदूर पास खड़ी हाइड्रा मशीन में जाकर बैठ गए।

■ तीन मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला

तभी निर्माणाधीन कोठी और शटरिंग भरभराकर गिर गई, जिससे हाइड्रा के भीतर बैठे मजदूर मलबे में दब गए। हादसे में राजेश पाल (50) निवासी अछपुरा थाना ललपुरा, पुष्पेंद्र सिंह (43) निवासी स्वासा खुर्द थाना ललपुरा, लोकेन्द्र (22), कुलदीप निषाद (19) निवासी चिल्ला जनपद बांदा, सभाजीत (21) तथा गंगाचरण उर्फ सावंत (28) निवासी भूरागढ़ थाना बांदा की मौत हो गई। घटना में तीन अन्य मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद परिजनों को सौंप दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

मायावती ने सरकार से की जांच की मांग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने ग्रेटर नोएडा के जेवर में नाबालिग की हत्या और हमीरपुर में निर्माणाधीन पुल गिरने से मजदूरों की मौत पर प्रदेश सरकार से कड़ी कार्रवाई और पीड़ितों को मदद देने की मांग की है। मायावती ने कहा कि यूपी के ग्रेटर नोएडा के जेवर में की गई लगभग 15 वर्ष के गोपाल शर्मा की हत्या दुखद व चिन्ताजनक है। उन्होंने हमीरपुर में निर्माणाधीन पुल के गिरने से कई मजदूरों की हुई मौत के प्रकरण को भी सरकार से गम्भीरता से लेने को कहा। सरकार मृतकों के आश्रितों को उचित आर्थिक मदद दे।

किसानों के मसीहा थे चौधरी चरण सिंह: मुख्यमंत्री

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। त्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को विधान भवन स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पार्चन कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने चौधरी चरण सिंह को भारत मां का महान सपूत और किसानों का मसीहा बताया। उन्होंने कहा कि चौधरी साहब का स्पष्ट मत था कि देश के विकास का रास्ता गांव, खेत और खिलहालों से होकर जाता है। उन्होंने कहा कि 23 दिसम्बर 1902 को उत्तर प्रदेश में जन्मे चौधरी चरण सिंह स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े रहे और कृषि व राजस्व के क्षेत्र में कई रिफॉर्म का श्रेय उन्हें जाता है। योगी ने कहा कि किसान विकास के एजेंडे और सरकार की प्राथमिकता का हिस्सा

■ उनकी सोच को ध्यान में रखकर भारत रत्न से नवाजा गया

होना चाहिए, और शासन की योजनाएं किसानों को ध्यान में रखकर तैयार होनी चाहिए। इसी सोच को ध्यान में रखकर केंद्र सरकार ने उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार चौधरी चरण सिंह की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए किसानों के हित से जुड़े कई कार्यक्रम चला रही है। इसमें लखनऊ में बन रहा चौधरी चरण सिंह सीड पार्क भी शामिल है। चौधरी चरण सिंह का देहावसान 29 मई 1987 को हुआ था। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, राज्यमंत्री केपी मलिक, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद ब्रजलाल, विधायक नीरज बोरा, अमरेश कुमार आदि मौजूद रहे।

पिस्टल दिखाकर किसी को भी नहीं धमका सकता माफिया: योगी

बेटियों की सुरक्षा में सेंध पर यमराज करेंगे इंतजार

मऊ, वार्ता

सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मऊ की धरती से माफिया को फिर खुली चुनौती दी। उन्होंने दो टूक कहा कि अब किसी माफिया व गुंडे में दुस्साहस नहीं है कि त्योहारों में उपद्रव कर दे। यदि किसी ने रामलीला, यज्ञ-कथा, जन्माष्टमी, रामनवमी, शिवरात्रि, रक्षाबंधन आदि धार्मिक आयोजनों में व्यवधान डाला, तो उसकी रावण व कंस जैसी दुर्गति तय है। किसी ने बेटी व व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाई तो उसका इंतजार यमराज ही करेंगे। अब कोई माफिया खुली जीप में चलकर पिस्टल लहराते हुए किसी हिंदू को धमका नहीं सकता।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मऊ के गांधी मैदान

■ सीएम ने मऊ में 392 करोड़ की 114 परियोजनाओं का शिलान्यास किया, अच्छे लोगों के चुने जाने पर आती है अच्छी सरकार

में 392 करोड़ से अधिक लागत वाली 114 परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने मऊ को क्रांतिधारा बताते हुए साहित्यकार श्याम नारायण पांडेय, समाज सुधारक स्वामी सहजानंद सरस्वती, मऊ को नई पहचान दिलाने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री कल्पनाथ राय की स्मृतियों को नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छी सरकार विकास लेकर आती है, यह विकास बिना भेदभाव नागरिकों के जीवन स्तर को उठाने का माध्यम होता है। जब अच्छे लोग चुने जाते हैं, तो अच्छी सरकार आती है। जब गलत लोग चुने जाते हैं, तो सुरक्षा में सेंध लगती है, जन विकास में लगने वाले पैसे में डकैती और बेटी-व्यापारी की सुरक्षा खतरे में पड़ती है और युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा होता है। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश का यही हाल था। जिन लोगों की आयु 30-35 वर्ष से ऊपर है, वे भूले नहीं होंगे कि 21 वर्ष पहले 2005 में भरत-मिलाप कार्यक्रम पर मऊ को जलाने का प्रयास हुआ था।माफिया रामलीला में व्यवधान पैदा कर निर्दोष हिंद.ुओं का कत्लेआम कर रहे थे।

गरीब,युवा,नारी और किसान को केंद्र में रखकर योजनाएं बना रही है सरकार

मऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार गरीब, युवा, नारी और अन्नदाता किसान को केंद्र में रखकर योजनाएं बना रही है और इन चार वर्गों का उत्थान होने पर भारत दुनिया में अग्रणी राष्ट्र बन जाएगा। मऊ जिले के मधुबन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनने और वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार आने के बाद विकास की योजनाओं को नई गति मिली। उन्होंने कहा कि सरकार केवल चार जातियों गरीब, युवा, नारी और किसान को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने गरीबों के लिए 65 लाख आवास बनवाए और दो करोड़ 75 लाख शौचालयों का निर्माण कराया। उन्होंने विपक्ष पर भी निशाना साधा।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

बिज़नेस-टाइम्स

सेंसेक्स 74775.74
निफ्टी 23547.75

सोना 157000 प्रति 10 ग्राम
चांदी 262000 प्रति किलो

कमजोर मानसून की चिंता में लुढ़के शेयर बाजार, सेंसेक्स 1092 अंक टूटा

मुंबई, वार्ता

मौसम विभाग द्वारा इस साल मानसून के कमजोर रहने की भविष्यवाणी से घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को गिरावट देखी गई और बीएसई का सेंसेक्स लगभग 1,100 अंक टूट गया। बढ़त में खुलने का बाद सेंसेक्स 1,092.06 अंक (1.44 प्रतिशत) लुढ़ककर 74,775.74 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी.50 सूचकांक भी 359.40 अंक यानी 1.5 प्रतिशत नीचे 23,547.75 अंक पर आ गया।

भारतीय मौसम विभाग ने आज सुबह बताया कि इस साल मानसून सीजन में दीर्घावधि औसत के 90 प्रतिशत के आसपास बारिश होने की उम्मीद है, यानी मानसून औसत से कम रहेगा। कमजोर मानसून की चिंता में बाजार में बिकवाली शुरू हो गई। वृहत बाजार में भी गिरावट रही। निफ्टी -50 सूचकांक 1.49 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.85 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। आईटी (0.60 प्रतिशत की

बढ़त) को छोड़कर सभी सेक्टरों के सूचकांक लाल निशान में रहे। तेल एवं गैस, धातु, ऑटो, बैंकिंग, वित्त, एफएमसीजी, फार्मा, स्वास्थ्य, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और रसायन समूहों में बिकवाली ज्यादा देखी गई। सेंसेक्स की कंपनियों में पावर ग्रिड का शेयर करीब साढ़े तीन प्रतिशत लुढ़क गया। इंडिगो में सवा तीन प्रतिशत और एनटीपीसी तथा महिंद्रा एंड महिंद्रा में पौने तीन प्रतिशत की गिरावट रही। मारुति सुजुकी के शेयर एक से दो प्रतिशत तक लुढ़क गए। कोटक महिंद्रा बैंक, अडानी पोर्ट्स, ट्रेंट और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी नीचे बंद हुए। टेक महिंद्रा का शेयर लगभग दो प्रतिशत और एचसीएल टेक्नोलॉजीज का डेढ़ प्रतिशत से अधिक की बढ़त में रहा। एलएंडटी में भी तेजी रही।

विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 681 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार गत 22 मई को समाप्त सप्ताह में 7.511 अरब डॉलर घटकर 681.384 अरब डॉलर रह गया जो अप्रैल 2025 के बाद का निचला स्तर है।

विदेशी मुद्रा के देश के भंडार में लगातार दूसरे सप्ताह कमी आई है। यह 15 मई को समाप्त सप्ताह में 8.096 अरब डॉलर घटकर 688.894 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 22 मई को समाप्त सप्ताह में स्वर्ण भंडार 4.53 अरब डॉलर घटकर 114.786 अरब डॉलर हो गया। यह आठ सप्ताह में सबसे कम है। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में आलोच्य सप्ताह में 2.872 अरब डॉलर की गिरावट रही। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा जापानी एन, यूरो और ब्रितानी पाउंड को भी शामिल किया जाता है। विदेशी मुद्रा भंडार के अन्य घटकों में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 4.818 अरब डॉलर और विशेष आहरण अधिकार 18.748 अरब डॉलर रहा।

निवेश से लॉजिस्टिक लागत घटकर जीडीपी के 10 प्रतिशत पर: रिपोर्ट

नई दिल्ली, वार्ता

पिछले एक दशक में अवसंरचनाओं के विकास पर लगभग 360 अरब डॉलर खर्च किए गए हैं जिससे लॉजिस्टिक्स पर होने वाला खर्च घटकर जीडीपी के 10 प्रतिशत पर आ गया है। उद्योग संगठन सीआईआई और नाइट फैंक की शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले एक दशक में अवसंरचना विकास पर लगभग 360 अरब डॉलर का संचई निवेश किया गया है। इसमें सार्वजनिक और निजी निवेश दोनों शामिल हैं।

इससे लॉजिस्टिक्स लागत में भारी बचत हुई है। सीआईआई मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्टेशन एंड लॉजिस्टिक्स समिट की इस साझा रिपोर्ट के अनुसार, एक दशक पहले देश की जीडीपी का 13.14 प्रतिशत लॉजिस्टिक्स पर खर्च होता था। अब यह आंकड़ा घटकर 10-10.7 प्रतिशत रह गया है। इससे देश की अर्थव्यवस्था को हर साल 123-133 अरब डॉलर की बचत का अनुमान है। इसी का परिणाम है कि वैश्विक लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स (एलपीआई) में भारत की रैंकिंग 2014 के 54वें स्थान से बढ़कर 2023 में 38वें स्थान पर पहुंच गई है। इन सुधारों के बावजूद देश की लॉजिस्टिक्स आपूर्ति श्रृंखला अब भी सर्वोत्तम दक्षता हासिल नहीं कर पाई है। इसके लिए मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क जैसी पहलों को आगे बढ़ाने की सलाह दी गई है। सीआईआई-नाइटफ्रैंक का मानना है कि साल 2047 तक माल परिवहन के उस समय के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए देश को 216 मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क की जरूरत होगी। सड़क मार्ग पर अतिरिक्त निर्भरता कम करके रेल और नदी मार्ग को अपनाने की भी जरूरत बताई गई है। सीआईआई राष्ट्रीय पोर्ट्स समिति के अध्यक्ष तथा अदाणी पोर्ट्स एंड सेज के पूर्णकालिक निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अश्विनी गुप्ता ने कहा कि मुख्य चुनौती अब अवसंरचना की कमी नहीं, बल्कि एकीकृत संपर्क स्थलों की कमी है।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

गोपाल मर्डर केस के दोषियों को मिलेगी सजा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में जेवर थानाक्षेत्र के बनवारीवास गांव में गोपाल नाम के छात्र की हत्या के मामले में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा है कि सरकार पीड़ित परिवार के साथ है। सरकार ने प्रशासन को हत्यारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इन दरिंदों को सजा जरूर मिलेगी। वहीं जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर दोषियों को कड़ी सजा दिलाए जाने की मांग की है। साथ ही बताया कि परिवार को 5 लाख की आर्थिक सहायता दी गई है।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि ग्रेटर नोएडा के जेवर क्षेत्र के बनवारीवास गांव में 15 साल के गोपाल शर्मा की हत्या बहुत ही पीड़ादायक है। इस अमानवीय कृत्य को करने वाले दरिंदों को उत्तर प्रदेश सरकार उनके अंजाम तक जरूर पहुंचाएगी। उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा कि घटना के जल्द खुलासे के लिए मैंने यूपी के अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद और डीजीपी राजीव कृष्ण के साथ से बैठक कर इन दरिंदों के विरुद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई के लिए कहा है। साथ ही सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। मेरा वादा है कि इन दरिंदों को सजा जरूर मिलेगी। इस

■ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने नोएडा के छात्र की हत्या को बताया दुखद व अमानवीय

बीच गोपाल हत्याकांड के दोषियों को सजा दिलाने के मकसद से स्थानीय विधायक धीरेंद्र सिंह ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। विधायक धीरेंद्र ने बताया कि पीड़ित परिवार को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है, लेकिन हम यह भी चाहते हैं न्याय हो, दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। उन्होंने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री को स्थिति से अवगत कराया। कुछ लोग मामले को तूल देने की कोशिश कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि मामले का पर्दाफाश निष्पक्षता के साथ हो, मुख्यमंत्री भी इस पर गंभीर हैं। इस बीच स्थानीय विधायक धीरेंद्र सिंह ने क्षेत्र की जनता से भी अपील की है कि सभी लोग संयम बनाए रखें। पुलिस अपना काम कर रही है। किसी निर्दोष को सजा न हो, दोषी ही जेल जाए। पुलिस प्रशासन पूरी जांच कर रही है। इससे पहले गोपाल मर्डर केस में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट के 25 मार्च के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। इसके प्रयागराज के पोस्को मामले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को अग्रिम जमानत दी गई थी। मामला नाबालिगों के यौन शोषण से जुड़ा हुआ है। इस मामले में अग्रिम जमानत बरकरार रहेगी। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एनके सिंह की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। इस मामले में शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी ने एओआर सौरभ अजय गुप्ता के जरिए यह याचिका दायर की थी। याचिका में यह तर्क दिया गया था कि हाई कोर्ट ने स्वामी पर लगे आरोपों की गंभीरता पर ठीक से विचार नहीं किया। जस्टिस सुंदरेश ने याचिकाकर्ता से पूछा कि नाबालिगों के शोषण के बारे में जानकारी होने का दावा करने के बावजूद पुलिस के पास जाने में इतनी देरी क्यों की गई? हाई कोर्ट ने ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य को आंशिक रूप से इस आधार पर राहत दी थी, जिसे कोर्ट ने नाबालिग पीड़ितों का 'असामान्य' व्यवहार बताया था, क्योंकि पीड़ितों ने अपराधों के बारे में अपने स्वाभाविक अभिभावकों के बजाय एक अजनबी को बताने का रास्ता चुना था। अपनेआदेश में हाई कोर्ट ने राज्य की इस दलील को भी खारिज कर दिया।

सपा नेता नवाब सिंह को आठ साल की सजा

कन्नौज गैंगस्टर एक्ट में अदालत का बड़ा झटका, जुर्माना भी लगाया

कन्नौज, वार्ता

उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में बहुचर्चित पूर्व सपा नेता नवाब सिंह यादव मामले में गैंगस्टर एक्ट कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने नवाब सिंह यादव और उनके भाई नीलू यादव को गैंगस्टर एक्ट के तहत दोषी करार देते हुए 8-8 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोनों पर 10-10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है. वहीं मामले में आरोपी महिला पूजा तोमर को 6 वर्ष की सजा और 5 लाख रुपए के जुर्माने से दंडित किया गया है.

यह मामला 11 और 12 अगस्त 2025 की मध्य रात्रि का है, जब पूर्व सपा नेता नवाब सिंह यादव को उनके ही विद्यालय से एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने अपनी बुआ के मोबाइल फोन से कॉल कर घटना की जानकारी दी थी, जिसके बाद पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए नवाब सिंह यादव को हिरासत में ले लिया था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला था कि

पीड़िता को उसकी बुआ ही विद्यालय लेकर पहुंची थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। गिरफ्तारी के बाद से ही नवाब सिंह यादव जेल में बंद हैं और मामले की लगातार सुनवाई चल रही थी। जांच आगे बढ़ने पर पुलिस ने नवाब सिंह यादव के भाई नीलू यादव की भूमिका भी संदिग्ध पाई। पुलिस का आरोप था कि नीलू यादव ने आपराधिक गतिविधियों में सहयोग किया और मामले से जुड़े तथ्यों को प्रभावित करने का प्रयास किया। इसके बाद उसके खिलाफ भी गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई और उसे गिरफ्तार किया गया। वहीं जांच में महिला आरोपी पूजा तोमर की भूमिका भी सामने आई थी। पुलिस के मुताबिक पूजा तोमर पर आरोप था कि उसने मामले में साक्ष्यों को छिपाने और पुलिस जांच को गुमराह करने की कोशिश की। इसके चलते उसके खिलाफ भी गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था.

तीनों आरोपियों को कोर्ट ने दोषी पाया

लंबे समय तक चली सुनवाई और दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद गैंगस्टर कोर्ट ने शुक्रवार को तीनों आरोपियों को दोषी मानते हुए सजा सुनाई। कोर्ट के फैसले के बाद जिले में एक बार फिर इस मामले को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। पुलिस और प्रशासन ने अदालत के फैसले को न्याय प्रक्रिया की बड़ी सफलता बताया है। का कहना है कि संगठित अपराध और गंभीर मामलों में कानून के तहत सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। फैसले के बाद सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए कोर्ट परिसर और आसपास अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था।

जनपद भर में अकीदत व ऐतराम के साथ मनाया गया ईदुल अजहा का त्यौहार

दीन व ईमान की राह पर चलने की ताकीद

अमरोहा। ईदगाह में ईदुल अजहा की नमाज अदा करते नमाजी।

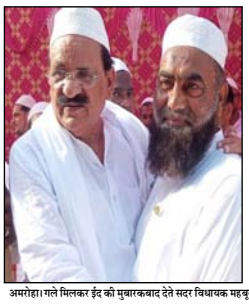

अमरोहा। गले मिलकर ईद की मुबारकबाद देते सदर विधायक महबूब अली।

ईद पर गले मिलकर पूर्व विधायक अशफाक अली खां,

ईदुल अजहा पर गले मिलकर मुबारकबाद देते कमाल अख्तर।

शाह टाइम्स, ब्यूरो

अमरोहा/हसनपुर/मंडी धनौरा/ गजरौला। ईदुल अजहा का त्यौहार जिले भर में पूरे जोशो खरोश के साथ मनाया गया। ईदगाह व तमाम मस्जिदों में ईद की नमाज अदा कर लोगों ने मुल्क में अमन व कौम की सलामती के लिए दुआएं मांगी जबकि अल्लाह की राह में कुर्बानी पेश की। पशुओं की कुर्बानी का सिलसिला लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा।

गुरूवार को ईदुल अजहा पर सुबह से ही मुस्लिमों में खासी चहल पहल रही। ईदुल अजहा की नमाज ईदगाह समेत शहर की विभिन्न मस्जिदों में अदा की गयी। रंग बिरंगे कपड़े पहनकर बच्चे भी बड़ों के साथ वहां पहुंचे। यहां मुफ्ती सालिम ने ईद की नमाज अदा करायी। जबकि इससे पूर्व उन्होंने कुर्बानी की फजीलत बयां करते नमाज की पाबंदी की ताकीद की। उन्होने इस्लाम की तालीमात पर रौशनी डालते कहा कि नबी ए करीम ने हमेशा अमन का पैगाम दिया। हमें उनके बताए रास्ते पर जिंदगी बसर करनी चाहिए। नमाज के बाद दुआ हुई जिसमें मुल्क में अमन और कौम की सलामती की दुआ मांगी गयी। इसके बाद लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद पेश की। इस मौके पर पूर्व मंत्री महबूब अली, पूर्व एमएलसी परवेज अली, चेयरमैन शशि जैन, ईओ डा. ब्रजेश कुमार आदि मौजूद रहे। वहीं शिया जामा मस्जिद में शहर शिया इमाम मौलाना सियादत नकवी ने नमाज अदा कराने से पूर्व लोगों से अल्लाह व नबी के बताए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। मदरसा शाही चबूतरा में नमाज अदा की गयी। लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। उधर जोया में पुरानी ईदगाह में तथा रजा ईदगाह पर मौलाना ने नमाज अदा करायी। उधर **मंडी धनौरा** में मे जामा मस्जिद पर नमाज अदा की गई। मुल्क और कौम की तरक्की के लिऐ दुआ की गई। उधर **उझारी** में ईद-उल-अजहा का त्यौहार पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लोगों ने अकीदत से सुन्नते इब्राहीमी अदा की और अल्लाह की बारगाह में सजदा कर शुक्र अदा किया। ईद-उल-अजहा का त्यौहार पर ईदगाह में ईद की नमाज अदा की गयी। मस्जिद कुरैशियान में नमाज के बाद लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद पेश की। और अकीदत के साथ सुन्नते इब्राहीमी को अदा किया यानी कुर्बानी पेश की। उधर **हसनपुर** में त्याग और बलिदान का प्रतीक ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व गुरुवार को ग्रामीण व शहरी इलाकों में बेहद अकीदत और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मनाया गया। क्षेत्र की प्रमुख ईदगाहों और मस्जिदों में हजारों नमाजियों ने खुदा की बारगाह में सिर झुकाकर नमाज अदा की और देश में अमन-चैन व कौम की तरक्की के लिए दुआएं मांगीं। ईदगाह पर शहर इमाम मुफ्ती मेराज ने ईद-उल-अजहा की नमाज मुकम्मल कराई। अपने खुतबे में उन्होंने हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम की सुन्नत और कुर्बानी के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। नमाज के बाद जैसे ही मुफ्ती साहब ने मुल्क की खुशहाली के लिए हाथ उठाए, तो हर आंख नम और हर जुबां पर श्आमीनश की गूँज थी। घ्सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। ईदगाह पर एसडीएम हिमांशु उपाध्याय स्वयं भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। और पल-पल की स्थिति पर नजर बनाये रखी। वहीं, सामाजिक सौहार्द की मिसाल पेश करते हुए बसपा नेता मुमताज अली उर्फ हाजी भुट्टो ने ईदगाह के बाहर सेवा कैंप लगाया। जहां नमाजियों को भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए ठंडी कोल्ड ड्रिंक और शीतल जल का वितरण किया गया। घ्नगर के साथ-साथ ग्रामीण अंचल के सिहाली जागीर, आगापुर, हैबतपुर, कालाखेड़ा, सैदनगली, ढक्का, उझारी, गलसुआ, ढवारसी, गंगवार, पिपलोती, जयतौली, शकरगढ़ी, बुरावली, बांसका, मदारीपुर और सुतावली जैसे इलाकों में भी शांतिपूर्ण ढंग से से मनाया हुआ। नमाज के उपरांत लोगों ने एक-दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और घरों में जाकर कुर्बानी की रस्म अदा की।

हसनपुर। ईदगाह में ईदुल अजहा की नमाज अदा करते नमाजी।

पत्नी से विवाद पर पति ने की आत्महत्या

एक माह पहले हुई थी शादी, मचा कोहराम

शाह टाइम्स ब्यूरो

रहरा। शादी के चंद दिनों बाद ही पत्नी से कहासुनी होने पर युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जिससे परिवार में कोहराम मच गया। घटना से गांव में तरह तरह की चर्चाएं व्याप्त हैं।

घटना आदमपुर थाना क्षेत्र के एक गावं की है। सूत्रों के अनुसार युवक की शादी करीब एक माह पहले ही हुई थी। पिछले कुछ दिनों से पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर तनाव चल रहा था। बुधवार रात भी दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो धीरे-धीरे बढ़ती चली गई। बताया जाता है कि विवाद के दौरान पत्नी द्वारा कही गई कुछ बातों से युवक गहरे मानसिक तनाव में आ गया। रात करीब एक बजे युवक घर की दूसरी मंजिल पर बने टीनशेड में पहुंचा और फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। काफी देर तक युवक के नीचे न आने पर परिजन ऊपर पहुंचे तो उसे फंदे पर लटका देख चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन में उसे नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की खबर फैलते ही गांव के लोग मौके पर जुट गए। युवक की असमय मौत से परिवार पूरी तरह टूट गया है। परिजनों ने बिना किसी कानूनी कार्रवाई के शव का अंतिम संस्कार कर दिया। बताया जा रहा है कि युवक की ससुराल क्षेत्र के ही एक गांव में है।

अमरोहा में बैनामों का बड़ा खेल बेनकाब

जिलाधिकारी नितिन गौड़ की जांच मे खुली 18.50 लाख की स्टांप चोरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। बैनामों में करापवंचन व स्टांप शुल्क चोरी के मामलों पर

- **बैनामों में करापवंचन का खुलासा, करोड़ों की संपत्तियों की जांच से मचा हड़कंप**

डीएम ने सख्त रुख अपनाया है। उप निबंधक कार्यालयों में पंजीकृत करोड़ों रुपये मूल्य के बैनामों की जांच के दौरान करीब 18.50 लाख रुपये के स्टांप शुल्क की कमी सामने आने पर डीएम ने संबंधित मामलों में वाद दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

शुक्रवार को डीएम डॉ. नितिन गौड़ ने उप निबंधक कार्यालयों में पंजीकृत सर्वाधिक मूल्य के बैनामों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उप निबंधक हसनपुर क्षेत्र के ग्राम दाऊदपुर बुजुर्ग स्थित गाटा संख्या 98, 99 तथा 60, 62 आदि में अंतरित संपत्तियों का निरीक्षण किया गया। इसके अलावा उप निबंधक धनौरा क्षेत्र के ग्राम बछरायूं स्थित गाटा संख्या 2193 व 2194 की भी जांच की गई। जांच में सामने आया कि पक्षकारों द्वारा तथ्यों को छिपाकर करापवंचन किया गया है। अधिकारियों के अनुसार दोनों मामलों में लगभग 18.50 लाख रुपये के स्टांप शुल्क की कमी पाई गई है। इस पर जिलाधिकारी ने सहायक महानि. रीक्षक निबंधन को संबंधित प्रकरणों में वाद दर्ज कराने और उप निबंधक कार्यालयों में पंजीकृत विलेखों की गुणवत्तापूर्ण जांच सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि पर्याप्त स्टांप शुल्क अदा कर ही लेखपत्र और बैनामे पंजीकृत कराएं, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान सहायक महानिरीक्षक निबंधन अनूप कुमार सिन्हा, एसडीएम व क्षेत्रीय लेखपालों की टीम भी मौजूद रही।

एक नजर

वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

शाह टाइम्स ब्यूरो जोया। डिडौली गुरुवार शाम जोया क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने घायल को संभालते हुए पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी।जानकारी के अनुसार करीब 30 वर्षीय युवक बाइक पर सवार होकर अमरोहा की ओर से जोया की तरफ आ रहा था। जैसे ही उसकी बाइक बंबूगढ़ -सम्भल चौराहा जोया स्थित कान्हा गोशाला के पास पहुंचीद्य तभी सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक क्षतिग्रस्त हो गई तथा बाइक सवार गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। घायल को उपचार के लिए अमरोहा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

फब्तियां कसने के विरोध पर दम्पति को पीटा

शाह टाइम्स ब्यूरो जोया। डिडौली थाना क्षेत्र के औरंगाबाद गांव में घर के सामने खड़े होकर फब्तियां कसने का विरोध करना एक दंपति को भारी पड़ गया। आरोप है कि विरोध करने पर तीन युवकों ने पति-पत्नी के साथ मारपीट कर दीद्य जिसमें दोनों घायल हो गए।गांव निवासी मजदूर दिलशाद अली का आरोप है कि गांव के ही जुनैद, फिरोज और नजारुल उसके घर के सामने खड़े होकर गंदी-गंदी गालियां देते हुए फब्तियां कस रहे थे। विरोध करने पर तीनों युवकों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में दिलशाद अली और उनकी पत्नी सलमा खातून घायल हो गए।घटना के बाद दिलशाद अली ने कंट्रोल रूम को सूचना दी। पीड़ित ने थाने पहुंचकर मामले की तहरीर दी।

भट्टे के मुंशी से गाली गलौच, तीन भाईयों पर रिपोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो जोया। डिडौली थाना क्षेत्र के मुबारकपुर नूरी निवासी शाने अली ककराली माफी गांव स्थित ख्वाजा ईंट उद्योग पर मुंशी का कार्य करते हैं। आरोप है कि पास में ही इस्माईल, आरेफीन और इब्राहीम पुत्रगण इरफान अली का भी ईंट उद्योग संचालित है। बताया गया कि मंगलवार को किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी और गाली-गलौज हो गई थीद्य जिस पर मौके पर मौजूद लोगों ने मामला शांत करा दिया था। बुधवार दोपहर पड़ोसी ईंट उद्योग के मालिक तीनों सगे भाइयों ने फिर से गाली-गलौज शुरू कर दी। झगड़ा बढ़ता देख आसपास के लोग बीच-बचाव के लिए पहुंचे तो आरोपित जान से मारने की धमकी देकर मौके से चले गए। पीड़ित शाने अली ने बुधवार शाम डिडौली कोतवाली पहुंचकर मामले की तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों भाइयों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मानदेय के इंतजार में चली गई रोजगार सेवक की जान

नौ माह से वेतन नहीं, ईद के दिन हुई मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। विकासखंड की ग्राम पंचायत मुंडा खेड़ा खादर में तैनात रोजगार सहायक साजिद अली की ईद-उल-अजहा के दिन मौत हो जाने से मनरेगा कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया। रोजगार सेवक संघ ने आरोप लगाया है कि करीब नौ से दस महीने से मानदेय न मिलने के कारण साजिद आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे और बीमारी के बावजूद इलाज नहीं करा पा रहे थे। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है, वहीं कर्मचारियों ने व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं।

बताया जा रहा है कि साजिद अली पिछले काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे। परिजनों का कहना है कि घर की आर्थिक स्थिति खराब होने के चलते उनका ठीक से इलाज नहीं हो सका। ईद के दिन अचानक तबीयत बिगड़ने पर उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मौत की खबर फैलते ही जिलेभर के रोजगार सहायक मुंडा खेड़ा खादर पहुंचने लगे। रोजगार सेवक संघ के जिलाध्यक्ष कुबेर सिंह के नेतृत्व में कर्मचारियों ने शोक जताते हुए सरकार से लंबित मानदेय तत्काल जारी करने की मांग की। ब्लॉक अध्यक्ष चीनू सागर ने कहा कि जिले के रोजगार सहायकों को पिछले 9-10 महीने से मानदेय नहीं मिला है। इससे कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। कई कर्मचारी कर्ज लेकर परिवार चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि लगातार योजनाओं में काम लेने के बावजूद भुगतान लंबित है, जिससे कर्मचारियों का मनोबल टूट रहा है। कर्मचारियों ने कहा कि मनरेगा व्यवस्था गांव-गांव तक पहुंचाने वाले रोजगार सहायकों की हालत बेहद खराब हो चुकी है। समय पर भुगतान न होने से परिवारों पर गंभीर असर पड़ रहा है। संघ ने जल्द भुगतान न होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी है। घटना के बाद सोशल मीडिया पर भी मामला चर्चा में बना हुआ है। लोगों का कहना है कि कर्मचारियों से लगातार काम तो लिया जाता है, लेकिन उनके भुगतान को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जाती।

मामूली कहासुनी पर दो परिवारों में खूनी संघर्ष

दोनों ओर से जमकर पथराव, 40 नामजद समेत 75 पर रिपोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

नौगांवा सादात। गांव सैदपुर इम्मा में बच्चों के बीच हुई मामूली कहासुनी ने बुधवार शाम बड़ा बवाल खड़ा कर दिया। रंजिश के चलते दो पक्ष

- **पुलिस के सामने पत्थरबाजी,**
- **पुलिस ने सात को भेजा जेल**

आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते मारपीट व छतों से पथराव शुरू हो गया। पुलिस की मौजूदगी में भी काफी देर तक पथराव चलता रहा। मामले में 40 नामजद के अलावा 35 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के मुताबिक गांव सैदपुर इम्मा में मुकीम व अली हसन का परिवार रहता है। दोनों में रंजिश चली आ रही है। बुधवार शाम दोनों परिवारों के बच्चे गांव में ही बड़ी मस्जिद के पास खड़े थे। उनके बीच कहासुनी हो गई थी। इस कहासुनी की जानकारी दोनों पक्षों के हुई तो वह भी घरों से बाहर निकल आए। इसके बाद विवाद बढ़ता गया। दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी। इसी दौरान पथराव शुरू हो गया। छतों पर चढ़ कर एक दूसरे पर पथराव किया गया। जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। किसी ग्रामीण ने डायल-112 पर काल कर दी तो पुलिस भी पहुंच गई लेकिन पुलिस की मौजूदगी में भी दोनों तरफ से पथराव चलता रहा। थाने से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर बिगड़ती स्थिति पर काबू किया जा सका। मारपीट व पथराव में कितने लोग घायल हुए हैं, यह स्पष्ट नहीं हो सका। मामले में दारोगा तेजपाल सिंह की तहरीर पर दोनों पक्षों के 40 लोगों को नामजद किया गया है। साथ ही 35 अज्ञात पर भी रिपोर्ट दर्ज की गई है। सुरक्षा के लिहाज से गांव में पुलिस तैनात है। वहीं, पुलिस ने आरोपी रहीश अहमद, मोहम्मद शहीद, आले हसन, रहीश, नफीश, अहमद अली व अहसान को गिरफ्तार कर चालान कर दिया है।

बीमा कंपनी को ब्याज समेत रकम लौटाने के आदेश

उपभोक्ता फोरम ने सुनाया फैसला

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। उपभोक्ता फोरम ने बीमा कंपनी को 100450 रुपये का भुगतान नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज से करने का आदेश दिया। इतना ही नहीं आर्थिक, मानसिक क्षतिपूर्ति तथा वाद व्यय के रूप में आठ हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

बीमा कंपनी द्वारा शॉर्ट टर्म निवेश को 10 वर्षीय बताकर उपभोक्ता को गुमराह किया जा रहा था। अमरोहा निवासी योगेंद्र सिंह और उनकी पत्नी रामवती ने बैंक से शॉर्ट टर्म पांच वर्षीय बीमा योजना में निवेश किया था। उनका आरोप है कि बैंक और बीमा कंपनी, दोनों के अधिकारियों ने उन्हें बताया था कि पांच साल पूरे होने के बाद कभी भी अपनी जमा राशि वापस निकाली जा सकती है। सहमति बनने के बाद बीमा कंपनी ने रामवती के खाते से 100450 रुपये प्रीमियम के रूप में काट लिए। आरोप है कि फॉर्म भरते समय बैंक और कंपनी ने उनका मोबाइल नंबर गलत दर्ज कर दिया, जिसके कारण उन्हें पॉलिसी से संबंधित सूचना नहीं मिल सकी। इतना ही नहीं, कंपनी ने समय पर पॉलिसी बॉन्ड भी उपलब्ध नहीं कराया। 12 अक्टूबर 2020 को डुप्लीकेट पॉलिसी बॉण्ड उन्हें दे दिया गया और बताया गया कि मूल बॉण्ड एजेंट से गुम हो गया है। डुप्लीकेट बॉण्ड मिलने पर पीड़िता को पता चला कि निवेश पांच वर्षीय नहीं बल्कि 10 वर्षीय लंबी है। वहीं फ्री लुक पीरियड भी बीत चुका था, क्योंकि पॉलिसी दस्तावेज करीब 11 महीने की देरी से मिले। मामले में पीड़ित पक्ष ने जिला उपभोक्ता आयोग की शरण ली। आयोग के अध्यक्ष रमाशंकर सिंह और महिला सदस्य अंजू रानी दीक्षित ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मामले में अपना फैसला सुनाया।

घरेलू क्लेश के चलते युवक फांसी के फंदे पर झूला

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। पत्नी से अनबन के चलते युवक ने फांसी के फंदे पर झूलकर अपने जीवन लीला को समाप्त कर लिया। कानूनी कार्रवाई के बिना परि. जनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

नगर के मोहल्ले में बुधवार की रात एक युवक की अपनी पत्नी से कहा सुनी होने के बाद क्लेश हो गई थी। युवक के परिजन उसकी पत्नी को ऊपरी मंजिल में बने कमरे से पत्नी को नीचे ले आये तथा वह वही सो गई। लेकिन किसी को क्या पता था कि युवक अपने दिल में कुछ और ठान चुका है। परिवार के लोग जब गहरी नींद सो गये तो उसने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला को समाप्त कर लिया। सुबह होने पर जब परिजनों की आंख खुली तो युवक की लाश को कमरे में लटका हुआ देखा तो उनकी चीख निकल गई। कुछ ही देर में युवक के घर के बाहर आसपास के लोगों की काफी भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंच गई। लेकिन परिजनों ने कानूनी कार्रवाई करने से इंकार कर दिया। युवक की मौत होने से परिजनों का रोते बिलखते बुरा हाल है। गमजदा माहौल में युवक के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

देवर-भाभी को लाठियों से पीटकर किया घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। कोतवाली क्षेत्र के तहत आने वाले गांव रुखालू में दबंगों के हौसले बुलंद हैं। यहाँ पुलिस में शिकायत करने से आक्रोशित दबंगों ने एक महिला और उसके देवर पर जानलेवा हमला कर दिया।

कोतवाली क्षेत्र के गांव निवासी धर्मवती का अपनी देवरानी के साथ विवाद चल रहा था। धर्मवती को जब पीटा गया तो उसने इसकी शिकायत पुलिस में की थी। इसी रंजिश के चलते दबंगों ने कानून को ताक पर रखकर जबरन घर का दरवाजा तोड़ दिया और अंदर दाखिल हो गये। हमलावरों ने धर्मवती और उसके देवर विजयपाल पर लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस बर्बरतापूर्ण पिटाई में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये। परिजनों ने आनन-फानन में घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहाँ उनका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई। कोतवाल राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि मामले को संज्ञान में ले लिया गया है। और गंभीरता से जाँच की जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

क्रिकेट मैच के विवाद में तोड़फोड़ व मारपीट

बस्ती में हुई मारपीट में चार आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। थाना क्षेत्र के एक गांव में क्रिकेट मैच के दौरान दो युवकों के बीच हुए विवाद ने बड़ा रूप ले लिया। आरोप है कि एक युवक के पक्ष ने दूसरे पक्ष के घर पर चढ़ाई करके मारपीट की और चार लोगों को घायल कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव नौनेर निवासी जुबैर और फरमान के बीच क्रिकेट मैच खेलते समय कहासुनी हो गयी थी। उस समय तो बात खत्म हो गयी थी लेकिन आरोप है कि फरमान पक्ष के बीस से अधिक लोग जुबैर के घर पहुंचे और मारपीट करके जुबैर पक्ष के तस्लीम, सलमुद्दीन व अब्दुल बली आदि को घायल कर दिया। इतना ही नहीं घर में रखे सामान में भी तोड़फोड़ की। जुबैर के पिता ताहिर की तहरीर के आधार पर पुलिस ने गांव निवासी फरमान, सुहैल व रहमान पुत्रगण

विजयनगर में युवक को पीटा, दो पर मुकदमा

अखलाक, महताब, कलुवा, पप्पू, तारिक, खुर्शीद व छह अज्ञात लोगों के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं वहीं झगड़े की एक दूसरी घटना नगर के मौहल्ला विजयनगर की है। यहां के निवासी हसीन चौधरी का आरोप है कि मौहल्ले के ही सालिम व अयान ने उसके साथ मारपीट करके घायल कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोगों की भीड़ जुटी तो उन्होंने बीच बचाव किया। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं गुरूवार की रात को ही नगर के बस्ती में हुए विवाद में पुलिस ने घायल कपिल गोस्वामी के भाई अंकित गोस्वामी की तहरीर के आधार पर आदिल, शहजाद, नौशाद निवासी मौहल्ला जलालनगर व मझोला गांव निवासी वंश के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। बीते दिन चारों आरोपियों ने कपिल गोस्वामी के साथ मारपीट करते हुए घायल कर दिया था। इंस्टाग्राम पर किसी कमेंट को लेकर विवाद हुआ था। कपिल ने तो फायरिंग का भी आरोप लगाया था पुलिस ने मामले में जांच पड़ताल और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

ईद पर नगर में सफाई के चाक चौबंद प्रबंध

पालिका ने दूसरे दिन भी उठवाए ओज

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। पालिका द्वारा ईदुल अजहा के दूसरे दिन ओजो को उठाने का सिलसिला जारी रहा। ओज उठाने की बेहतर व्यवस्था होने से लोगों ने राहत की सांस महसूस की। बताते चलें कि इस बार नगर पालिका ने ईदुल अजहा के अवसर पर ओजो को उठाने की विशेष व्यवस्था की थी। पालिका ने कई टीमें गठित कर ओजो को समय से उठाया गया। आज दूसरे दिन भी पालिका के सफाई कर्मियों द्वारा ओज उठाने का सिलसिला जारी रहा। नागरिकों को बताया गया था कि अगर कहीं ओज समय से नहीं उठ रहे तो वह समय से इसकी सूचना तत्काल पालिका कंट्रोल को दें। ईओ डा. ब्रजेश कुमार ने बताया कि पालिका ने सफाई व जलापूर्ति की विशेष व्यवस्था की थी। ताकि ईदुल अजहा पर किसी तरह की कोई परेशानी न हो। पालिका द्वारा सफाई की चाक चौबंद व्यवस्था होने पर नागरिकों द्वारा पालिका की सराहना की गयी। उनका कहना है कि इस बार जो सफाई के बंदोबस्त किये गये थे वह पिछली बार के मुकाबले बेहतर थे।

सपा ने लगाया मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप

एसडीएम को ज्ञापन सौंप जांच की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विधानसभा क्षेत्र की अंतिम मतदाता सूची में गड़बड़ी होने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को एसडीएम शैलेश कुमार दुबे को ज्ञापन सौंपा। सपा नेताओं ने कहा कि मतदाता सूची में कई जगह एक ही व्यक्ति का नाम दोबारा दर्ज है, जिससे चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य आलोक कुमार भारती और जिला कोषाध्यक्ष विपिन कौशिक के नेतृत्व में सपा कार्यकर्ता तहसील पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतिम मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर डुप्लीकेट नाम शामिल किए गए हैं। कई वोटरों के नाम अलग-अलग बूथों पर भी दर्ज बताए गए हैं। सपा नेताओं ने मांग की कि सूची की गहन जांच कराकर फर्जी और दोहरे नामों को हटाया जाए, ताकि आने वाले चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराए जा सकें। एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने ज्ञापन लेकर मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को त्रुटिहीन बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है और शिकायतों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान विपिन कौशिक, आलोक भारती, निर्दोष सैनी, लखमीचंद चौधरी एडवोकेट, डॉ. अनीस मलिक, धर्मपाल जाटव, सिद्धार्थ यादव एडवोकेट, कौशिंदर जाटव, पंकज यादव, ओसाब खान एडवोकेट, मुहम्मद अली और पंकज चौधरी समेत बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गंदगी व बदहाल व्यवस्था पर डीएम खफा

बछरायूं सीएचसी में डीएम का छापा, स्वास्थ्य सेवाओं की खुली पोल

शाह टाइम्स संवाददाता

बछरायूं। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने शुक्रवार को साम. दायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरायूं का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत परखी। डीएम के अचानक पहुंचते ही अस्पताल स्टाफ में हलचल मच गई। उन्होंने ओपीडी, आईपीडी, लैबर रूम, फार्मेसी, एसटीईएमआई कक्ष और एनबीएसयू वार्ड का बारीकी से निरीक्षण कर कई जरूरी निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने एसटीईएमआई कक्ष में सफाई व्यवस्था पर नाराजगी जताई और बेडशीट तत्काल बदलवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में साफ-सफाई से किसी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। मरीजों को बेहतर वातावरण मिलना जरूरी है। डीएम ने अस्पताल परिसर में लगे वाटर कूलर की भी जांच की और निर्देश दिए कि उसमें ओआरएस घोल की व्यवस्था हर समय उपलब्ध रहनी चाहिए, ताकि गर्मी के मौसम में मरीजों और तीमारदारों को राहत मिल सके। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नर्सिंग स्टाफ से प्रसव के बाद महिलाओं को मिलने वाली सुविधाओं और अस्पताल में रोकने की अवधि के बारे में जानकारी ली। डीएम ने कहा कि मरीजों को शासन की सभी सुविधाएं सही तरीके से मिलनी चाहिए। सीएमएस डॉ. रंजना ने जिलाधिकारी को अस्पताल में जनरेटर खराब होने, स्टाफ की कमी और अन्य संसाधनों की समस्या से अवगत कराया। इस पर डीएम ने भरोसा दिलाया कि आवश्यक सुविधाओं की कमी जल्द दूर कराई जाएगी। इसके बाद जिलाधिकारी ने दवा स्टोर और औषधि वितरण कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होंने फार्मासिस्ट से ईडीएल दवाओं और एंटी रेबीज व एंटी वेनम इंजेक्शन की उपलब्धता की जानकारी ली। फार्मासिस्ट ने बताया कि अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में दवाएं मौजूद हैं। डीएम ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि एंटी रेबीज व एंटी वेनम इंजेक्शन निर्धारित तापमान पर फ्रिज में सुरक्षित रखे जाएं, ताकि जरूरत पड़ने पर मरीजों को प्रभावी उपचार मिल सके। निरीक्षण के दौरान सीएमएस डॉ. रंजना समेत अस्पताल के चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे।

चौ.चरण सिंह ने हमेशा की किसानों की आवाज बुलंद

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सरिता चौधरी के नगर स्थित कार्यालय पर पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 39वीं पुण्यतिथि मनाई गई और उनके चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। समाजवादी पार्टी के पिछड़ा वर्ग के प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि आज इस देश को चौधरी चरण सिंह की विचारधाराओं व सिद्धांतों पर चलने वाले नेताओं की जरूरत है। चौधरी साहब ने हमेशा किसानों की आवाज बुलंद करने का काम किया और किसान मसीहा के रूप में किसानों के दिल में जगह बनाई। समाजवादी पार्टी चौधरी साहब की नीतियों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। पूर्व अध्यक्ष सरिता चौधरी ने कहा कि चौधरी साहब ने हमेशा ही सुचिता की राजनीति की। उन्हें हमेशा उनकी सादगी और ईमानदारी के लिए जाना जाता है। इस अवसर पर चन्द्रपाल सिंह यादव, सपा नेत्री इंदु अमन चौधरी, अमन चौधरी, अनिल प्रधान, कुलदीप देवल, सतेंद्र सिंह, कुलदीप राजपूत, अरुण पालनपुर, चिराग वर्मा, विशाल वाल्मीकि, निशांत चौहान, बबलू जाटव, सौरभ प्रजापति, सुरेन्द्र चौहान, विपिन चौधरी आदि मौजूद रहे।

चरण सिंह के पदचिन्हों पर चलने का संकल्प

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री एवं किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह की 39 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल द्वारा नगर के सुपर मार्केट में हवन आयोजित किया गया। हवन के बाद आयोजित विचार गोष्ठी में जिलाध्यक्ष सचिन

पुण्यतिथि पर याद किए गए पूर्व प्रधानमंत्री

चौधरी ने कहा कि चौधरी साहब केवल एक राजनेता नहीं बल्कि देश के करोड़ों किसानों की आशा और विश्वास के प्रतीक थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन गांव, गरीब, किसान और मजदूर वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। आज भी उनके विचार और सिद्धांत प्रासंगिक हैं तथा देश की कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल उनकी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में रामवीर सिंह, सत्यवीर सिंह चौहान, सरजीत सिंह, नदीम अब्बास जैदी, मेंहदी हसन मंसूरी, हरपाल सिंह, सुमित शिवाच, सुरेंद्र गंधर्व, राजवीर सिंह, अजय गिल, बोबिन सिंह, दिनेश शर्मा, डॉ. ललित चाहल, सुखबीर सिंह, हरपाल सिंह एवं थान सिंह आदि मौजूद रहे।

अवैध शराब बेचते युवक गिरफ्तार

हसनपुर। थाना क्षेत्र के ग्राम सो. हरका में पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर छापेमारी कर अवैध रूप से शराब बेचते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान भजनलाल निवासी ग्राम बाईखेड़ा के रूप में हुई है। गश्त के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति दुकान के बाहर प्लास्टिक के कट्टे में शराब रखकर बेच रहा है। पुलिस ने मौके पर घेरा. बंदी कर आरोपी को रंगे हाथों दबोच लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 13 पव्वे देशी शराब (टप बास मार्का) और 18 बीयर की कैन (किंगफिशर मार्का) बरामद हुईं। वैध लाइसेंस न दिखा पाने पर पुलिस ने आरोपी को आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत हिरासत में ले लिया।

हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। कोतवाली क्षेत्र के तहत आने वाले ग्राम सकरीली मिलक के पास एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रुखालू निवासी पुष्पेन्द्र अपने साथी किरनपाल के साथ छोटा हाथी वाहन से 22 मई की रात से घर लौट रहा था। तभी सामने से आ रहे एक स्वराज ट्रैक्टर के चालक पवन उर्फ जितेन्द्र (निवासी खुंगावली, गजरौला) ने तेजी व लापरवाही से चलाते हुए उनके वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर में पुष्पेन्द्र गंभीर रूप से घायल हो गया। और उसका वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के तुरंत बाद घायल पुष्पेन्द्र को उपचार के लिए स्थानीय महाराणा अस्पताल पहुँचाया गया। जहाँ उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए मेरठ रेफर कर दिया। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

महिला को बंदरों के झुंड ने किया घायल

शाह टाइम्स संवाददाता जोया। घर के आंगन में खाना बना रही महिला को बन्दरो के झुंड ने हमला कर महिला को घायल कर दिया आनन फानन में परिजनों ने महिला को निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया। डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गाँव इकोदा में बन्दरो का आतंक बढ़ता जा रहा है शुक्रवार दोपहर घर के आंगन में खाना बना रही रीनू पत्नी मुकेश सिंह को अचानक बन्दरो के झुंड ने हमला कर घायल कर दिया चीख पुकार सुनकर परिजन दौड़े किसी तरह परिजनों ने बन्दरो को भगा महिला को कस्बे के निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के बाद महिला को छुट्टी दे दी गयी है अचानक गाँव मे बढ़ते बन्दरो को ग्रामीणों ने पकड़वाने की मांग की है।

चार दिन बंद रहेगा चांदनगर रेलवे क्रासिंग

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। रजबपुर के ग्राम चाँदनगर स्थित रेलवे क्रॉसिंग गेट नंबर-36 को 29 मई से। जून तक बंद रखने की सूचना जारी की गई है। फाटक बंद रहने से ग्रामीणों, छात्रों, किसानों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। लोगों को कई किलोमीटर लंबा वैकल्पिक रास्ता अपनाना पड़ सकता है, जिससे समय और धन दोनों की बर्बादी होगी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और रेलवे विभाग से वैकल्पिक यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

लगातार दूसरे दिन मिले मांस के अवशेष

शाह टाइम्स संवाददाता

अमरोहा। नगर के प्रसिद्ध श्री वासुदेव मंदिर परिसर में लगातार दूसरे दिन संदिग्ध पशु अवशेष मिलने से माहौल गर्मा गया है। घटना को लेकर बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद कार्यकर्ताओं में भारी गुस्सा देखा जा रहा है। मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगें हैं। विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री विपिन शर्मा ने बताया कि बकरा ईद के दिन श्री वासुदेव मंदिर परिसर स्थित हनुमान मूर्ति के पास सरोवर की सीढ़ियों पर मांस का टुकड़ा पड़ा मिला था, लेकिन अब तक इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि ईद के अगले ही दिन फिर मंदिर परिसर के पार्क में एक पेड़ पर संदिग्ध पशु का सींग लटका मिला, जिससे हिंदू संगठनों में आक्रोश फैल गया। विपिन शर्मा ने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर धार्मिक माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं और मंदिर परिसर को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो हिंदू संगठन बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। हिंदू संगठनों ने पुलिस से अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

वासुदेव की घटना, हिन्दू संगठनों में रोष

पटाखा छोड़ रही बुलेट को किया सीज

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। सड़क पर तेज आवाज में पटाखा छोड़कर लोगों को परेशान कर रही बुलेट बाइक को ट्रैफिक पुलिस ने पकड़कर सीज कर दिया। कार्रवाई से बाइक चालकों में हड़कंप मच गया। शुक्रवार को जोया अंडरपास के पास चेकिंग अभियान के दौरान टीएसआई दिनेश कुमार और सिपाही सोनू कुमार वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक युवक बुलेट बाइक से तेज आवाज में पटाखे छोड़ते हुए निकल रहा था। पुलिस ने तुरंत बाइक को रुकवाया और दस्तावेजों की जांच की। पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन और सार्वजनिक स्थान पर ध्वनि प्रदूषण फैलाने के आरोप में बाइक को सीज कर दिया। टीएसआई दिनेश कुमार ने बताया कि सड़क पर स्टंट करने और पटाखा छोड़ने वाले वाहन चालकों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

नौगांवा सीट को लेकर स्थिति साफ नहीं

गठबंधन के तहत रालोद इस सीट पर ठोक रहा अपना दावा

शाह टाइम्स संवाददाता

अमरोहा। अभी विधानसभा चुनाव में आठ महीने शेष हैं। नौगांवा सादात विधानसभा सीट को लेकर एनडीए गठबंधन में तस्वीर साफ नहीं है। जाट बाहुल्य मतदाता वाली इस सीट पर रालोद अपना दावा ठोक रहा है।

चार चुनाव में सपा व भाजपा दो-दो बार जीत चुकीं चुनाव

नौगांवा सादात विधानसभा 2009 में अस्तित्व में आयी थी। 2012 में पहली बार यहां चुनाव हुआ। जिसमें सपा के अशफाक अली खां ने बसपा के राहुल चौहान को करीब 3800 वोटों से चुनाव हराया था जबकि पूर्व सांसद देवेन्द्र नागपाल की पत्नी एवं रालोद प्रत्याशी अंशू नागपाल को तीसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा। 2017 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा के स्व. चेतन चौहान चुनाव जीते तथा प्रदेश सरकार में खेलमंत्री बने। परन्तु 2019 में उनका देहांत हो गया जिस पर यहां उपचुनाव हुआ तथा उनकी पत्नी संगीता चुनाव यहां से विधायक निर्वाचित हुईं। 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के समरपाल सिंह यहां से विधायक चुने गये। उन्होंने पूर्व सांसद एवं भाजपा प्रत्याशी देवेन्द्र नागपाल को करीब छह हजार वोटों से चुनाव हराया। 2022 का चुनाव सपा ने रालोद गठबंधन के साथ लड़ा था परन्तु जिले की चारों सीटों पर सपा ने खुद चुनाव लड़ा जबकि रालोद को एक भी सीट नहीं दी। लोकसभा चुनाव में रालोद ने सपा से गठबंधन तोड़ दिया तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी भाजपा की गोद में जाकर बैठ गयें उन्हें केन्द्र सरकार में मंत्री बनाया गया। जबकि प्रदेश में रालोद कोटे से एक मंत्री है। आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा रालोद से मिलकर चुनाव लड़ेगी, यह करीब तय से सा है। जाट बाहुल्य नौगांवा सादात की सीट पर रालोद की नजर है। भाजपा व रालोद में कई नेता ऐसे हैं जो इस सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। परन्तु एक पेंच फंसा है केन्द्रीय मंत्री जयंत चौधरी भाजपा के सामने अपनी शर्त मजबूती से नहीं रखते। जब रालोद का सपा से गठबंधन था तो लोकसभा चुनाव में रालोद सपा से आठ से दस सीटों सीटें मांग रहा था जबकि भाजपा से वह केवल दो सीटों पर ही राजी हो गया। यह बात दूसरी है कि रालोद भाजपा से गठबंधन के चलते बागपत व बिजनौर की लोकसभा सीट जीतने में कामयाब रहा। विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ गयी हैं ऐसे में रालोद नेता भी पार्टी प्रमुख पर जयंत चौधरी से मिलकर नौगांवा की सीट भाजपा से गठबंधन के तहत छोड़ने की मांग कर रहे हैं। रालोद से टिकिट के कई दावेदार हैं तथा उन्हें उम्मीद है कि अगर पार्टी को यह सीट मिली तो वह चुनावी मुकाबले को रोचक बना सकते हैं। वैसे भाजपा पिछले नौ सालों से प्रदेश की सत्ता पर काबिज है तथा वह आसानी से रालोद को यह सीट नहीं छोड़ेगी।

घूसखोर डीएसओ अनूप तिवारी 40 हजार की रिश्वत के साथ गिरफ्तार

बुढ़सैनी गांव के राशन डीलर नरेंद्र कुमार की शिकायत पर की गई कार्रवाई, 10 हजार लेकर फरार हुए एआरओ साहब

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। जिला पूर्ति अधिकारी को 40 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए विजिलेंस टीम ने रंगे हाथों धर-दबोचा। टीम ने उसके ही कार्यालय से उसे गिरफ्तार किया। वह एक राशन डीलर से रिश्वत ले रहा था।

विजिलेंस की टीम उसे कोतवाली ले गई है, जहां उस पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। राशन डीलर ने शिकायत की थी कि जिला पूर्ति अधिकारी लगातार उससे कमीशन मांग रहे थे। न देने पर धमकी दी थी कि उसका लाइसेंस रद्द कर देंगे। डीलर का आरोप है कि ARO 10 हजार रुपए लेकर भाग गए हैं। सिंघावली अहीर के बुढ़सैनी गांव के नरेंद्र कुमार की सरकारी राशन की दुकान है। उन्होंने 4 दिन पहले विजिलेंस टीम से डीएसओ अनूप तिवारी की शिकायत की। आरोप लगाया कि डीएसओ अनूप तिवारी राशन बांटने पर कमीशन मांग रहे हैं। लगातार 4 महीनों से दबाव बना रहे हैं। कमीशन न देने पर लाइसेंस निरस्त करने की धमकी दे रहे हैं।

नरेंद्र ने आरोप लगाया कि RFO (क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी) योगेंद्र कुमार को पहले उसने 10 हजार रुपए दे चुका है। योगेंद्र सिंह के जरिए ही डीएसओ अनूप नरेंद्र से रिश्वत मांग रहे थे। शुक्रवार की सुबह 10 बजे से विजिलेंस की 5 सदस्यीय टीम एक्टिव हो गई। डीएसओ ऑफिस के चारों ओर विजिलेंस के लोग लग गए। टीम लगातार नरेंद्र के संपर्क में बनी रही। करीब 2:15 बजे नरेंद्र डीएसओ ऑफिस पहुंचा। उसके साथ विजिलेंस टीम का एक ऑफिसर भी था। नरेंद्र ने जैसे ही अनूप तिवारी को 40 हजार रुपए दिए। टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। उन्हें ऑफिस से सीधे कोतवाली ले गए, जहां मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई चल रही है। इस बीच ARO योगेंद्र सिंह मौके से फरार हो गए। डीएसओ अनूप तिवारी 2 साल से बागपत में तैनात हैं। इससे पहले वह जालौन में थे। साल 2024 में गैस एजेंसी संचालकों ने इनके खिलाफ हड़ताल की थी और रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। मैं पुंसनी का राशन डीलर हूं। मैं जो राशन बांटता हूं, उस पर DSO साहब कमीशन मांगते हैं। 25 रुपए प्रति क्विंटल का। मुझसे उन्होंने कहा कि भाई, 5-6 महीने से ज्यादा हो गए हैं, 30-40 हजार रुपए कम से कम मुझे लाकर दो। ऐसे ही ARO योगेंद्र सिंह ने भी 10 हजार रुपए मांगे हैं। जब उन्होंने मुझ पर बार-बार दबाव बनाया। एक विनय बाबू हैं उनसे बार-बार फोन कराया। हेमंत बाबू हैं, उनसे भी फोन कराया। अंत में मुझे इनकी बात माननी पड़ी। जब मैं इनसे मिलने गया तो दबाव में आकर हामी भर दी। इसके बाद मैंने विजिलेंस से इनकी शिकायत की। 40 हजार रुपए मैंने DSO साहब को दिए हैं और 10 हजार रुपए मैंने ARO साहब को दिए। वो निकल. कर भाग गए रुपए न देने पर दुकान खत्म करने और लाइसेंस निरस्त करने की धमकी देते थे।

व्यापारी के हत्यारों को पकड़ने को एसपी ने लगाई पांच टीमें

बीच बचाव करने पर दबंगों ने मारी थी गोली, व्यापारियों में रोष

शाह टाइम्स ब्यूरो

पीलीभीत। कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक बेहद खौफनाक वारदात सामने आई है। यहाँ भरे बाजार में हो रहे विवाद के दौरान जब एक स्थानीय व्यापारी बीच-बचाव करने पहुंचा, तो दबंगों ने उसे सरेआम गोली मार दी। गोली लगने से व्यापारी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दिनदहाड़े हुई इस ताबड़तोड़ फायरिंग से पूरे बाजार में भगदड़ और अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल के साथ एसपी सुकीर्ति माधव मौके पर पहुंचे उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पांच टीमें लगाई हैं।

बीसलपुर तहसील के बिलसंडा थाना क्षेत्र के गोला रोड के रहने वाले पप्पू गुप्ता पुत्र श्रीकृष्ण गुप्ता की बमरौली तिराहा पर कपड़े की दुकान है। उनकी दुकान के पास में पंकज की साइकिल की दुकान है। जानकारी के अनुसार गुरुवार को शाम पांच बजे पंकज की दुकान पर कुछ बाइक सवार लोग पहुंचे गाली गलौज करते हुए झगड़ा फसाद शुरू कर दिया। पड़ोस की दुकान से ही लौट रहे पप्पू गुप्ता ने बीच बचाव करने की कोशिश की। दबंगों ने उन पर भी हमला शुरू कर दिया उनमें से एक युवक ने देखते ही देखते फायर कर दिया। जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़े। प्राथमिक उपचार के लिए उन्हें बिलसंडा सीएससी में भर्ती कराया गया जहां भारत गंभीर देखते हुए उन्हें बरेली रेफर कर दिया गया, जहां रास्ते में ही उनकी मौत हो गई थी।

व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष शैली अग्रवाल ने पुलिस अधीक्षक से वार्ता कर जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी और व्यापारी के परिवार को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की। दिनदहाड़े हुई घटना से व्यापारियों में रोष है, पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने आरोपियों की घर पकड़ के लिए पुलिस की 5 टीमें लगाई है। व्यापारी की मौत से व्यापारियों के रोष है, पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के बीच मृतक पप्पू गुप्ता का पोस्टमार्टम किया अंतिम संस्कार के लिए भेज दिया। परिजनों और व्यापारियों ने शव चौराहे पर रखकर प्रदर्शन करते हुए जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। मौके पर पहुंचे आला अधिकारियों के समझाने पर परिजनों ने उनका अंतिम संस्कार कर दिया। जनपद में तमाम व्यापारी संगठनों ने पुलिस से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए, परिवार को सूचित देने की मांग की है।

24 घंटे में गिरफ्तारी न होने पर पूरे पीलीभीत में होगा आंदोलन: शैली अग्रवाल

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिला अध्यक्ष शैली अग्रवाल कहा कि बिलसंडा में गुरुवार शाम एक स्थानीय व्यापारी भाई की दिनदहाड़े हुई निर्मम हत्या अत्यंत दुखद, कायराना और घोर निंदनीय घटना है। इस दुस्साहसिक वारदात से पूरे जिले के व्यापारी समाज में गहरा रोष और भय का माहौल है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल इस जघन्य हत्याकांड की कड़े शब्दों में भर्त्सना करता है और शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिला अध्यक्ष शैली अग्रवाल ने मांग की है कि अपराधियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाए, पीड़ित परिवार को तत्काल सुरक्षा मुहैया कराई जाए और वित्तीय सहारा देने के लिए उचित आर्थिक सहायता की घोषणा हो, बाजारों में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए स्थायी कदम उठाए जाएं, व्यापारियों को शस्त्र लाइसेंस लाइसेंस दिए जाएं। जिला अध्यक्ष शैली अग्रवाल ने बताया व्यापारी अपने सम्मान और सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे। यदि प्रशासन द्वारा जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी और प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो व्यापार मंडल व्यापारी हितों की रक्षा के लिए पूरे पीलीभीत जिले में बड़े पैमाने पर उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

दिनांक 28.05.2026 को कस्बा बिलसंडा के वमरौली तिराहे पर एक व्यक्ति को गोली लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना पर स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचकर घायल व्यक्ति को उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया, जहां से उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया। उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्तों की पहचान एवं गिरफ्तारी हेतु 5 टीमों का गठन किया गया है। शीघ्र ही अभियुक्तों को गिरफ्तार कर घटना का सफल अनावरण किया जाएगा।

सुकीर्ति माधव, एसपी पीलीभीत

ग्यारह हजार वोल्ट लाइन का तार टूटने से घर में दौड़ा करंट, महिला झुलसी

शाह टाइम्स संवाददाता

उसावां। ग्यारह हजार वोल्ट की बिजली लाइन का तार टूटकर नाली में गिरने से अफरा तफरी मच गई। तार टूटने के बाद पूरे घर में करंट फैल गया, जिसकी चपेट में आकर घर में नहा रही एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई।परिजनों के मुताबिक, घटना से एक दिन पहले ही बिजली विभाग को टूटे तार की शिकायत की गई थी। पीड़ित परिवार बिजली घर पहुंचा था और अधिकारियों को खतरे से अवगत कराया था, लेकिन बिजली विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। सूचना मिलते ही बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचे उसावां थाना अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ने बिजली से चपेट में आई महीला के परिजनों को हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया है। घटना के बाद लोगों में बिजली विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश है। स्थानीय लोगों ने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं घायल महिला का इलाज जारी है।

समाज को जोड़ने का संदेश देते हैं त्यौहार: सतीश प्रेमी

शाह टाइम्स संवाददाता

बिसौली। नगर व क्षेत्र में गुरुवार को ईद उल अजहा का त्योहार बेहद शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया गया। नमाज के बाद देश में खुशहाली, भाईचारे और सलामती के लिए विशेष दुआएं मांगी गई। इस दौरान लोगों ने पारंपरिक अंदाज में एक दूसरे को गले लगाकर बकरीद की मुबारकबाद दी। नगर की ईदगाह पर सपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रदेश कोऑर्डिनेटर राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग भारत सरकार सतीश प्रेमी ने बकरीद की शुभकामनाएं देते हुए आपसी प्रेम और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। इस अवसर पर पूर्व नगर अध्यक्ष काजी शाहनवाज खान, मशहूद खां हमदम, ईदगाह कमेटी के सदर उस्ताद हबीब खां, बड़ी मस्जिद के सदर मुन्ने खां, अफजाल फारूकी, सभासद बाबू फारूकी, जाकिर खान, इजहार खान, नन्हें अंसारी, सोहेब अंसारी आदि मौजूद रहे।

एक नजर

चेकिंग के दौरान अवैध तमंचा कारतूस सहित शातिर गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। थाना पूरनपुर पुलिस द्वारा एक शातिर अभियुक्त को अवैध शस्त्र व कारतूस सहित गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

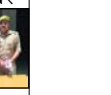

जनपद मे अपराध की रोकथाम एवं वांछित / वारण्टी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना पूरनपुर पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरन एक शातिर अभियुक्त अनिल कुमार उर्फ नीलु दीक्षित उम्र 50 वर्ष पुत्र स्व० हरिशचन्द्र नि० ग्राम सबलपुर थाना पूरनपुर जनपद पीलीभीत को राम होटल के निकट से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर व दो जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुए। जिसके सम्बन्ध में थाना पूरनपुर पर मुकदमा अपराध संख्या 228/2026 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर जेल भेज दिया।

तीन शातिर चोर गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त कार बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।बीते दिनों विमल पाथरे पुत्र श्री राम निवासी नौगवा पकड़िया थाना सुनगढ़ी पीलीभीत के वाडे से अज्ञात चोरों द्वारा 7 पालतु पशु चोरी कर लिये गये है थे, थाना सुनगढ़ी पुलिस द्वारा चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए 3 अभियुक्तों को घटना में प्रयुक्त कार सहित किया गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाए जाने तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में शुक्रवार को थाना सुनगढ़ी पुलिस टीम द्वारा थाना सुनगढ़ी पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 223/2026 धारा 303 (2)/317(2)/3 (5) बीएनएस में प्रकाश में आये अभियुक्त सौरभ पुत्र रामदेव निवासी रत्नापुर थाना निगौहा जनपद लखनऊ उम्र 22 वर्ष, अक्षय लाल पुत्र राजेन्द्र रावत निवासी हरकंशगढ़ी थाना मोहनलाल गंज जनपद लखनऊ उम्र 30 वर्ष व शुभम रावत पुत्र धनीराम रावत निवासी तिलकनगर ऐशबाग थाना बाजार खाला जनपद लखनऊ उम्र 22 वर्ष को मुखविर खास की सूचना पर पीलीभीत वाईपास माधोटाण्डा चौराहा पर 10600 रुपये नगद घटना में प्रयुक्त एक मारुति कार संख्या न्च32 छ 9547 तथा जामा तलाशी से दो मोबाइल (स्मार्ट फोन) के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगणो को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

लक्ष्मीपुर गांव का जवान युवक तीन दिन से गायब, नवाज पढ़ने के बाद हुआ गायब, परिजनों ने ईद नहीं मनाई

शाह टाइम्स संवाददाता

बदायूं/दबतोरी। कोतवाली बिसौली क्षेत्र की ग्राम पंचायत लक्ष्मीपुर गांव का जवान युवक तौसीद पुत्र तौफीक उम्र 19 बर्ष मंगलवार सायं से गायव हो गया है। परिजनों ने बताया कि उनका बेटा तौसीद गांव की कुरैशी मस्जिद में मंगलवार को सायं 6 बजे फजर की नवाज पढ़ने घर से गया था और नवाज पढ़ने के बाद से बह घर नहीं लौटा है। तौफीक ने अपने बेटे तौसीद की तलाश में सभी नाते रिश्तेदारों में खोजबीन कर ली लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। गुरुवार को ईद का त्योहार परिजनों ने नहीं मनाया और परिजन किसी अनहोनी घटना घटित होने की आंशका व्यक्त कर रहे हैं। तौफीक ने स्थानीय पुलिस को भी इस मामले की सूचना दे दी है। तौसीद कक्षा 8 पास है और गुड़गांव में टेम्पो चलाने का कार्य करता था। ईद के त्योहार पर अपने घर आया हुआ था। तौसीद के अचानक गायब होने पर नाते रिश्तेदारों का बढ़ी संख्या परिजनों को समझाने के लिए पहुंच रहे हैं। तौसीद की मां फरजाना और बहन अमरीन का रो रोकर बुरा हाल है इसके अलावा उसके भाई फैजान, तौहीद और उनके पिता तौफीक गम जला है। चौकी प्रभारी दबतोरी जितेन्द्र यादव ने बताया कि पूरे मामले की जांच कर उसकी खोजबीन की जा रही है।

शांति और सुरक्षा के बीच हुई नमाज, मांगी अमन-चैन की दुआ

शाह टाइम्स संवाददाता

सहसवान। देश भर में ईद-उल-अजहा की नमाज पूरी तरह से शांतिपूर्ण और हर्षोल्लास के साथ हुई संपन्न ईदगाहों और मस्जिदों में उमड़ी भारी भीड़ ,जहां नमाजियों ने देश, प्रदेश और अपने शहर में अमन-चैन, आपसी प्रेम और भाईचारे की दुआएं मांगी शांतिपूर्ण आयोजन के साथ ईद को संपन्न कराया गया सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किसी भी अप्रिय घटना से बचने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा ईदगाहों व मस्जिदों के आसपास भारी सुरक्षा बल तैनात किए गए थे नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और देश में खुशहाली की प्रार्थना की प्रशासन की मुस्तैदी और स्थानीय नागरिकों के सहयोग के कारण आयोजन अनुशासित तरीके से पूरा हुआ इसको लेकर मीरा साहब ईदगाह ईद उल अजहा का पर्व शांतिपूर्ण और भाईचारे के माहौल में मनाया गया लोगों ने नमाज अदा कर देश में अमन-चौन और खुशी की दुआ मांगी ईद उल अजहा (बकरीद) के मौके पर सुरक्षा की दृष्टि से क्षेत्राधिकारी अशोक कुमार सिंह व थाना प्रभारी धनंजय सिंह के साथ भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा ईद को लेकर मुस्लिम समुदाय के लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला सुबह से ही मस्जिदों के आसपास नमाजियों की भीड़ नजर आ रही थी नये नये कपडे पहने बच्चे और बड़े ईद की नमाज में शरीक हुए।

तंजीम अब्दे मुस्तफा ने लगाई ठंडे मीठे पानी की छबील

शाह टाइम्स संवाददाता

बिसौली। भीषण गर्मी और तेज धूप से बेहाल लोगों को राहत देने के लिए तंजीम अब्दे मुस्तफा द्वारा ईदगाह मैदान में ठंडे शरबत की छबील लगाई गई। इस दौरान तंजीम ने शीतल पेय पिलाकर सेवा भाव की मिशाल पेश की।

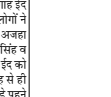

ईद उल अजहा के मौके पर ईदगाह मैदान में तंजीम अब्दे मुस्तफा द्वारा शरबत वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें राहगीरों और ईद की नमाज अदा कर लौट रहे नमाजियों को भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए ठंडा शरबत पिलाया गया। लोगों ने ठंडा शरबत पीकर राहत महसूस की। इस नेक काम में तंजीम के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर अल्ताफ अंसारी, मोहसिन अंसारी, हसनैन अंसारी, शाहरुख अंसारी, तौफीक अहमद, जमाल अख्तर, कमाल अख्तर, जावेद अहमद, मुबीन अहमद, शादाब कादरी, बिलाल अंसारी, अल फैज खान, अब्दुल कादिर खान, शोऐब अंसारी आदि मौजूद रहे।

देव डिफेंस एकेडमी ने देश को दिए 33 अग्निवीर जवान, क्षेत्र में खुशी की लहर

शाह टाइम्स संवाददाता

बिसौली। नगर की देव डिफेंस एकेडमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं ने अग्निवीर सेना भर्ती (बरेली) के परिणाम में शानदार प्रदर्शन किया। जिसमें 33 प्रतिभावान युवाओं ने सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।ढएकेडमी के निदेशक देवांश सक्सेना एवं कोच सुनील यादव ने एक वार्ता में चयनित प्रतिभावान युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि एकेडमी का लक्ष्य अधिक से अधिक युवाओं को भारतीय सेना में भर्ती कर राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि आज चयनित युवाओं, उनके परिजनों एवं क्षेत्र में खुशी का माहौल है। प्रशिक्षण में सुभाष, विकास, वरुण, संजय, सचिन, दुष्यंत, अजय, अंकुश, आनंद, रंजीत, नरेंद्र, हिमांशु, अमन, शोएब, सुमित, मयंक, अशोक, प्रियांशु आदि थे।

भाजपा का जिला प्रशिक्षण वर्ग का चतुर्थ सत्र संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी पीलीभीत के जिला प्रशिक्षण वर्ग का चतुर्थ सत्र पीलीभीत नगर के जेपी होटल में संपन्न हुआ।

चतुर्थ सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में मोहम्मदी विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे। चतुर्थ सत्र की अध्यक्षता पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान ने की। चतुर्थ सत्र का संचालन जिला उपाध्यक्ष मान सिंह राठौर ने किया। चतुर्थ सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता मोहम्मदी विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह ने विषय कार्यकर्ता विकास एवं दायित्वबोध पर चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा में कार्यकर्ता ही संगठन का स्तंभ है हम कार्यकर्ता को संगठन के साधन के रूप में न मानते हुए उसे विकसित राष्ट्र के संकल्प के रूप में देखते हैं। चतुर्थ सत्र के दौरान वर्ग प्रभारी जलालाबाद विधायक हरि प्रकाश वर्मा, जिला प्रभारी गुलशन आनंद, जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, बीसलपुर विधायक विवेक कुमार वर्मा, पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, पूर्व विधायक किशन लाल राजपूत, सुरेश गंगवार, हरद्वारी लाल गंगवार, संजीव प्रताप सिंह, डॉक्टर दलजीत कौर, सत्यपाल गंगवार, मंगली प्रसाद वर्मा, महादेव गाईन, अनुराग अग्निहोत्री, लेखराज भारती, रेखा सिंह परिहार, अतेंद्र पाल सिंह, नमन प्रताप राजपूत, आयुष मिश्रा, विकास श्रीवास्तव, मान सिंह राठौर, मनोज गुप्ता, जिला मंत्री सत्यपाल वर्मा, ऋचा सिंह पटेल, सृष्टि गुप्ता, विकास वाल्मीकि, पंकज तिवारी, नागेन्द्र प्रताप सिंह, रेनू राज, अमित कुशवाहा, संतराम राठौर सहित जिले भर के भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रेन डांस और फैशन शो ने बनाई बेन-हर पब्लिक स्कूल की शाम यादगार

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। बेन-हर पब्लिक स्कूल में आयोजित समर कैंप के चौथे एवं पांचवें दिन विभिन्न खेल, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम विद्यालय की प्रधानाचार्या करिश्मा सैहमी, मैनेजिंग डायरेक्टर गुरदित्त सिंह सैहमी एवं समर कैंप इंचार्ज रोशनी बग्गा, नेहा पांडेय और निर्मला शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। विद्यार्थियों ने पूरे जोश और उमंग के साथ सहभागिता कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

चौथे दिन माध्यांतर के बाद वॉलीबॉल बॉयज सीनियर, थ्रो बॉल बॉयज जूनियर तथा टेबल टेनिस जूनियर एवं सीनियर वर्ग की प्रतियोगिताएँ संपन्न कराई गईं। वॉलीबॉल बॉयज सीनियर वर्ग में सॉलिस हाउस प्रथम, नोवा हाउस द्वितीय एवं लूना हाउस तृतीय स्थान पर रहा। वहीं थ्रो बॉल बॉयज जूनियर वर्ग में नोवा हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। टेबल टेनिस की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

28 मई की शाम आयोजित रेन डांस और फैशन शो ने समर कैंप की शाम को यादगार बना दिया। रेन डांस के दौरान बच्चों ने संगीत की धुनों पर जमकर आनंद लिया। इस अवसर पर राजेंद्र, अमन, देव, जयदीप, त्रिलोक एवं साक्षी सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुलभ आनंद, दीपक वशिष्ठ, दीक्षा एवं आर्ची का विशेष योगदान रहा। शिक्षक वर्ग में अमोल सक्सेना प्रथम, सुलभ आनंद द्वितीय तथा पीयूष जोशी एवं अमित कुमार श्रीवास्तव तृतीय स्थान पर रहे। शिक्षिका वर्ग में अलीना प्रथम, जूही खानम एवं रिदा द्वितीय तथा सुनैना मिश्रा तृतीय स्थान पर रहीं। 29 मई को समर कैंप के पांचवें दिन मॉर्निंग एक्टिविटी की शुरुआत योगा क्लास एवं सूर्य नमस्कार से हुई, जिसे शोभित बाजपेयी एवं त्रिलोक चंद्र ने संपन्न कराया। यहां मैनेजिंग ट्रस्टी गुरदित्त सिंह सैहमी,संगीता दुग्गल, आमरीन, रीना राय, देव सिंह, त्रिलोक चंद्र, अमन सिंह एवं राजेंद्र मौर्य आदि मौजूद रहे।

31 मई को पांच केंद्रों पर होगी बीएड प्रवेश परीक्षा

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। जिलाधिकारी अवनीश राय ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा 2026 की तैयारियों के संबंध में आहूत बैठक की अध्यक्षता करते हुए परीक्षा को सुचिता पूर्ण, शांतिपूर्ण व सकुशल रूप से संपन्न कराने के निर्देश दिए। बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए जनपद में पांच परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जिसमें कुल 2160 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।

कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आहूत बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि प्रवेश परीक्षा के संबंध में प्राप्त सभी दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए तथा सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने बताया कि परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र पर केंद्र व्यवस्थापक, स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती भी की गई है। उन्होंने परीक्षा के सफल संचालन के लिए पार्किंग व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, साफ सफाई व्यवस्था, फ्रिस्किंग व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरा व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था आदि विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार ने बताया कि 31 मई 2026 दिन रविवार को उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा 2026 के लिए पांच परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें नेहरू मेमोरियल शिव नरायन दास पीजी कालेज, केदारनाथ महिला इंटर कालेज, राजकीय डिग्री कालेज, पीएमश्री राजकीय कन्या इंटर कालेज व एसके इंटर कालेज हैं। जिसमें 2160 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। प्रत्येक दो केन्द्रों पर एक केन्द्र प्रतिनिधि भी नियुक्ति किया गया है।

उन्होंने बताया कि परीक्षा दो पालियों में होगी। जिसमें प्रथम पाली प्रात: 9:00 से मध्यान्ह 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपरान्ह 2:00 बजे से 5:00 तक होगी। उन्होंनें बताया कि परीक्षा केंद्र पर बायोमेट्रिक उपस्थिति ली जाएगी तथा सीसीटीवी कैमरा की भी व्यवस्था होगी। उन्होंने बताया कि इस बार की परीक्षा बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कराई जा रही है। इस अवसर पर केंद्र व्यवस्थापक, स्टेटिक मजिस्ट्रेट व ऑब्जर्वर आदि उपस्थित रहे।

पीलीभीत प्रीमियर क्रिकेट लीग का आयोनज 31 मई से

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत प्रीमियर क्रिकेट लीग सीजन एक का आयोजन 31 मई 2026 से किया जाएगा। यह जानकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान खेल प्रेमी एवं वरिष्ठ पत्रकार संदीप सिंह ने इनीशियम ग्लोबल स्कूल के डॉयरेक्टर पुनीत धमीजा के साथ मीडिया से साझा की।

उन्होंने बात कि यह लीग जिला क्रिकेट एसोसिएशन पीलीभीत से एफिलिएटिड है। इस लीग के सभी मैच 22 याड्र्स अकैडमी इनीशियम ग्लोबल स्कूल के ग्राउंड में खेले जाएंगे। इसमें छह फ्रैंचाइज टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतिभाग करने वाली टीमों के नाम बजरंग इलेवन, ब्रदर्स इलेवन, लवली किंग्स, एम 3 आर सुपरजाइंट्स, गोल्ड हंटर्स, बहेड़ी बुल्स हैं। विजेता टीम को एक लाख और उपविजेता टीम को 51 हजार की धनराशि दी जाएगी। सभी लीग मैचों का लाइव प्रसारण किया जाएगा। खिलाड़ियों को मैन ऑफ द मैच मैन, ऑफ द सीरीज जैसे आकर्षक पुरस्कार भी दिए जाएंगे।17 मई को प्रीमियर क्रिकेट लीग के लिए खिलाड़ियों का ऑक्शन किया गया था। इसमें 6 छह फ्रेंचाइजी ने बरेली, पूरनपुर, बहेड़ी, खटीमा, शाहजहांपुर और पीलीभीत सहित कई जिलों के कुल 150 खिलाड़ियों पर बोली लगाई थी। 31 मई से शुरू होने वाली इस प्रीमियर लीग में प्रत्येक दिन दो मैच खेले जाएंगे। फाइनल मैच 14 जून को खेला जाएगा। लीग की तैयारियां कोच रिजवान, नातिक अली और विजारत अर्शी की देखरेख में चल रही हैं।

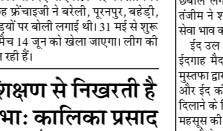

आशा पर भारी पड़ी 'वैध वसूली' ग्रामीणों के आक्रोश के बाद सीएमओ ने दिए जांच के आदेश

शाह टइम्स संवाददाता

बदायूं। समरेर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र क्षेत्र के एक गांव में तैनात आशा कार्यकर्ता पर प्रसव और टीकाकरण के नाम पर अवैध वसूली और ग्रामीणों को प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया है। परेशान ग्रामीणों ने एकजुट होकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर आरोपी आशा कार्यकर्ता को सेवा से हटाने की मांग की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएमओ ने तत्काल जांच के आदेश दिए हैं।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सौंपे गए शिकायती पत्र में ग्रामीण राजीव कुमार सिंह, शिवकान्त शर्मा, विनोद कुमार, और राजेन्द्र सिंह सहित अन्य लोगों ने आरोप लगाया है कि गांव में तैनात आशा कार्यकर्ता मिथलेश का कार्य और व्यवहार अत्यंत खराब है। ग्रामीणों का कहना है कि वह गर्भवती महिलाओं के प्रसव और बच्चों के टीकाकरण जैसी नि:शुल्क सरकारी सेवाओं के बदले अवैध रुपयों की मांग करती हैं। पैसे न देने पर ग्रामीणों के साथ दुर्व्यवहार करती है, जिसकी वजह से गांव की गरीब महिलाओं और बच्चों को सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने पत्र पर तत्काल संज्ञान लेते हुए कार्रवाई के लिए आदेश किए है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी को मामले की जांच सौंपते हुए ष्तत्काल कार्रवाईष करने के लिखित निर्देश जारी किए हैं। विभाग की इस त्वरित प्रतिक्रिया से ग्रामीणों में निष्पक्ष जांच की आस जगी है।

घर में घुसकर दबंगों ने बेजुबान पक्षियों को मारा, पीड़िता को दी जान से मारने की धमकी

शाह टाइम्स संवाददाता

बदायूं। सहसवान कोतवाली क्षेत्र के गांव परसोना में पालतू कबूतरों को लेकर पड़ोसियों के बीच विवाद हो गया शुक्रवार सुबह गांव के ही कुछ दबंगों ने एक महिला के घर में घुसकर उसके पाले हुए कबूतरों को मार डाला। विरोध करने पर पीड़िता के साथ गाली-गलौज करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। गांव परसोना निवासी अम्बरीवती पत्नी मोरपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपने घर पर कबूतर पालती हैं। उनके पड़ोस में रहने वाले प्रमोद पुत्र धर्म सिंह, राधे पुत्र जगदीश और गोविन्द पुत्र छत्रपाल की छतें उनके घर से आपस में मिली हुई हैं। आरोप है कि ये लोग आए दिन छतों के रास्ते उनके घर में घुसकर कबूतर चोरी कर लेते हैं या उन्हें मार देते हैं। विरोध करने पर बिल्ली द्वारा खा जाने का झूठा बहाना बनाते हैं।पीड़िता के मुताबिक, शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे उक्त आरोपी अचानक उनके घर में घुस आए और वहां पल रहे कबूतरों को बेरहमी से मार दिया। जब उन्होंने इस क्रूरता का विरोध किया, तो आरोपी गाली-गलौज करते हुए मारपीट पर आमादा हो गए। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे आस-पास के ग्रामीणों ने बमुश्किल बीच-बचाव कर पीड़िता को बचाया। जाते-जाते आरोपी पीड़ित महिला को जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए।

अभिरुचि प्रशिक्षण से निखरती है छात्रों की प्रतिभा: कालिका प्रसाद

शाह टाइम्स संवाददाता

बदायूं। मीराजी चौकी स्थित श्रीराम सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में चल रहा आठ दिवसीय ग्रीष्म कालीन विशेष अभिरुचि प्रशिक्षण शिविर शुक्रवार को समारोह पूर्वक संपन्न हो गया। इस मौके पर शिविर में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र बांटे गए, जिन्हें पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य कालिका प्रसाद गंगवार ने कहा कि ग्रीष्मकालीन विशेष अभिरुचि प्रशिक्षण से छात्रों के अंदर छुपी हुई विशेष प्रतिभा का पता चलता है। इसके साथ ही बच्चों में अनुशासन और आत्मविश्वास का गुण भी जागृत होता है। जो उनके भविष्य के निर्माण में सहायक साबित होगा।इसके बाद विद्यालय के व्यवस्थापक ओमप्रकाश वैश्य ने सभी प्रशिक्षार्थियों को विशेष अभिरुचि प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए। शिविर को सफल बनाने में प्रशिक्षक टोली की मुख्य भूमिका रही, जिसमें रुचि महेश्वरी, कंचन राठौर, दीक्षा गोस्वामी, आरती पाठक, आकाशी सैनी, मीनू राठौर, रुचि चौहान, रुद्र महेश्वरी और धीरज शर्मा शामिल रहे।इस अवसर पर कमलेश कुमार, राजकुमार सिंह सेंगर, अनुज पटेल, रूपाली रस्तोगी, शैलेंद्र सिंह, प्रवेश शर्मा, हिमांशु उपाध्याय, अशोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

बकरीद पर्व जनपद में सकुशल सम्पन्न

- अमन-भाईचारे की मिसाल बना बरेली
- डीएम-एसएसपी की सतत निगरानी में शांतिपूर्ण माहौल में अदा हुई नमाज, सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व गुरुवार को पूरे जनपद में शांति, सौहार्द और भाईचारे के वातावरण में सकुशल सम्पन्न हुआ। डीएम अविनाश सिंह और एसएसपी अनुराग आर्य की सतत निगरानी तथा पुलिस-प्रशासन की मुस्तैदी के चलते पूरे जिले में त्योहार पूरी तरह शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया। कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। लोगों ने ईद की नमाज अदा करने के बाद एक-दूसरे को गले मिलकर मुबारकबाद दी और मुल्क में अमन, चैन और तरक्की की दुआ मांगी।

डीएम अविनाश सिंह ने पर्व के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए बताया कि जनपद की 1392 मस्जिदों और 176 ईदगाहों में नमाज अदा की गई। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्रभावी व्यवस्था के चलते कहीं भी खुले में कुर्बानी या सड़कों पर नमाज नहीं पढ़ी गई। त्योहार को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से व्यापक स्तर पर निगरानी व्यवस्था लागू की गई थी। मुख्य विकास अधिकारी को तहसील नवाबगंज, अपर जिलाधिकारी (वि/रा) को आंवला, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) को फरीदपुर, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) को बहेड़ी तथा बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी को मीरगंज का प्रभारी अधिकारी बनाया गया था। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में दस प्रभारी अधिकारियों की तैनाती की गई थी। तीन जोनल मजिस्ट्रेट और दो स्ट्रेटिक मजिस्ट्रेट लगातार निगरानी में सक्रिय रहे।

उपजिलाधिकारियों द्वारा क्षेत्र और सेक्टरवार ड्यूटी लगाई गई थी। सभी अधिकारी एवं मोबाइल टीमें लगातार भ्रमण करती रहीं तथा संवे. दनशील इलाकों में विशेष सतर्कता बरती गई।

मस्जिदों और ईदगाहों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा। ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी के जरिए प्रमुख स्थलों की लगातार निगरानी की गई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी कड़ी मॉनिटरिंग रखी गई, तथा अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

बहेड़ी में अमन और भाईचारे के साथ मनाई गई बकरीद

बहेड़ी नगर एवं देहात क्षेत्र में ईद-उल-अजहा का पर्व धार्मिक आस्था और भाईचारे के साथ मनाया गया। सुबह से ही ईदगाहों और मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और मुल्क में अमन, खुशहाली और तरक्की की दुआ मांगी। इसके बाद सुन्नत-ए-इब्राहिमी पर अमल करते हुए कुर्बानी का सिलसिला शुरू हुआ।

पुराने रोडवेज स्थित कदीमी ईदगाह में मुफ्ती निसार मियां ने नमाज अदा कराई। आलाहजरत ईदगाह में नूरी मियां, पुरानी मस्जिद में सय्यद इफ्तिखार मियां, बाजार वाली मस्जिद में कारी अतीक रजा, मोती मस्जिद में हाफिज अनवार कादरी तथा मियां वाली मस्जिद में हाफिज अनवार अहमद ने नमाज पढ़ाई। इसके अलावा ताज मस्जिद, सकलैनी मस्जिद, उमर मस्जिद, अजहरी मस्जिद और मदीना मस्जिद समेत अन्य मस्जिदों में भी अकीदतमंदों ने नमाज अदा की।

ईद के मौके पर सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रही। इस दौरान एसडीएम इशिता किशोर, क्षेत्राधिकारी अरुण कुमार, तहसीलदार भानू प्रताप सिंह, नगर पालिका ईओ शशि प्रभा तथा इंस्पेक्टर दिनेश कुमार शर्मा लगातार क्षेत्र में भ्रमण करते रहे। इंटेलीजेंस और दमकल विभाग की टीमें भी अलर्ट मोड पर तैनात रहीं। चौकी प्रभारी नीरज सिंह, अनुज कुमार सिंह और पीतांबर सिंह सहित पुलिस व पीएसी बल पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी पर तैनात रहा।

देवरनियां और रिछा में भी दिखा भाईचारे का माहौल

कोतवाली देवरनियां क्षेत्र के कस्बा देवरनियां, रिछा, गिरधरपुर समेत विभिन्न गांवों में भी ईद-उल-अजहा का पर्व धार्मिक उल्लास और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया गया। सुबह से ही मस्जिदों और ईदगाहों में नमाजियों की भीड़ रही। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और देश में अमन, शांति एवं खुशहाली की दुआ मांगी।

कस्बा रिछा की अहले हदीस ईदगाह में सुबह सात बजे नमाज अदा की गई, जहां महिलाओं के लिए पर्दे की विशेष व्यवस्था की गई थी। वहीं सुन्नी ईदगाह में बंगाली मस्जिद के इमाम मासूम अली ने नमाज पढ़ाई। जामा मस्जिद, मोती मस्जिद और कादरी मस्जिद में भी बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने नमाज अदा की। मोती मस्जिद में हाफिज मुबीन तथा कादरी मस्जिद में मुफ्ती शमशाद कारी मंजरी ने नमाज पढ़ाई।

गांव गिरधरपुर में भी सुन्नी ईदगाह और अहले हदीस ईदगाह में अकीदत के साथ नमाज अदा की गई। इस दौरान कोतवाली प्रभारी आशुतोष द्विवेदी अपनी पुलिस टीम के साथ पूरे दिन क्षेत्र में भ्रमण करते रहे, और लोगों को ईद की मुबारकबाद देते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की।

पूरे दिन कोतवाली क्षेत्र में उत्साह और भाईचारे का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और पुलिस की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन की सतर्कता और जनता के सहयोग से ही त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हो सका।

शाही में निर्माणाधीन मकान पर गिरी आकाशीय बिजली, पिता-पुत्र झुलसे

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। गुरुवार रात करीब 10 बजे कस्बा शाही के मोहल्ला गांधी नगर में आकाशीय बिजली गिरने से एक ही परिवार के दो लोग झुलस गए।घायलों का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

जानकारी के अनुसार मोहल्ला गांधी नगर निवासी राजू उर्फ राजव. ीर सागर अपने निर्माणाधीन मकान में पुत्र निखिल सागर के साथ खपरैल के दरवाजे के पास बैठे थे। इसी दौरान तेज गरज-चमक के साथ अचानक आकाशीय बिजली रस्सीनुमा चिंगारी के रूप में घर में आ गिरी। बिजली गिरते ही पूरे मकान में तेज रोशनी फैल गई और दोनों की आंखों के सामने अंधेरा छा गया। आकाशीय बिजली की चपेट में आने से राजू और उनका पुत्र निखिल झुलस गए। परिजनों ने दोनों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार चल रहा है।पीड़ित राजवीर सागर ने बताया कि बिजली गिरने से घर में लगे बिजली बोर्ड, वायरिंग और अन्य विद्युत उपकरण जल गए। वहीं बिस्तर और चारपाई भी झुलस गई। घर के आंगन में खड़े जुगाड़ वाहन पर पड़ी काली पन्नी भी जलकर क्षतिग्रस्त हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और घायलों का हालचाल जाना। गनीमत रही कि हादसे में कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई।

एक नजर

सांप के काटने से सात वर्षीय बच्ची की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। थाना क्षेत्र के गांव कुतुबपुर में सांप काटने से सात वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। परिजन समय पर अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़फूंक के चक्कर में पड़े रहे, जिससे मासूम की जान नहीं बच सकी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।जानकारी के अनुसार गांव कुतुबपुर निवासी लेखराज की सात वर्षीय पुत्री खुशबू को किसी जहरीले सांप ने पैर में काट लिया। परिजन उसे तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़फूंक के लिए बिलासपुर समेत कई स्थानों पर लेकर गए। हालत बिगड़ने पर बाद में बच्ची को सीएचसी मीरगंज लाया गया।जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद खुशबू को मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। चिकित्सकों का कहना है कि सांप काटने की स्थिति में झाड़फूंक के बजाय तत्काल अस्पताल पहुंचकर उपचार कराना चाहिए, क्योंकि समय पर इलाज मिलने से जान बचाई जा सकती है।

विवाहिता ने दो युवकों पर उत्पीड़न और धमकी देने का लगाया आरोप, मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। क्षेत्र के गांव दियोरिया अब्दुल्लागंज निवासी एक विवाहिता ने दो युवकों पर पीछा करने, अभद्रता करने और धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार दियोरिया अब्दुल्लागंज निवासी आरती पत्नी रामेश्वर का मायका सिरौली थाना क्षेत्र के गांव बड़ागांव में है। आरती ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि दो युवक उसका जीना दुश्वार किए हुए हैं। आरोप है कि दोनों आए दिन अभद्रता करते हैं और घर में घुस आते हैं। विवाह होने के बाद भी दोनों उसका पीछा नहीं छोड़ रहे हैं।पीड़िता के अनुसार आरोपियों ने उसका मोबाइल नंबर हासिल कर लिया और फोन कर उसे तथा उसके पति को धमकाते हैं। आरोप है कि दोनों कहते हैं कि वे महिला को अपने साथ रखना चाहते हैं। ससुराल से निकलने पर पीछा करते हैं और मायके जाने पर पति को जान से मारने की धमकी देते हैं। गुरुवार को विवा. हता अपने पति के साथ थाने पहुंची और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। महिला ने आशंका जताई कि आरोपियों की हरकतों से उसका परिवार बर्बाद हो सकता है।पुलिस ने आरती की तहरीर पर तेजपाल निवासी बड़ागांव तथा मुनेंद्र निवासी चंचरी पचतौर, थाना बिसारतगंज के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नाबालिग कोयुवक लेकर हुआ फरार

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। कस्बे की एक बस्ती की नाबालिग किशोरी अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। पिता ने प्रेमी के साथ ही पुत्री को भगाने में मदद करने वाले के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। नगर की एक बस्ती के रहने वाले एक व्यक्ति की 15 वर्षीय पुत्री को मोहल्ले का ही शिवम बहला फुसलाकर भगा ले गया। जानकारी मिलने पर किशोरी के पिता को पता चला कि उनकी पुत्री को भगाने में नजदीकी बस्ती यासीननगर की रहने वाली ववली नाम की महिला ने मदद की है। पिता ने दोनों के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस किशोरी की बरामदगी में लगी है।

डीएम के आदेश पर खोला गया मन्दिर की भूमि का दरवाजा कराया बंद, पुलिस से हुई नोंक झोंक

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। कस्बे के नए पुल के पास स्थित मन्दिर की भूमि पर पास के ही एक दबंग ने अपना दरवाजा खोल लिया था, जिसका पहले तो बस्ती के लोगों ने इसका काफी विरोध किया लेकिन दरवाजा बंद नहीं किया जा सका था।

गुजरी 2 मई को यहां सम्पूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे डीएम अविनाश सिंह के सामने मंदिर के महंत लाल गिरी द्वारा दरवाजा खोले जाने का मुद्दा उठाया था, जिस पर जिलाधिकारी ने सख्त रुख अपनाते हुए नगर पालिका को तत्काल ही कार्यवाही के आदेश दिए थे। डीएम के आदेश पर परिषद के ईओ ने पुलिस को एक पत्र भेजते हुए पुलिस बल उपलब्ध कराए जाने की मांग की थी, ईओ के इस पत्र पर शुक्रवार को नगर पालिका परिषद के सफाई प्रभारी अमर सिंह, लिपिक कैलाश कुमार भारी पुलिस बल के साथ स्थल पर जा पहुंचे, और दरवाजा बंद करने के लिए दीवार खड़ी करवाना शुरू कर दिया, इसी दौरान पुलिस के साथ ही नगर पालिका कर्मियों की दरवाजा खोलने वालों से काफी देर तक नोक झोंक होती रही, लेकिन इस विरोध का न तो पुलिस पर कोई असर पड़ा और न ही नगर पालिका टीम पर कोई असर हुआ। नगर पालिका की टीम मन्दिर की ओर खोले गए इस दरवाजा को बन्द कराने के बाद वापस लौट आई।

नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर युवक लेकर फरार, रिपोर्ट दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

क्योलड़िया। थाना क्षेत्र के गांव से एक नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने का मामला सामने आया है। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित पिता के अनुसार उनकी 15 वर्षीय पुत्री 28 मई को दोपहर करीब 3:30 बजे घर से लापता हो गई। आरोप है कि गांव निवासी राकेश यादव अपने साथियों पप्पू, शिपट्टर तथा चरन सिंह के सहयोग से किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। परिजनों ने किशोरी की गांव व रिश्तेदा. रियों में काफी तलाश किया, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका। पीड़ित पिता का आरोप है कि जब उन्होंने गांव के चरन सिंह पुत्र शिपट्टर एवं शिपट्टर से शिकायत की तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट पर उतारू हो गए। साथ ही जान से मारने की धमकी देकर घर से भगा दिया। पीड़ित पिता ने आशंका जताई है कि आरोपी उनकी पुत्री के साथ कोई अनहोनी घटना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि परिवार के किसी सदस्य के साथ कोई घटना होती है तो उसके जिम्मेदार आरोपी ही होंगे। पीड़ित पिता ने थाने पहुंचकर नामजद तहरीर दी, जिस पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दूसरे घर जा रहे मस्जिद कमेटी के मेम्बर पर दबंगों ने बरसाए ईट पत्थर, कई घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। कस्बे के नजदीकी गांव ईंधजागीर में कुर्बानी कराने अपने एक घर से दूसरे घर जा रहे मस्जिद कमेटी के मेम्बर पर गांव के दबंगों ने घेर कर पीटा उसके बाद छतों पर चढ़कर किए गए पथराव बाजी में जहां एक व्यक्ति की अंगुली टूट गई तो एक बालिका भी गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने सभी घायलों को चिकित्सीय परीक्षण को नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा जहां से उन्हें बरेली रेफर कर दिया गया।

गांव की मस्जिद कमेटी के वरिष्ठ मेम्बर मो0 नदीम ईद की नमाज अदा करने के बाद सुबह करीब 11 बजे कुर्बानी कराने के लिए अपने एक घर से दूसरे घर जा रहा था कि पहले से ही एक घर में घात लगाए बैठे दबंगों ने उसे घेर लिया और जमकर पीटा उसके बाद दबंग घरों की छतों पर चढ़ गए और वहां से किए गए पथराव बाजी में मस्जिद कमेटी के मेम्बर मो0 नदीम, नसीम, इकबाल के साथ ही एक 8 वर्षीय किशोरी आलिया पत्थर लगने से घायल हो गए।

दबंगों द्वारा किए गए इस पथराव बाजी से गांव में अफरा तफरी मच गई। कोतवाली पहुंचे सभी घायलों को पुलिस ने नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेडिकल परीक्षण को भेज दिया, जहां से गंभीर रूप से घायलों को बरेली रेफर कर दिया गया।

घटना की तहरीर मस्जिद कमेटी के मेम्बर मो. नदीम की ओर से पुलिस को दी गई, जिस पर पुलिस ने शहजादे, इम्तियाज, इमरान, ईशान, जीशान, करीम बक्श, तस्लीम, याकूब, अखलाक और अख्तर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

जोशो खरोश के साथ मनाया गया बकरीद का त्यौहार

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। गुरुवार को नगर और ग्रामीण क्षेत्र में ईद उल अजहा का पर्व बड़े ही जोशोखरोश के साथ मनाया गया। कस्बे की प्रमुख ईदगाह में सुबह 9 बजे नमाज अदा की गई।

अंजुमन इस्लाहुल मुस्लेमीन की जेरे सरपरस्ती में ईद उल अजहा की नमाज अपने पूर्व घोषित समय 9 बजे अदा की गई। जामा मस्जिद के पेशे इमाम कारी मौलाना फरियाद हुसैन ने नमाज अदा कराई। ईदगाह पर सुबह से ही लोगों का आना शुरू हो गया था, जैसे जैसे नमाज का वक्त कुरीब आता गया वैसे वैसे लोगों की तादात भी बढ़ती गई। प्रशासन द्वारा ईदगाह के बाहर और दुकानों के ऊपर नमाज पढ़ने पर रोक लगाए जाने के बाद बड़ी तादात में लोग ईदगाह के बाहर ही रह गए, जिसे देखते हुए तत्काल ही कमेटी ने इस बार भी दोबारा नमाज अदा कराए जाने का ऐलान किया। जैसे ही पहली नमाज अदा की गई और देश प्रदेश में अमन चौन और खुशहाली की दुआ की गई, उसके बाद दूसरी नमाज अदा कराई गई। इसके साथ ही कस्बे की अधिकांश मस्जिदों में सुबह 7 बजे से लेकर 8.30 बजे तक अलग अलग समय पर ईदुलअजहा की नमाज अदा की गई।

नमाज पढ़ने के बाद बड़ी तादात में लोग कब्रिस्तान पहुंचे। अपने अजीज अकारिवों की कब्र पर जाकर फूल चढ़ाए और इसाले सवाब कर उनकी मगफिरत के लिए दुआ की।

शान्ति पूर्ण रूप से ईद की नमाज अदा कराए जाने के लिए पूरे समय एसडीएम उदित पवार, सीओ गौरव सिंह, कोतवाल अरुण कुमार श्रीवास्तव भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। अंजुमन इस्लाहुल मुस्लेमीन के सदर असलम अंसारी के साथ ही कमेटी के सदस्यों ने क्षेत्र के लोगों को ईदुल अजहा की मुबा. रकबाद दी। कब्रिस्तान में फातेहा पढ़ने के बाद लोगों ने कुर्बानी की।

खजुरिया में महिला को सांप ने डसा इलाज छोड़ झाड़ फूंक कराते रहे परिजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। थाना क्षेत्र के गांव खजुरिया में शुक्रवार सुबह एक महिला को जहरीले सांप ने डस लिया। घटना के बाद परिजन महिला को अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़फूंक कराने में जुटे रहे। खबर लिखे जाने तक महिला का घर पर ही झाड़फूंक के जरिए उपचार कराया जा रहा था।जानकारी के अनुसार खजुरिया निवासी लीलावती (55) पत्नी भोले राम शुक्रवार सुबह घर में झाड़ू लगा रही थीं। इसी दौरान जहरीले सांप ने उन्हें डस लिया। ग्रामीणों के मुताबिक सर्पदंश के कुछ ही देर बाद महिला की हालत बिगड़ गई और वह बेहा. ेश हो गईं।परिजन महिला को जिले भर में झाड़फूंक करने वाले सपेरों के पास लेकर गए, लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ। इसके बावजूद परिजन अंधविश्वास में डूबे रहे और अस्पताल ले जाने के बजाय घर पर ही झाड़फूंक कराने में लगे रहे। लीलावती के चार पुत्र और एक पुत्री हैं।

शादी वाले घर में छाया मातम जैसा माहौल

बताया गया कि रविवार को भोले राम की भतीजी की शादी होनी है और परिवार शादी की तैयारियों में जुटा था। इसी बीच लीलावती को सांप के डसने की घटना से घर में सन्नाटा पसर गया। परिजनों की चिंता बढ़ गई और शादी की खुशियां फीकी पड़ गईं।

खेत में मिला युवक का शव, सिर पर चोट के निशान

शाह टाइम्स संवाददाता

फतेहगंज पश्चिमी। थाना क्षेत्र के गांव ठिरिया खेतल निवासी 22 वर्षीय राजेश प्रजापति पुत्र सुम्मेरी लाल प्रजापति का शव शुक्रवार को सहोड़ा महाराज जी के पास जंगल में सागौन के खेत में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। युवक गुरुवार से लापता था और परिजन उसकी लगातार तलाश कर रहे थे। शुक्रवार सुबह शव मिलने की सूचना पर गांव में लोगों की भीड़ जुट गई।

राजेश प्रजापति ईंट भट्टे पर ईंट निकासी का काम करता था। परि. जनों के अनुसार वह गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे दो लोगों के साथ भट्टे से घर आया था और अपने साथ हफ्ते की मजदूरी के रुपये भी लाया था। इसके कुछ समय बाद वह अचानक गायब हो गया। देर रात तक घर न लौटने पर परिवार के लोग उसकी तलाश में जुट गए थे। शुक्रवार को ग्रामीणों ने सहोड़ा महाराज जी के पास सागौन के खेत में शव पड़ा देखा और पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के सिर के पिछले हिस्से में चोट के निशान मिलने से मामला संदिग्ध माना जा रहा है और हत्या की आशंका भी जताई जा रही है।चर्चा है कि युवक आखिरी बार दो लोगों के साथ देखा गया था। पुलिस दोनों युवकों की जानकारी जूटा रही है । मृतक की जेब से 25 हजार 760 रुपये बरामद हुए हैं।राजेश अविवाहित था और सात भाई-बहनों में सबसे छोटा था। उसकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि मृतक के पिता ने दोपहर में राजवीर और नरेन्द्र के खिलाफ प्रार्थना पत्र दिया उस पर गुमसुदगी दर्ज है। उसी के आधार पर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम को भेजा है। दोनों लोगों की तालश की जा रही है।

आंधी-तूफान से मीरगंज की बिजली व्यवस्था चरमराई

33 केवी लाइन के दो टावर गिरे

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। गुरुवार रात आए तेज आंधी-तूफान और बारिश ने मीरगंज क्षेत्र की बिजली व्यवस्था को पूरी तरह प्रभावित कर दिया। तेज हवाओं के चलते भाखड़ा नदी के दोनों ओर 33 केवी लाइन के दो टावर गिर गए, जबकि कई स्थानों पर पेड़ और शाखाएं बिजली लाइनों पर गिरने से विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई।बताया गया कि लाइन पर पेड़ गिरने से दोनों टावर क्षतिग्रस्त होकर धराशायी हो गए।

मुख्य लाइनें क्षतिग्रस्त होने से मीरगंज के नगरीय एवं ग्रामीण विद्युत उपकेंद्र ठप पड़ गए। इसके अलावा कई फीडरों की लाइनें खंभे टूटने से क्षतिग्रस्त हो गईं और कई ट्रांसफॉर्मर भी खराब हो गए।बिजली आपूर्ति बाधित होने से तहसील मुख्यालय समेत मीरगंज ग्रामीण उपकेंद्र से जुड़े गांवों में गुरुवार रात से शुक्रवार दिनभर बिजली गुल रही। भीषण गर्मी में लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। घरों में लगे इन्वर्टर जवाब दे गए, जिससे लोग पेड़ों की छांव में बैठकर समय बिताने को मजबूर रहे। शुक्रवार सुबह एसडीओ सूर्य प्रताप सिंह और अवर अभियंता करुणेश मिश्रा कर्मचारियों के साथ क्षेत्र में पहुंचे और क्षतिग्रस्त लाइनों का जायजा लिया। अधिकारियों की निगरानी में मुख्य लाइन पर गिरे पेड़ हटवाए गए। विद्युत कर्मचारी क्षतिग्रस्त टावरों और लाइनों को दुरुस्त करने में जुटे रहे। अवर अभियंता करुणेश मिश्रा ने बताया कि मीरगंज के दोनों उपकेंद्रों की मुख्य लाइनें क्षतिग्रस्त हैं। नगरीय उपकेंद्र की आपूर्ति जल्द बहाल कर दी जाएगी, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों की बिजली सुचारू होने में कुछ समय लग सकता है।

आंधी में गिरी मकानों की दीवारें, सड़कें भी बाधित

आंधी-तूफान के चलते आमौर गांव निवासी चंदन शर्मा के मकान की पक्की दीवार गिर गई, जबकि ऊपर लगा टीन शेड उड़कर दूर जा गिरा। कुल्छा खुर्द गांव में मुन्नी देवी पत्नी बुद्धसेन के दो मंजिला मकान की सीमेंट की चादरें टूटकर गिर गईं, जिससे कमरे में रखा सामान मलबे में दब गया। वहीं शाही-भिटौरा रोड पर पेड़ गिरने से यातायात कई घंटों तक बाधित रहा।

आंधी से जौनेर मेले की दुकानें अस्त-व्यस्त

जौनेर गांव में गुरुवार रात मेले का शुभारंभ हुआ था, लेकिन कुछ ही देर बाद आए आंधी-तूफान ने मेले की रौनक फीकी कर दी। तेज हवाओं से दुकानों के तिरपाल उड़ गए और सामान बिखर गया। मेले में पहुंचे लोग वापस घर लौट गए। दुकानों पर तैयार खाने-पीने का सामान भी खराब हो गया।मेला उद्घाटन में शामिल संतोष शर्मा और रामेंद्र सिंह ने बताया कि जौनेर-मीरगंज रोड पर शीशम का पेड़ गिरने से रास्ता बंद हो गया था, जिससे देर रात किसी तरह वापस लौटना पड़ा। मेला आयोजक मुनेंद्र शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को दुकानदारों ने दोबारा दुकानें व्यवस्थित कर मेले को फिर से शुरू किया।

एसडीएम और सहायक निदेशक मत्स्य ने किया फिश फार्म का निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। तहसील क्षेत्र स्थित एक फिश फार्म का उपजिलाधिकारी निधि शुक्ला एवं सहायक निदेशक मत्स्य गायत्री पांडे ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान फार्म में मत्स्य पालन से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं और उत्पादन प्रक्रिया का अवलोकन किया गया।निरीक्षण के दौरान सहायक निद. ेशक मत्स्य गायत्री पांडे ने तालाबों की स्थिति, पानी की गुणवत्ता, मछली बीज की गुणवत्ता तथा मत्स्य पालन प्रबंधन संबंधी व्यवस्थाओं का आकलन किया। साथ ही फार्म कर्मचारियों से बातचीत कर संचालन संबंधी जानक. ारी प्राप्त की।सहायक निदेशक मत्स्य ने बताया कि उक्त फिश फार्म में कटला, रोहू, नैन, सिल्वर कार्प, ग्रास कार्प एवं कॉमन कार्प प्रजातियों की ब्रीडिंग की जाती है। ब्रीडिंग के लिए तीन से चार प्रजनक तालाब बनाए गए हैं, जिनमें लगभग 50 से 60 कुंतल प्रजनक मछलियां संग्रहीत हैं। उन्होंने बताया कि विगत वर्ष फार्म में करीब 12 करोड़ मत्स्य बीज का उत्पादन किया गया, जिसकी आपूर्ति बरेली जनपद के अलावा अन्य जिलों और प्रदेशों में भी की जाती है।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं मौहल्ला सुफी टोला शाहजहांपुर रोड़ बरेली, उप्र।

सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎0581-2562222 (बरेली)
मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No UPHIN/2003/11165
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

वर्ल्ड क्लास स्टेशन या हादसों का इंतजार?

8 दिन में दूसरी बार गिरा पत्थर, रेलवे स्टेशन पर निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

शाह टाइम्स संवाददाता

धामपुर। करोड़ों रुपए की लागत से वर्ल्ड क्लास रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित किए जा रहे धामपुर रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था और निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आठ दिन के भीतर दूसरी बार स्टेशन भवन से बड़ा पत्थर गिरने की घटना सामने आने के बाद यात्रियों में भय का माहौल है। लगातार हो रही घटनाओं ने रेलवे प्रशासन और निर्माण एजेंसी की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा दिए हैं।

प्राप्त समाचार के अनुसार बीती रात प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर यात्रियों की भारी भीड़ मौजूद थी। कई यात्री विभिन्न ट्रेनों के इंतजार में स्टेशन परिसर में खड़े थे। इसी दौरान टिकट खिड़की से बाहर निकलने वाले मुख्य द्वार के ऊपर लगा एक बड़ा पत्थर अचानक भरभराकर नीचे गिर पड़ा। पत्थर गिरते ही जोरदार आवाज हुई और स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मौके पर मौजूद यात्रियों में दहशत फैल गई और लोग इधर-उधर भागने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जिस स्थान पर पत्थर गिरा, वहां कुछ क्षण पहले तक यात्री खड़े थे। गनीमत रही कि हादसे के समय वहां कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा जानलेवा हादसा हो सकता था। घटना के बाद कुछ देर तक यात्रियों में डर का माहौल बना रहा। यह पहली घटना नहीं है। लगभग आठ दिन पूर्व भी स्टेशन की तीसरी मंजिल से एक बड़ा पत्थर नीचे गिरा था। उस समय भी बड़ा हादसा होने से टल गया था। लगातार दूसरी बार पत्थर गिरने से अब यात्रियों और स्थानीय लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। आनन- फानन में मलबे को हटाकर पूरे क्षेत्र की सफाई कराई गई। कुछ ही मिनटों में पत्थर और टूटे हुए हिस्सों को हटाकर सामान्य स्थिति बहाल कर दी गई, लेकिन यात्रियों के मन में सुरक्षा को लेकर सवाल कायम हैं।

सूत्रों के अनुसार लगातार सामने आ रही घटनाओं के बाद रेलवे अब टाइल्स और पत्थरों को अतिरिक्त फास्नर लगाकर सुरक्षित करने का कार्य करा रहा है। पत्थरों में ड्रिल कर विशेष पिन और स्क्रू लगाए जा रहे हैं, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की दुर्घटना न हो। हालांकि लोगों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य मानकों के अनुसार हुआ होता, तो ऐसी नौबत ही नहीं आती।

गौरतलब है कि करीब तीन वर्ष पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव धामपुर पहुंचे थे। उस दौरान उन्होंने धामपुर रेलवे स्टेशन को वर्ल्ड क्लास रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। रेलवे द्वारा यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं, बेहतर भवन और सुरक्षित परिसर उपलब्ध कराने का दावा किया गया था। लेकिन लगातार सामने आ रही घटनाओं के बाद अब सोशल मीडिया पर भी लोगों की प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि निर्माणाधीन भवन से पत्थर गिर रहे हैं तो निर्माण कार्य की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। लोगों ने पूरे प्रकरण की तकनीकी जांच कराकर जिम्मेदार अधिकारियों और निर्माण एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल रेलवे प्रशासन मामले की जांच में जुटा हुआ है, लेकिन लगातार दूसरी घटना ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है।

सात दिवसीय स्किल डेवलपमेंट समर कैम्प

शाह टाइम्स संवाददाता

चांदपुर। सरस्वती विद्या मंदिर में चल रहे समर कैंप का आज समापन हो गया। इस सत्र में भैया-बहिनों ने बड़े हर्षोल्लास से प्रतिभाग किया।

समर कैम्प के माध्यम से भैया-बहनों में मानसिक, बौद्धिक, शारीरिक एवं कौशल विकास के समापन्न दिवस में विभिन्न इवेंट्स-हिंदी व इंग्लिश डिबेट, आर्ट और क्राफ्ट, मूर्तिकला, योग अभ्यास, कंप्यूटर प्रशिक्षण, कुकिंग, डांस, मेहंदी, संगीत, वैदिक गणित स्पोर्टस आदि का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के सभी भैया-बहनों ने इवेंट्स के अनुसार पूर्ण मनोयोग से प्रतिभाग किया। समापन सत्र में सभी भैया-बहनों ने प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले भैया-बहिनों को मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। समापन सत्र में श्रीश्री 108 महामंडलेश्वर गोपालदास महाराज, पूर्व विधायक कमलेश सैनी, कवियत्री एवं समाज सेविका उर्वशी कर्णवाल, ममता वैश्य, हरिराज, महेश चंद त्यागी, रचना त्यागी, तनु भाटिया, निधि अग्रवाल, आशू गोयल, शुभम सैनी, रत्नेश मिश्रा, विकल्प तोमर, कुमारी तनुजा, मूर्ति तोमर आदि उपस्थित रहे। इस मौके पर श्रीश्री 108 महामंडलेश्वर गोपाल दास महाराज ने बताया कि मैं विद्या मंदिर से 40 वर्षों से जुड़ा हुआ हूं जो विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण का कार्य करते हैं। पाश्चात्य संस्कृति से दूर रहने के लिए विद्या मंदिरों में शिक्षा ग्रहण करने की प्रेरणा दी। पूर्व विधायक कमलेश सैनी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि समर कैंप विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग, प्रबंधन, स्वच्छता, सहनशीलता व आत्मनिर्भर बनाता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य नवनीत कुमार ने सभी अतिथि बंधुओं का आभार व्यक्त किया। छायांकन वैशाली व दिव्या ने किया। संचालन पारूल त्यागी ने किया।

तेज हवाएं चलने से विद्युतापूर्ति बाधित

नजीबाबाद। बीती रात तेज हवा चलने से बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। साथ ही ओवरलोड के चलते ट्रिपिंग की समस्या के कारण सारी रात बिजली की आंख मिचौनी जारी रही। ईदुल अजहा के मौके पर बिजली आपूर्ति काफी हद तक अधिकांश क्षेत्रों में सही तरह से चलती रही। मगर ओवरलोड बढ़ने के कारण ट्रिपिंग की समस्या पैदा हो गई। रात में तेज हवा चलने व आंधी आने से कुछ पेड़ बिजली की लाइनों पर टूट कर गिरने से लाइनें क्षतिग्रस्त हो गई। बिजली की लाइनें क्षतिग्रस्त होने के बाद रात में ही बिजली विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर कई क्षेत्रों की लाइनें सही कर बिजली आपूर्ति चालू करा दी। मगर इसके बाद सारी रात बिजली के आने व जाने का सिलसिला चलता रहा। भीषण गर्मी के चलते सारी रात लोग पसीना-पसीना रहे।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक कल

शाह टाइम्स संवाददाता

धामपुर। शीला टॉकीज तिराहे के निकट निवासी अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा उ.प्र. के उपाध्यक्ष प्रो. राजेश सिंह चौहान ने बताया कि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप सिंह तंवर के निर्देशानुसार महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 31 मई को सुबह 11 बजे प्रीमियर होटल लोटस, कानपुर में आयोजित की जाएगी। बैठक में महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री गुलाब सिंह, राष्ट्रीय संगठन मंत्री डा. डीएस सिंह, उ.प्र.अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह राठौर सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य लोग भाग लेंगे।

बैठक में भारत के विकास में क्षत्रिय समाज के ऐतिहासिक एवं वर्तमान योगदान पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही वर्तमान समय में क्षत्रिय समाज की दशा एवं दिशा, सामाजिक संगठन की मजबूती तथा समाज के निचले एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को मुख्यधारा से जोड़कर आगे बढ़ाने के विषय पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

प्रो. राजेश सिंह चौहान ने बताया कि बैठक में समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर मंथन करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने की रणनीति पर भी चर्चा की जाएगी।

एक नजर

बाइक सवार पर चाकू से हमला

हीमपुर दीपा। थाना क्षेत्र के ग्राम छाछरी टीप निवासी दो पक्षों में कहासुनी और गाली-गलौच हो रही थी। विरोध करने पर भी जब शफीक और उसके लड़के नहीं माने, तो दूसरे पक्ष के मुकीम के माता-पिता ने थाने का रुख किया। पीड़ित ने बताया कि उसके मां-बाप थाने में तहरीर देने के लिए घर से निकले थे कि कुछ देर बाद वह भी उन्हें समझने के लिए घर से निकल गया, लेकिन जैसे ही पीड़ित मुकीम ग्राम हीमपुर दीपा पहुंचा, तो आम के बाग के पास पहले से ही मौजूद शफीक और उसके दो लड़कों ने मुकीम पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इसके बाद अपनी बाइक मौके पर ही छोड़ किसी तरह जान बचाकर भागा। मुकीम थाने पहुंचा और पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर करवाई की मांग की।

स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर

बिजनौर। आरवी इंस्टीट्यूट ऑफ फॉर्मेसी कॉलेज परिसर में स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। जिसमें डा.लाल पैथ लैब व अवध आई हॉस्पिटल का सहयोग रहा। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं स्टाफ को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। शिविर में डा. लाल पैथ लैब की टीम द्वारा विभिन्न प्रकार की पैथोलॉजिकल जांचों पर विशेष छूट प्रदान करते हुए स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। वहीं अवध आई हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क नेत्र परीक्षण किया गया तथा आंखों की देखभाल एवं बचाव संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए। जांच शिविर में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकगणों, कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। जांच के दौरान प्रतिभागियों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया गया। कॉलेज प्रशासन से मैनेजिंग डायरेक्टर सन्नी देशवाल, फार्मेसी कॉलेज के निदेशक प्रो.हितेश कुमार, इंजी. नियरिंग कॉलेज के निदेशक प्रो.नितिन अग्रवाल ने डा. लाल पैथ लैब एवं अवध आई हॉस्पिटल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे।

चौधरी चरण सिंह को दी श्रद्धांजलि

नजीबाबाद। पूर्व प्रधानमंत्री एवं किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर अपना दल (एस) के जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र चौधरी के नेतृत्व में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने चौधरी चरण सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र चौधरी ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने किसानों, मजदूरों व गरीब वर्ग की आवाज को संसद तक पहुंचाने का कार्य किया। उन्होंने जमींदारी प्रथा के खिलाफ संघर्ष कर किसानों को सम्मान के साथ जीन का अधिकार दिलाया। केवल एक नेता नहीं, बल्कि किसानों के आत्मसम्मान के प्रतीक थे वह सत्ता के आगे न झुके न बिके, उन्होंने किसानों को अधिकार दिलाने में पूरी उम्र लगा दी। शैलेन्द्र चौधरी ने कहा कि आज भी देश का किसान उनके विचारों से प्रेरणा लेता है व उनका जीवन संघर्ष समाज के लिए मार्गदर्शक है। कार्यक्रम में वकील अहमद, प्रदीप चौधरी, डॉ. देवेंद्र विश्वास, अनूप, उपासना, नफीस, फैयाजुद्दीन, व्यापार मंच के जिलाध्यक्ष आरिफ, सरदार रक्षपाल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। सभी ने चौधरी चरण सिंह के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

एकादशी पर्व पर ठंडे शर्बत का वितरण

नजीबाबाद। रायपुर मार्ग स्थित वरिष्ठ नेता अजय माहेश्वरी के प्रतिष्ठान पर एकादशी के पावन पर्व व ज्येष्ठ मास की भीषण गर्मी पर राहगीरों को रात देने के लिए लगाए गए शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने शर्बत पीकर अपनी प्यास बुझाई। इस मौके पर प्रतिष्ठान के सामने से गुजरने वाले हर राहगीर, रिक्शा चालक, राह चलते श्रद्धालुओं को रोककर पूरे आदर के साथ ठंडा शर्बत पिलाया गया। शर्बत वितरण कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों व स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वरिष्ठ भाजपा नेता अजय माहेश्वरी ने कहा कि सनातन धर्म में एकादशी के पावन अवसर पर जल व शर्बत पिलाना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य माना गया है। इस अवसर पर संगीता माहेश्वरी, दिव्य कृष्ण माहेश्वरी, अर्पिता माहेश्वरी, डीपी सिंह, प्रीतम, राहुल, अनिल कुमार, जॉनी, तारे सिंह, वीरेंद्र कुमार, रामअवतार आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन ने ठंडा जल बांटा

नजीबाबाद। जल जीवन मिशन के अंतर्गत कंपनी के वरिष्ठ महाप्रबंधक विजेन्द्र कौशिक के निर्देशानुसार कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भीषण गर्मी में लोगों को राहत दिलाना था। जल जीवन मिशन के तहत राहगीरों व श्रमिकों को ठंडा जल वितरित किया गया। विंध्या टेलीलिंक द्वारा जनहित व सामाजिक सरोकारों की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए भीषण गर्मी के बीच राहगीरों, मजदूरों व श्रमिकों के लिए ठंडा जल वितरण किया गया।

H.C.J. Part VII No. 33
(हेतु संदर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी
बिल्सी जिला बदायूं
वाद संख्या T202412070606125
सन् 2024 ई0
शरीफन ....वादी
बनाम
करिशमा आदि ...प्रतिवादी
1. करिशमा पुत्रियां/पत्नी, 2. हरमती, 3. आसमां, 4. फात्मा, 5. रेशमा, 6. नत्थूलाल पुत्र श्री मुंशी, 7. रियासत खाँ पुत्रगढ़ बन्ने खाँ, 8. अल्लानूर, 9. भूरे, 10. साबिर खाँ, 11. मुराद अली पुत्र श्री सावले, 12. श्रीमती रूमा पत्नी मसीद, 13. श्रीमती शहीदन पत्नी मौलाबक्श, 14. लश्करी पुत्र लाल मुहम्मद, 15. परमेश्वरी पुत्रगढ़ रामभरोसे, 16. डालचन्द्र, 17. सीमा पाठक (पत्नी आलोक पाठक), 18. अल्लारक्खी पुत्रियां छब्बी, 19. नैफसी उर्फ नफीसा, 20. उत्तर प्रदेश द्वारा कलेक्ट महोदय बदायूं, 21. ग्राम पंचायत सुराही पर इस्लामनगर द्वारा प्रधान सुराही के पक्षकार पृष्ठ पर आंकित चूंकि उपरिनामांकित वादी ने इस न्यायालय यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद्‌द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 9.6.2026 दिवस को बजे पूर्वान्ह के समय में या सम्यक रूपेणा अनुदिष्ट अपने अभिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप सुना जायेगा अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज ई0 के दिवस को निकाली गई।
न्यायलय उप जिलाधिकारी/परगना मजिस्ट्रेट, बिल्सी (बदायूं)

एक नजर

भीषण गर्मी में शीतल पेय वितरित

धामपुर। लाला केदारनाथ सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में स्काउट गाइड शिविर की छात्राओं ने भीषण गर्मी में राहत देने के लिए शीतल पेय का वितरण किया। जिसका उद्घाटन विद्यालय के संरक्षक राकेश चंद्र अग्रवाल, प्रबंध समिति से सरिता गोयल, रश्मि गोयल एवं प्रधानाचार्या आभावती द्वारा फीता काटकर किया गया। स्काउट गाइड प्रभारी मीनाक्षी शर्मा ने बताया कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। यह मानकर स्काउट गाइड की छात्राओं ने इस भीषण गर्मी में आने-जाने वाले राहगीरों को राहत देने के लिए शरबत का वितरण किया। राहगीरों एवं आने-जाने वालों ने भी पीकर सबका आभार प्रकट किया। शिक्षिकाओं में अनीता भटनागर, रेनू चौहान, सरिता शर्मा, पारुल, पूर्णिमा शर्मा, अलका एवं शामिल रहा। स्काउट गाइड की छात्राओं में वर्णिका, प्रियांशी, जिया सैनी, कृतिका, जूही, भूमिका राजपूत, निशि, प्रगति, पल्लवी, वंशिका, काव्य परी सैनी, मनसा आदि शामिल रही।

चलती कार बनी आग का गोला

नजीबाबाद। मंडावली क्षेत्र के ग्राम मिर्जापुर सैद उर्फ भुड्डी निवासी नबील अहमद पुत्र रईस अहमद बीती शाम किसी कार्य से कार द्वारा दहीरपुर से सैदपुरी जा रहा था, जैसे ही वह नयागांव बाइपास मार्ग पर पहुंचा, तो कार में आग लग गई। कार स्वामी ने कार से कूदकर अपनी जान बचाई। देखते-ही-देखते कार आग का गोला बन गई। जिससे कार पूरी तरह जल गई। सूचना पर मंडावली थाना प्रभारी राकेश कुमार ने पहुंचकर कार स्वामी नबील अहमद से घटना के बारे में जानकारी ली। कुछ देर बाद फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, लेकिन जब तक कार जल चुकी थी। कार स्वामी नबील अहमद ने बताया कि उसने उक्त कार लगभग छह महीने पहले ही खरीदी थी। थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि कार में आग शॉट शर्किट के कारण लगी है, कार पूरी तरह जल गई है कोई जनहानि नहीं हुई है।

मात्र दस घंटे आ रही बिजली

नजीबाबाद। किसानों के खेतों में खड़ी फसल सूखने के कगार पर है। किसानों संजीव कुमार, राजेंद्र सिंह, ओंकार सिंह, लोकेंद्र सिंह, तेजपाल सिंह, नरेन्द्र सिंह, जयप्रकाश आदि ने बताया कि इन तीनों गांवों में नलकूपों के अलावा कोई सिंचाई का साधन नहीं है। इन तीनों गांवों में नहर के रजवाहे भी नहीं है, सिर्फ भागूवाला विद्युत सप्लाई पर निर्भर है। गर्म हवा व तेज धूप के चलते खेतों में खड़ी गन्ना, चारा, मक्का व मूंग की फसलों की सिंचाई की आवश्यकता है। किसान रात दिन मेहनत करके अपने खेतों में फसल उगाते है। वाटर लेवल कम होने के कारण नलकूप आधा ही पानी दे पा रहे हैं। किसानों ने बताया तेज हवा के कारण विद्युत सप्लाई बंद हो जाती है। भागूवाला बिजलीघर के जेई नितिन कुमार का कहना है कि रोस्टर के अनुसार किसानों ने नलकूपों को प्रतिदिन दस घंटे बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।

डेटा एनालिटिक्स प्रोजेक्ट के तहत कार्यशाला

शाह टाइम्स संवाददाता

स्योहारा। सीएचसी में डेटा एनालिटिक्स प्रोजेक्ट के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय कैस्केड प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्री एवं पोस्ट टेस्ट भी ऑनलाइन आयोजित

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने की। कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, एएनएम और सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण के दौरान जेएसआई के जिला कॉर्डिनेटर अमित कुमार ने स्वास्थ्य कर्मियों को डेटा प्रबंधन, विश्लेषण और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से टीकाकरण संबंधी सूचनाओं के बेहतर उपयोग की जानकारी दी। कार्यक्रम में प्री एवं पोस्ट टेस्ट भी ऑनलाइन आयोजित किए गए। जिसमें सभी प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. केपी सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न डिजिटल माध्यमों से बड़ी मात्रा में डेटा प्राप्त होता है। जिसका प्रभावी उपयोग स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मार्गदर्शन में संचालित की जा रही है। जिससे निर्णयकर्ताओं को समयबद्ध और उपयोगी जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। सीएचसी अधीक्षक ने बताया कि परियोजना का उद्देश्य वंचित और जीरो डोज बच्चों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। इसके माध्यम से साक्ष्य आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देकर टीकाकरण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। कार्यशाला में हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, एआरओ आलोक कुमार, डीईजी राशि, हेल्थ इंस्पेक्टर राजेश कुमार, हरिओम, लोकेश कुमार, डब्ल्यूएचओ मॉनिटर मौहम्मद मुस्तकीम सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे।

अकीदत के साथ मनाया ईद उल अजहा का पर्व

मुल्क में अमन चैन की दुआ

शाह टाइम्स संवाददाता

स्योहारा। नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में ईद उल अजहा का पर्व पूरे धार्मिक उत्साह और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया गया। ईदगाह समेत विभिन्न मस्जिदों में सुबह से ही नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ी और मुल्क में तरक्की व अमन-चैन की दुआ मांगी।

मुख्य नमाज ईदगाह में शहर इमाम मौलाना मौहम्मद कामिल काशमी की इमामत में अदा की गई। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। उलेमाओं ने अपने बयान में कुर्बानी की अहमियत बताते हुए साफ-सफाई बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि कुर्बानी के दौरान स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाए तथा अवशेषों का उचित तरीके से निस्तारण किया जाए, ताकि नगर का वातावरण स्वच्छ बना रहे। साथ ही समाज में सच्चाई इंसानियत और भाईचारे को मजबूत करने की अपील भी की गई। ईदगाह परिसर में नगर पालिका परिषद की ओर से विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। नगर पालि. का चेयरमैन शेख फैसल वारसी एवं ईओ विजेंद्र सिंह पाल ने ईदगाह पहुंचकर लोगों को ईद की मुबारकबाद दी। उन्होंने कहा कि त्योहार आपसी प्रेम भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का संदेश देता है तथा नगर पालिका की ओर से साफ-सफाई और पेयजल सहित सभी व्यवस्थाएं बेहतर रखने का प्रयास किया गया। इस दौरान नगर पालिका के प्रधान लिपिक देवेंद्र कुमार मौहम्मद शान सहित अन्य कर्मचारी भी व्यवस्थाओं में जुटे रहे और लोगों को शुभकामनाएं देते दिखाई दिए। ईदगाह कमेटी कार्यालय में भी लोगों का तांता लगा रहा। जहां समाजसेवियों और गणमान्य नागरिकों ने एक-दूसरे को मुबारकबाद दी। इस दौरान पर मौलाना इम्तियाज अहमद, पूर्व सीओ इकबालुज्जमा, डा. तारिक रजा, डा. जानिब हाशमी, इलियास चौधरी, गौहर चौधरी, महफूज एड., हाजी अनवर जमाल, डा. नफीस अहमद, सुहैल जफर, डा. तफज्जुल अहमद, अरशद जमाल, अहसान जमील, नसीम कुरैशी, हाजी जमील अहमद, अनूशा फात्मा, जफिया रहमान, शाहनवाज अहमद, अहसन एड., शमशाद एड., हाजी जमील अहमद, फरहाज खान, असद अंसारी, अब्दुल रहमान, उमर फारुक आदि मौजूद रहे। त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क दिखाई दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह के नेतृत्व में एसएसआई सुरजीत सिंह, एसआई अरुण कुमार, ब्रजपाल सिंह, प्रदीप कुमार, पुष्पेंद्र कुमार सहित पुलिस बल ईदगाह और प्रमुख स्थानों पर तैनात रहा। पुलिस अधिकारियों ने लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। जिससे लोगों ने सुरक्षित माहौल में त्योहार मनाया गया।

ईद-उल-अज़्हा की नमाज़ के दौरान मुल्क मे अमन-चैन की मांगी दुआ

शाह टाइम्स संवाददाता

मिलक। नगर की मंडी समिति के पास स्थित ईदगाह पर ईद-उल-अजहा की नमाज सुबह 7:30 बजे मुफ्ती कारी नजफ़ अली ने अदा कराई। नमाज के बाद खुतबा पढ़ा गया और मुल्क में अमन चौन व भाईचारे के लिए हजारों हाथ दुआ के लिए उठे। दुआ के बाद लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारक. बाद दी। त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। उप जिलाधिकारी अनुराग सिंह, क्षेत्राधिकारी राजवीर सिंह परिहार और कोतवाली प्रभारी मनीराम सिंह के नेतृत्व में भारी पुलिस बल ईदगाह पर तैनात रहा। ड्रोन कैमरे से भी निगरानी की गई।

नगर पालिका की ओर व्यवस्था के लिए अधिशासी अधिकारी राजेंद्र प्रसाद सहित पालिका कर्मचारी भी मुस्तैद रहे मंडी समिति के पास ईदगाह के अलावा नगर की नसीराबाद मस्जिद में हाफिज अब्दुल वहीद ने नमाज अदा कराई। वहीं क्षेत्र के खाता नगरीया, लोहा, दुगनपुर, क्रमचा, क्योंरार, परम, भैसोडी, धर्मपुरा, मेहंदीपुर, धमोरा आदि गांवों में भी ईद-उल-अजहा की नमाज शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

सभी जगहों पर नमाज के बाद लोगों ने कुर्बानी की रस्म अदा की पुलिस-प्रशासन ने नमाज के दौरान यातायात व्यवस्था भी सुचारू रखी, जिससे लोगों को कोई परेशानी नहीं हुई। ईदगाह पर मुख्य रूप से कारी नजफ अली, जामा मस्जिद इमाम हाफिज याकूब बहीदी, सलीम मलिक, हाजी सईदुल रहमान, डॉ अकील अहमद, पालिका अध्यक्ष पति कु. नरेंद्र सिंह गंगवार, चंद्रभान मित्तल, मुस्तकीम, हाजी अशरफ, इकरार हुसैन, मोहम्मद असलम, नन्हे कादरी, शाकिर कुरैशी, आदि थे।

डीएम और एसपी ने ईदगाहों, मस्जिदों एवं प्रमुख मार्गों का किया व्यापक निरीक्षण

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। जनपद में ईद के पावन पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से डीएम अजय कुमार द्विवेदी एवं एसपी सोमेन्द्र कुमार मीणा ने शाहबाद गेट स्थित ईदगाह सहित तहसील स्वार एवं टाण्डा क्षेत्र में ईदगाहों, मस्जिदों तथा प्रमुख मार्गों एवं आवागमन के रास्तों का सघन एवं व्यापक स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा प्रबंधों का गहनता से मूल्यांकन करते हुए ड्यूटी पर तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों/कर्मचारियों को उच्च स्तरीय सतर्कता, अनुशासन एवं पूर्ण जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से संवे. दनशील स्थलों पर निरंतर निगरानी बनाए रखने, प्रभावी भीड़ नियंत्रण, सुचारु यातायात व्यवस्था तथा कानून-व्यवस्था को हर स्थिति में बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। साथ ही अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी व्यवस्थाएं व्यवस्थित, सुचारु एवं जनहितकारी ढंग से संचालित हों। डीएम और एसपी ने कहा कि त्योहार सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव एवं भाईचारे के प्रतीक हैं। प्रशासन की प्राथमिकता है कि ईद का पर्व पूरे जनपद में शांति, सुरक्षा एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हो। इसके लिए प्रशासनिक एवं पुलिस तंत्र पूरी तरह सक्रिय, सजग एवं प्रतिबद्ध है।

ईदगाह शाहबाद पर अग्निशमन बल रहा तैनात

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। ईद उल अजहा के मौके पर नगर की ईदगाह में सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ अग्निशमन विभाग भी पूरी तरह सतर्क नजर आया। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए अग्निशमन विभाग की टीम आवश्यक उपकरणों के साथ मौके पर तैनात रही। त्योहार के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी को देखते हुए प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस व राजस्व प्रशासन के साथ अग्निशमन विभाग ने भी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए पूरी मुस्तैदी दिखाई। अग्निशमन विभाग से अरविन्द सिंह, रजत मलिक, अरविन्द कुमार और हरि सिंह ईदगाह परिसर में मौजूद रहे तथा सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए रखी। प्रशासन की सतर्कता और लोगों के सहयोग से ईद उल अजहा की नमाज शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

सरकार का आभार जताने के लिए अभियान शुरू करेगा प्रधान संगठन : काशिफ

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। राष्ट्रीय पंचायतीराज ग्राम प्रधान संगठन के जिला उपाध्यक्ष व प्रवक्ता काशिफ खां ने कहा है कि संगठन के शीर्ष नेतृत्व ने प्रधानों को प्रशासक बनाए जाने पर राज्य सरकार का आभार व्यक्त करने निर्णय लिया है। राज्य से लेकर ब्लॉक स्तर तक आयोजित समारोहों में मुख्यमंत्री और पूरी सरकार की प्रशंसा की जाएगी। उन्होंने कहा है कि सरकार ने प्रधानों को प्रशासक बनाकर जो उपहार दिया है, उसका रिटर्न गिफ्ट प्रधानों द्वारा सरकार को विधान सभा चुनाव में दिया जाएगा। संगठन द्वारा प्रधानों से सीधा संवाद कर उन्हें बताया जाएगा कि आगामी चुनाव तक प्रधानों को प्रशासक बनाये जाने का जो ऐतिहा. सिक कार्य उत्तर प्रदेश सरकार ने किया है, उससे प्रधानों की साख बढ़ी है। साथ ही गांवों में विकास कार्यों की निरन्तरता का रास्ता भी साफ हुआ है। काशिफ खां ने बताया कि कि संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अखिलेश सिंह और प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा ने राज्य, मण्डल, जनपद तथा ब्लाक स्तरों पर समारोहों का आयोजन कर सरकार का आभार जताने का निर्णय लिया है। संगठन आगे भी पंचायतों की कठिनाइयों के समाधान के लिए संवाद जारी रखेगा।

शांतिपूर्ण तरीके से हुई ईद उल अजहा की नमाज, पुलिस बल व राजस्व प्रशासन रहा तैनात

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। गुरुवार को नगर की ईदगाह में ईद उल अजहा की नमाज शांतिपूर्ण माहौल में अदा की गई। सुबह से ही बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग ईदगाह पहुंचे और देश में अमन-चौन व खुशहाली की दुआ मांगी। नमाज के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। त्योहार को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए थे। ईदगाह व आसपास के क्षेत्रों में ड्रोन कैमरे से निगरानी रखी गई, जिससे हर गतिविधि पर नजर बनाए रखी जा सके। मौके पर राजस्व प्रशासन से उपजिलाधिकारी शाहबाद आशुतोष कुमार व हल्का लेखपाल मनोज कुमार मौजूद रहे। वहीं पुलिस विभाग से क्षेत्राधिकारी शाहबाद देवकीनंदन, कोतवाल शाहबाद प्रदीप कुमार, हल्का इंचार्ज रमेश चंद्र, उपनिरीक्षक अतिशय जैन, क्राइम प्रभारी जयप्रकाश सिंह, निरीक्षक पुष्कर सिंह, हेड कांस्टेबल अनिल कुमार सहित महिला कांस्टेबल सुधा देवी, आरती और रीनू भी ड्यूटी पर तैनात रहीं। प्रशासन की सतर्कता और लोगों के सहयोग से ईद उल अजहा का पर्व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

विधायक ने ईद की नमाज के बाद लोगो से गले मिले।

विधायक कैम्प कार्यालय पर ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया

शाह टाइम्स संवाददाता

स्वार। गुरुवार को ईद उल अजहा की नमाज के बाद हरदिल अजीज विधायक शफीक अहमद अंसारी की जानिब से रिवायती ईद मिलन समारोह का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र के लोग विधायक शफीक अहमद अंसारी से ईद मिलने उनके कार्यालय पर पहुचे विधायक जी ने कहा कि ईद का त्यौहार सभी को मिलजुलकर मनाना चाहिए और हमारा जिला में गंगा जमुना तहजीब के लिये हमेशा जाना जाता है। इस दौरान दीपक नागर, विधायक पुत्र उमेर अंसारी, नाहिद खां, इस्माल मेम्बर, जमील अहमद, रफीक अंसारी, प्रधान आरिफ अंसारी, फारुख अंसारी, नूरहसन घोसी, इदरीस खां, राशिद इदरीसी, शाहिद मास्टर, रफीक अंसारी, अफसर अंसारी एडवोकेट व शहर इमामं मोहम्मद अहमद खातिबि आदि मौजूद रहे।

सैफनी में ईद-उल-अजहा पर दिखा भाईचारे का रंग, लोगों ने गले मिलकर दी मुबारकबाद

शाह टाइम्स संवाददता

सैफनी। गुरुवार को नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में ईद-उल-अजहा का पर्व पूरे उत्साह, अमन और भाईचारे के माहौल में मनाया गया। सुबह ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। पूरे क्षेत्र में त्योहार को लेकर खुशी और उल्लास का माहौल देखने को मिला।ईद की नमाज के बाद शहर इमाम कारी अतीकुर्रहमान साहब ने लोगों को कुर्बानी के महत्व और उसके धार्मिक संदेश के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ईद-उल-अजहा त्याग, समर्पण और इंसानियत का पर्व है, जो आपसी प्रेम और भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने लोगों से समाज में अमन, शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील भी की। त्योहार के मौके पर लोगों ने जरूरतमंदों की मदद कर इंसानियत की मिसाल पेश की। बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। बाजारों और गलियों में दिनभर रौनक बनी रही। इस अवसर पर सलीम मियां, जान मोहम्मद, इदरीस, सबेअलं, इनायत, अशरफ, फिरोज मालिक, महफूज हुसैन सकलैनी, मौलाना शमशाद सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। वहीं प्रशासन भी त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पूरी तरह सतर्क नजर आया।

ईद-उल-अजहा त्याग और भाईचारे का संदेश देने वाला त्योहार : आसिम खान

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। मस्जिद हाजी हैदर अली खां में समाजवादी पार्टी के नेता आसिम खान ने लोगों से गले मिलकर ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद दी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि ईद-उल-अजहा त्याग, बलिदान और भाईचारे का त्योहार है। यह पर्व हज के जरिए अपने रब को राजी करने और पूरी दुनिया में अमन, शांति और सद्भाव का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि कुर्बानी अल्लाह को राजी करने का बेहतरीन जरिया है। ईद हमें इंसानियत, आपसी मोहब्बत और एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना सिखाती है।

उन्होंने दुआ करते हुए कहा कि पूरी दुनिया में अमन-चौन कायम रहे और लोग मिलजुल कर भाईचारे के साथ रहें। आसिम खान ने कहा कि पिछली कई ईदें हमारे नेता मोहम्मद आजम खान और अब्दुल्ला आजम खान के जेल में होने की वजह से उनके बिना गुजरी हैं। उनके बिना ईद की खुशियां अधूरी महसूस होती हैं। उन्होंने अल्लाह ताला से दुआ की कि उन्हें जल्द रिहाई अता हो।

ईद-उल-अजहा पर सुरक्षा व्यवस्था का एएसपी ने लिया जायजा

निर्माणाधीन नरपत नगर चौकी का भी किया निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

स्वार। ईद-उल-अजहा पर्व को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से बृहस्पतिवार को अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह ने थाना स्वार क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संवेदनशील स्थलों, प्रमुख बाजारों, ईदगाहों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का निरीक्षण कर ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को सतर्कता बरतने तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

अपर पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्र में मौजूद लोगों से संवाद कर आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहारों पर शांति व्यवस्था बनाए रखना पुलिस और आमजन की साझा जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस बल पूरी तरह सक्रिय नजर आया। इसके उपरांत अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना स्वार क्षेत्र के अंतर्गत निर्माणाधीन पुलिस चौकी नरपत नगर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी स्वार अतुल कुमार पांडेय सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार दंपति घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। शुक्रवार सुबह सेफनी क्षेत्र के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दंपति को टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक कार लेकर मौके से फरार हो गया। जानक. ारी के अनुसार जुनेद पुत्र यूसुफ निवासी सहसपुर बिलारी अपनी पत्नी जेबा के साथ बाइक से आंवला स्थित ससुराल जा रहे थे। जैसे ही वे सेफनी क्षेत्र के पास पहुंचे तभी तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे लोगों ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहबाद पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

मसवासी नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद-उल-अज़्हा का त्योहार

(मोहम्मद फारूख असांरी)

शाह टाइम्स संवाददाता

मसवासी। नगर मसवासी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार बृहस्पतिवार को पूरे हर्षोल्लास, अकीदत और भाईचारे के माहौल में मनाया गया। सुबह से ही मस्जिदों और ईदगाहों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने नए कपड़े पहनकर अल्लाह की बारगाह में सजदा किया और मुल्क में अमन-चौन, तरक्की और कौम की खुशहाली के लिए दुआएं मांगीं।मसवासी की ईदगाह पर मुफ्ती खुर्शीद आलम ने नमाज अदा कराई। ग्राम मानपुर उत्तरी स्थित ईदगाह में भी बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने ईद की नमाज अदा की। मदीना मस्जिद के इमाम कारी जमील ने ईद-उल-अजहा की नमाज अदा कराई। नमाज के बाद उन्होंने अपने बयान में कहा कि कुर्बानी सिर्फ अल्लाह की रजा और उसकी खुशी हासिल करने के लिए की जानी चाहिए। कुर्बानी में किसी भी प्रकार का दिखावा इस्लाम की शिक्षाओं के खिलाफ है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कुर्बानी के दौरान फोटो और वीडियो बनाने से बचें तथा उन्हें सोशल मीडिया या किसी अन्य प्लेटफॉर्म पर साझा न करें। कारी जमील ने कहा कि ईद-उल-अजहा हमें त्याग, बलिदान, इंसानियत और आपसी भाईचारे का संदेश देता है। हमें गरीबों, जरूरतमंदों और बेसहारा लोगों का विशेष ख्याल रखना चाहिए और कुर्बानी के गोश्त में उनका भी हिस्सा शामिल करना चाहिए। नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और आपसी प्रेम, सौहार्द एवं भाईचारे की मिसाल पेश की। इसके बाद लोगों ने सुन्नत के मुताबिक अपने-अपने जानवरों की कुर्बानी की रस्म अदा की। ईद के मौके पर नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह चहल-पहल का माहौल देखने को मिला। बच्चों और युवाओं में त्योहार को लेकर खासा उत्साह नजर आया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद दिखाई दिया और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा, जिससे त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। ईद-उल-अजहा के पावन अवसर पर लोगों ने मुल्क में अमन, भाईचारे और खुशहाली की दुआ करते हुए समाज में एकता और सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया।

भीतरगांव में खराब पड़े दो जल प्याऊ, राहगीरों को हो रही परेशानी

सुमित कश्यप

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। मोहल्ला भीतरगांव में लगाए गए दो जल प्याऊ लंबे समय से खराब पड़े हैं, जिससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को पेयजल के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के बीच जल प्याऊ बंद होने से लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी के मौसम में राहगीरों को राहत देने के उद्देश्य से जल प्याऊ लगाए गए थे, लेकिन देखरेख के अभाव में दोनों जल प्याऊ खराब हो गए हैं। पानी न मिलने से राहगीरों, मजदूरों और बाजार आने-जाने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि कई दिनों से जल प्याऊ बंद पड़े हैं, लेकिन अभी तक उनकी मरम्मत नहीं कराई गई है। गर्मी बढ़ने के साथ लोगों की परेशानी भी बढ़ती जा रही है। मोहल्लेवासियों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से जल्द जल प्याऊ ठीक करवाने की मांग की है, ताकि लोगों को गर्मी में स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिल सके।

पोल से टूटकर गिरा दिशा निर्देशन बोर्ड, टला बड़ा हादसा

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। गुरूवार सुबह करीब 9 बजे रामपुर चौराहे पर लगा दिशा निर्देशन बोर्ड अचानक ऊंचे पोल से टूटकर जमीन पर आ गिरा। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। गनीमत रही कि हादसे के समय चौराहे पर अधिक भीड़भाड़ नहीं थी, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जिस स्थान पर बोर्ड गिरा, वहां अक्सर व्यापारी अपने ठेले लगाते हैं। लेकिन ईद का पर्व होने के कारण उस समय किसी व्यापारी ने वहां ठेला नहीं लगाया था। यदि वहां लोग मौजूद होते तो गंभीर हादसा हो सकता था। सूचना मिलने पर स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए। लोगों ने प्रशासन से ऐसे पुराने और जर्जर बोर्डों की समय रहते जांच कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में कोई दुर्घटना न हो। पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों के अनुसार यह दिशा निर्देशन बोर्ड वर्ष 2015-16 में लगाया गया था। लगातार बारिश, तेज आंधी और मौसम के प्रभाव के चलते इसका ढांचा कमजोर हो गया था, जिसके कारण यह टूटकर गिर गया। विभाग ने बताया कि जल्द ही वहां नया दिशा निर्देशन बोर्ड लगाया जाएगा। साथ ही नगर के अन्य चौराहों पर लगे बोर्डों की भी जांच कर उन्हें मजबूत और सुरक्षित बनाने का कार्य किया जाएगा।

हिन्दी दैनिक शाह टाइम्स समाचार पत्र में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशित कराने के लिए सम्पर्क करें।

कार्यालय

निकट कचहरी का दूसरा गेट कपूर फोटो के बराबर वाली गली रामपुर

इमरान हुसैन

ब्यूरो चीफ रामपुर

सम्पर्क सूत्र: 9720093014

दो पासपोर्ट मामले में अब्दुल्ला आजम को बड़ी राहत, सात साल की सजा रद्द

सत्र न्यायालय ने निचली अदालत का फैसला पलटा, अभियोजन पक्ष की अपील भी खारिज़

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम खान को शुक्रवार को बड़ी कानूनी राहत मिली। रामपुर की सांसद-विधायक विशेष सत्र अदालत ने दो पासपोर्ट मामले में निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सात वर्ष की सजा को निरस्त करते हुए अब्दुल्ला आजम को दोषमुक्त कर दिया। अदालत के इस फैसले के बाद समाजवादी पार्टी समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई, जबकि राजनीतिक हलकों में इस निर्णय को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं। यह मामला पिछले कई वर्षों से चर्चा का विषय बना हुआ था। रामपुर की निचली अदालत ने पांच दिसंबर 2025 को अब्दुल्ला आजम को दोषी करार देते हुए सात वर्ष कारावास और पचास हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई थी। अदालत ने माना था कि अब्दुल्ला आजम ने अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्रों के आधार पर दो पासपोर्ट प्राप्त किए थे। इस फैसले के खिलाफ अब्दुल्ला आजम ने सांसद-विधायक विशेष सत्र न्यायालय में अपील दायर की थी। मामले में दोनों पक्षों की बहस 25 मई को पूरी हो गई थी, जिसके बाद अदालत ने अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया था। शुक्रवार को सुनाए गए फैसले में न्यायालय ने निचली अदालत के आदेश को निरस्त करते

हुए अब्दुल्ला आजम को बरी कर दिया। अब्दुल्ला आजम के अधिवक्ता नासिर सुल्तान ने अदालत के बाहर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि न्यायालय ने तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर यह फैसला सुनाया है। उन्होंने बताया कि अभियोजन पक्ष द्वारा सजा बढ़ाने की मांग वाली अपील को भी अदालत ने खारिज कर दिया है। अधिवक्ता ने कहा कि न्याय व्यवस्था पर उनका पूरा विश्वास था और अंततः न्याय मिला। यह मामला 30 जुलाई 2019 को दर्ज हुआ था। भारतीय जनता पार्टी के विधायक आकाश सक्सेना ने रामपुर के सिविल लाइंस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि अब्दुल्ला आजम ने दो अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्रों के आधार पर दो पासपोर्ट बनवाए और उन्हें विभिन्न सरकारी एवं अन्य कार्यों में पहचान पत्र के रूप में प्रयोग किया। मामले की जांच के बाद पुलिस ने अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था, जिसके बाद सुनवाई शुरू हुई थी। हालांकि अदालत से राहत मिलने के बावजूद अब्दुल्ला आजम फिलहाल जेल से बाहर नहीं आ सकेंगे। उनके खिलाफ अन्य कई मामले अभी सर्वोच्च न्यायालय और विभिन्न अदालतों में विचाराधीन हैं। वर्तमान में वह अपने पिता आजम खान के साथ रामपुर जिला कारागार में निरुद्ध हैं। दोनों पर अलग-अलग मामलों में कार्रवाई चल रही है। आजम खान उत्तर प्रदेश की राजनीति का बड़ा नाम रहे हैं। वह रामपुर से दस बार विधायक और एक बार सांसद चुने जा चुके हैं। उन्होंने वर्ष 1980 में राजनीति में सक्रिय भूमिका निभानी शुरू की थी। उस समय रामपुर की राजनीति पर नवाब परिवार का प्रभाव माना जाता था, लेकिन आजम खान ने बीड़ी मजदूरों, कपड़ा मजदूरों और रिक्शा चालकों को संगठित कर अपनी अलग राजनीतिक पहचान बनाई। धीरे-धीरे वह रामपुर की राजनीति के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल हो गए। आजम खान मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव सरकार में महत्वपूर्ण मंत्री पदों पर भी रहे। वर्ष 2012 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने के बाद उन्हें नगर विकास विभाग जैसा अहम मंत्रालय सौंपा गया था। समाजवादी पार्टी में उनका कद लंबे समय तक काफी प्रभावशाली माना जाता रहा। हालांकि राजनीतिक जीवन के दौरान उनका नाम कई विवादों से भी जुड़ा रहा। उन पर चुनाव प्रचार के दौरान आपत्तिजनक भाषा के प्रयोग, अधिकारियों से दुर्व्यवहार और सदन में अभद्र टिप्पणी करने जैसे आरोप लगते रहे हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के आरोप में उन पर दो बार चुनाव प्रचार करने पर प्रतिबंध लगाया था। इसके बावजूद वह चुनाव जीतने में सफल रहे थे। बाद में एक आपराधिक मामले में दो वर्ष से अधिक की सजा होने के कारण उनकी संसद सदस्यता समाप्त हो गई थी। इसके बाद रामपुर लोकसभा सीट पर उपचुनाव हुआ, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार घनश्याम लोधी ने जीत दर्ज की। रामपुर नगर विधानसभा सीट पर भी आजम खान की विधायकी समाप्त होने के बाद उपचुनाव कराया गया था। पांच दिसंबर 2022 को हुए उपचुनाव के परिणाम सात दिसंबर को घोषित किए गए थे, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार आकाश सक्सेना ने समाजवादी पार्टी प्रत्याशी आसिम रजा को 25 हजार 703 मतों से पराजित किया था। इससे पहले वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भी आकाश सक्सेना ने आजम खान के खिलाफ चुनाव लड़ा था, हालांकि तब उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अब्दुल्ला आजम को मिली यह राहत समाजवादी पार्टी के लिए मनोबल बढ़ाने वाली साबित हो सकती है। हालांकि कानूनी लड़ाई अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है, क्योंकि परिवार से जुड़े कई अन्य मामले अभी न्यायालयों में लंबित हैं। फिलहाल अदालत के इस फैसले को रामपुर की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है।

शिक्षक विधायक चुनाव को लेकर भाजपा कार्यालय में भव्य स्वागत कार्यक्रम

हरि सिंह ढिल्लों के प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा शिक्षक विधायक चुनाव हेतु हरि सिंह ढिल्लों को भाजपा प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद शुक्रवार को उनके प्रथम बार भाजपा जिला कार्यालय, रामपुर आगमन पर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। जिला कार्यालय परिसर में पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह, जोश और संगठनात्मक ऊर्जा का माहौल देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने पुष्पमालाओं, फूलों के गुलदस्तों एवं नारों के साथ हरि सिंह ढिल्लों का स्वागत करते हुए उन्हें शिक्षक विधायक चुनाव के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया और सभी ने एकजुट होकर पार्टी प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। अपने संबोधन में भाजपा प्रत्याशी हरि सिंह ढिल्लों ने पार्टी नेतृत्व एवं संगठन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, वह उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज की समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को प्राथमिकता के साथ उठाया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि शिक्षा

जगत से जुड़े प्रत्येक वर्ग की आवाज को मजबूती के साथ मंच प्रदान करने का कार्य किया जाएगा तथा शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष हरीश गंगवार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सदैव शिक्षकों, कर्मचारियों, युवाओं और समाज के सभी वर्गों के हितों के प्रति संवेदनशील रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षक विधायक चुनाव में भाजपा प्रत्याशी हरि सिंह ढिल्लों की विजय सुनिश्चित करने के लिए संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी निष्ठा, समर्पण और मजबूती के साथ कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि शिक्षक विधायक चुनाव के संयोजक एमएलसी महाराज सिंह तथा सहसंयोजक एवं पश्चिम क्षेत्र भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंघल के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संगठन चुनावी तैयारियों को गति दे रहा है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेताओं के अनुभव और संगठनात्मक कुशलता का लाभ चुनाव अभियान को मिलेगा तथा पार्टी कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ विजय लक्ष्य प्राप्त करने में जुटे हुए हैं। जिलाध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की ऊर्जा और जनता के विश्वास के बल पर भारतीय जनता पार्टी इस चुनाव में ऐतिहासिक विजय प्राप्त करेगी। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष सुभाष भटनागर, मोहनलाल सैनी, मोहन लोधी, सुनीता सैनी, रविंद्र सिंह रवि, जगपाल सिंह यादव, अर्जुन रस्तोगी, प्रदीप गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी आकाश सक्सेना, विकास दीक्षित, हरिओम मौर्य, विवेक रुहेला, राजीव मांगलिक, मनु सक्सेना, अनिल मदान, अभिषेक अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दुकान को लेकर मारपीट, जानलेवा हमले का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

मिलक। थाना क्षेत्र के हिम्मत गंज निवासी प्यारे लाल ने कोतवाली मिलक में तहरीर देकर चार लोगों पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित के अनुसार, हिम्मत गंज चौराहे पर स्थित उसकी दुकानों को लेकर पुरानी रंजिश चली आ रही है। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि लालतुष, अंकित कुमार, शैलेन्द्र कुमार और भुवनेश गंगवार लाठी-डंडे लेकर दुकान पर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए उसके व उसके पुत्र के साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर दोनों को बचाया।

पीड़ित का आरोप है कि आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

तेज रफ्तार रिनॉल्ट कार का कहर, दंपत्ति गंभीर घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

सैफनी। थाना सैफनी क्षेत्र में बिलारी-सैफनी मार्ग पर स्थित इंट्रीगल डिग्री कॉलेज के पास शुक्रवार को तेज रफ्तार रिनॉल्ट कार ने बाइक सवार दंपत्ति को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों ने तुरंत पुलिस व एम्बुलेंस को सूचना दी।जानकारी के अनुसार जुनेद (27) पुत्र निवासी सहसपुर अपनी पत्नी जेवा (25) के साथ बाइक से अपनी ससुराल आबला, जिला बरेली जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार रिनॉल्ट कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को एम्बुलेंस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहबाद

पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने दोनों को जिला अस्पताल रामपुर रेफर कर दिया। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार बताया जा रहा है।

श्रीमद् भागवत कथा तृतीय दिवस का आयोजन

आचार्य श्याम ब्रज बिहारी ने कथा के माध्यम से बताया अहंकार से नाश होता है

शाह टाइम्स संवाददाता

मिलक। श्री किशोरी नंद गोपाल आश्रम वृंदावन धाम श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर के सेवार्थ मानव कल्याण जीवन हेतु ग्राम पिपला शिवनगर में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है कथा में भागवत आचार्य शास्त्री श्याम बृज बिहारी उर्फ अन्य त्यागी श्याम बाबा ने तृतीय दिवस अपने मुखारविंद से हिरणकश्यप एवं भक्त प्रहलाद की कथा का बड़े ही मार्मिक ढंग से वर्णन किया उन्होंने कहा हिरणकश्यप का अहंकार और प्रहलाद की अटूट भक्ति के कारण भगवान ने नरसिंह अवतार लिया। हिरणकश्यप और भक्त प्रहलाद की कथा केवल एक पौराणिक प्रसंग नहीं है, बल्कि यह अहंकार पर भक्ति, अधर्म पर धर्म और असत्य

पर सत्य की विजय का शाश्वत संदेश देती है। हिरणकश्यप दैत्यों का राजा और महान तपस्वी था। ब्रह्मा जी के वरदान से उसका अहंकार इतना बढ़ गया कि उसने स्वयं को भगवान घोषित कर दिया और ईश्वर की पूजा पर प्रतिबंध लगा दिया। हिरणकश्यप का पुत्र प्रहलाद जन्म से ही भगवान विष्णु का परम भक्त था। पिता के लाख रोकने, डराने और यातनाएं देने पर भी प्रहलाद ने नारायण का नाम जपना नहीं छोड़ा। अंत में भगवान को हिरणकश्यप का वध करना पड़ा और अधर्म पर धर्म की विजय प्राप्त कर धर्म की स्थापना की। कथा व्यास ने बताया। अहंकार का नाश,कितना भी शक्तिशाली व्यक्ति क्यों न हो, अहंकार उसका अंत कर देता है।भक्ति की शक्ति,सच्ची भक्ति और विश्वास के आगे बड़ी से बड़ी विपत्ति भी हार जाती है। सत्य की विजय,अंत में जीत हमेशा सत्य, धर्म और अच्छाई की ही होती है।ईश्वर सर्वत्र है,भगवान कण कण में वास करते हैं और भक्त की पुकार पर तुरंत आते हैं। इस पुनीत अवसर पर संजय तिवारी, अनिल शुक्ला, अनुराग पाठक, ब्रह्मानंद मिश्रा, श्याम सुंदर पाठक, भोजराज मौर्य, तुलसीराम गंगवार,राजमोहन तिवारी, श्याम सिंह पासी,महेंद्र पाल कोरी, विपिन तिवारी, रामसिंह पाल, संजीव गंगवार, वेदराम, कुमर सेन,आदि भक्तजन एवं महिलाएं उपस्थित रही।

मोहल्ला मंगोली भीतरगांव में सड़क किनारे कूड़े का अंबार

(सुमित कश्यप)
शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। क्षेत्र के मोहल्ला मंगोली भीतरगांव में सड़क किनारे लगे कूड़े के अंबार से स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लंबे समय से जमा गंदगी के कारण आसपास दुर्गंध फैल रही है, जिससे राहगीरों और मोहल्लेवासियों का निकलना मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमित सफाई न होने के कारण कूड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। सड़क किनारे फैली गंदगी से संक्रमण फैलने का खतरा भी बना हुआ है। गर्मी के मौसम में बदबू और मच्छरों की समस्या और अधिक बढ़ गई है, जिससे लोगों में नाराजगी

देखने को मिल रही है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार संबंधित अधिकारियों से सफाई कराने की मांग की जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है। सड़क किनारे पड़े कूड़े से क्षेत्र की सुंदरता भी प्रभावित हो रही है।मोहल्लेवासियों ने प्रशासन से जल्द कूड़ा हटवाने और नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की है, ताकि लोगों को गंदगी और बीमारी के खतरे से राहत मिल सके।

अलग-अलग सडक हादसों में दो घायल

(सुमित कश्यप)
शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद/रामपुर। पति के साथ मोटरसाइकिल पर जा रही एक गर्भवती महिला सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा धारमपुर से पहले हुआ, जहां सामने से आ रही दूसरी बाइक से टक्कर होने पर महिला बाइक सहित सड़क पर गिर गई। जानकारी के अनुसार, 35 वर्षीय आमना अपने पति असलम के साथ गांव से शाहबाद की ओर जा रही थीं। इसी दौरान सामने से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से उनकी भिड़ंत हो गई। हादसे में आमना गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि उनके पति असलम को मामूली चोटें आईं। सूचना मिलने पर एंबुलेंस यूपी-32 9235 मौके पर पहुंची। दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहबाद पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद आमना की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। वहीं शुक्रवार को बाइक और छोटा हाथी की भिड़ंत में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा टाण्डा गांव के पास हुआ। जानकारी के अनुसार, टाण्डा निवासी 25 वर्षीय राजन खेत से बाइक द्वारा घर लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे छोटा हाथी वाहन से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में राजन गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे परिजन घायल को एंबुलेंस से सीएचसी शाहबाद लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा और लोगों की भीड़ जमा हो गई।

बैरुआ बना रणक्षेत्र: छतों से बरसे ईंट-पत्थर, लाठी-डंडों से हुआ खूनी संघर्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

सैफनी। थाना क्षेत्र के गांव बैरुआ में शुक्रवार शाम मामूली कहासुनी ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। देखते ही देखते गांव दो गुटों में बंट गया और फिर शुरू हुआ लाठी-डंडों, गाली-गलौज और पथराव का खूनी खेल। आरोप है कि एक पक्ष के लोग पड़ोसी की छतों पर चढ़ गए और वहां से दूसरे पक्ष के घर पर जमकर ईंट-पत्थर बरसाए। घटना से पूरे गांव में अफरा-तफरी और दहशत फैल गई। गांव निवासी मोहम्मद शमी पुत्र मोहम्मद अकरम के मुताबिक वह शुक्रवार शाम करीब चार बजे अपने घर के बाहर खड़ा था। तभी गांव का फैजान पुत्र रिजवान वहां पहुंचा और कथित तौर पर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर मामला और भड़क गया। आरोप है कि फैजान ने धमकी देते हुए कहा कि उसका चाचा गांव का प्रधान है और वह घर में घुसकर मारपीट करेगा। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि कुछ ही देर बाद फैजान अपने भाई सुभान, अरबाज तथा उबेद पुत्र रहीस अहमद, रुखसाद पुत्र मुख्तार और अकरम पुत्र फरजंद अली के साथ मौके पर पहुंच गया। सभी के हाथों में लाठी-डंडे थे। आरोप है कि आते ही उन्होंने हमला बोल दिया। अचानक हुए हमले से परिवार में चीख-पुकार मच गई और लोग जान बचाने के लिए घर के भीतर भागे। मामला यहीं नहीं थमा। तहरीर के अनुसार हमलावर पड़ोसी अकरम और मुकर्रम की छत पर चढ़ गए और वहां से घर पर ईंट-पत्थरों की बारिश शुरू कर दी। काफी देर तक गांव का माहौल रणक्षेत्र जैसा बना रहा। पथराव और मारपीट में शिफ्ते हसन, सुहेब अहमद, मोहम्मद शमी और सलमा पत्नी हबीब अहमद घायल हो गए। महिलाओं के घायल होने से परिवारों में दहशत फैल गई। बताया जा रहा है कि दूसरे पक्ष के कुछ लोग भी इस संघर्ष में चोटिल हुए हैं। सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। बाद में पुलिस ने पहुंचकर हालात पर काबू पाया और घायलों को उपचार के लिए भिजवाया। पीड़ित पक्ष का दावा है कि पूरी घटना का वीडियो उनके पास मौजूद है, जिसे पुलिस को सौंपा जाएगा। थाना पुलिस ने दोनों पक्षों से पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि तहरीर और वीडियो फुटेज के आधार पर जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है।

नशे में 112 पर दी थी गाय काटने की झूठी सूचना, माफी मांगने कोतवाली पहुंचे चार युवक

(इकरार हुसैन)
शाह टाइम्स संवाददाता

मिलक। कुर्बानी में गाय काटने की सूचना पर पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी गाय काटने की सूचना पर एक समुदाय के लोग एकत्र होकर प्रदर्शन करने लगे सूचना पर क्षेत्राधिकारी राजवीर सिंह परिहार और कोतवाली प्रभारी मनीराम सिंह मय फोर्स के मौके पर पहुंच गये प्रदर्शन कर लोग रोड जाम करने के प्रयास करने लगे प्रदर्शन कर रहे लोगों को पुलिस ने खदेड़ दिया कुर्बानी के दौरान गाय काटने की झूठी सूचना यूपी 112 पर देने के मामले में ग्राम क्रमचा का मझरा खेडा निवासी सन्तोष कुमार अपने तीन साथियों के साथ कोतवाली मिलक पहुंचा। उसने प्रभारी निरीक्षक को लिखित प्रार्थना पत्र देकर अपनी गलती स्वीकार की और माफी मांगी। सन्तोष कुमार पुत्र कडेराम ने प्रार्थना पत्र में बताया कि 28 मई को उसने शराब के नशे में यूपी 112 पर कॉल करके सूचना दी थी कि ग्राम क्रमचा मे गाय काट दी है, जबकि ऐसा नहीं था। कुर्बानी के दौरान किसी व्यक्ति ने भैंसा को अपने घर में काटा था।

सन्तोष का आरोप है कि बनवारी लाल पुत्र अनोखेलाल, रामभिखारी गुप्ता पुत्र राधेश्याम गुप्ता व राकेश पुत्र प्रेम, 39 वर्ष ने उसका फोन लेकर बार-बार गाय काटने की झूठी सूचना दी थी। प्रार्थना पत्र में चारों ने माना कि उनसे गलती हो गई है। लिखा कि भविष्य में ऐसी गलती नहीं करेंगे। यदि करें तो उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। सन्तोष ने लिखा, मुझसे गलती हो गयी है। ऐसा कभी नही होगा। क्षमा करने की कृपा करे।ष प्रार्थना पत्र पर सन्तोष कुमार के साथ बनवारी लाल व रामभिखारी के हस्ताक्षर और मोबाइल नंबर भी दर्ज हैं। सन्तोष कुमार का मोबाइल नंबर लिखा है। कोतवाली पुलिस ने प्रार्थना पत्र लेकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि यूपी 112 पर झूठी सूचना देना दंडनीय अपराध है। मामले की जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बोलेरो ने बाइक में मारी टक्कर, दो गंभीर

शाह टाइम्स संवाददाता

सैफनी। क्षेत्र में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। चौकोनी गांव निवासी ममेरे-फुफेरे भाई राहुल और मुनेश बाइक से शाहबाद गैस सिलेंडर लेने जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहबाद पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। हादसे के बाद ग्रामीणों ने बोलेरो चालक को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

भीतरगांव स्थित बुजपुर वाली माता मंदिर में शुक्रवार को लगी आस्था की जात

(सुमित कश्यप)
शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। क्षेत्र के भीतरगांव स्थित प्राचीन बुजपुर वाली माता मंदिर में शुक्रवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने माता के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और अपनी मनोकामना पूर्ण होने की कामना की। मंदिर परिसर में धार्मिक आस्था और भक्ति का माहौल बना रहा। बताया जाता है कि इस मंदिर में सन 1954 से पहले से जात लगाने की परंपरा चली आ रही है। गंगा स्नान के बाद आने वाले शुक्रवार या सोमवार को यहां विशेष रूप से जात लगाई जाती है। दूर-दराज क्षेत्रों से श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंचते हैं और अनाज, मिष्ठान, पुष्प, नारियल, चुनरी तथा श्रृंगार सामग्री चढ़ाकर माता का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। मंदिर के वर्तमान पुजारी वदरी प्रसाद

शर्मा ने बताया कि पहले मंदिर के महंत मेवा राम शर्मा थे। उनके बाद उनके पुत्र होरिलाल शर्मा ने मंदिर की सेवा संभाली और अब वदरी प्रसाद शर्मा मंदिर में पूजा-अर्चना कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जून यानी आषाढ़ माह में यहां विशेष जात लगती है, जिसमें बरबलान क्षेत्र सहित कई गांवों के लोग बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। मेला लगने से मंदिर परिसर में रौनक देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने मंदिर की परिक्रमा की, वहीं बच्चों ने मेले में खिलौनों की खरीदारी की और झूलों का आनंद लिया। पूरे दिन मंदिर परिसर में माता के जयकारों की गूंज सुनाई देती रही।

नाबालिग लड़की के अपहरण का मामला दर्ज, जांच में जुटी पुलिस

शाह टाइम्स संवाददाता

मिलक। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने अपनी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री के अपहरण का आरोप लगाते हुए कोतवाली मिलक में तहरीर दी है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वादी रामकरन पुत्र रामभरोसे के अनुसार, 27 अप्रैल 2026 को वह रिश्तेदारी में शादी समारोह में गया था। इस दौरान उसकी पुत्री घर पर अकेली थी। आरोप है कि गांव के ही एक युवक ने अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर उसकी पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी घर से सोने-चांदी के जेवर और 30 हजार रुपये नकद भी ले गए। कोतवाली प्रभारी मनीराम सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। नाबालिग की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर जांच कर रही है।

राजस्थान ने गुजरात को 215 रन का टारगेट दिया

- वैभव सूर्यवंशी ने 96 रन बनाए, जडेजा के नाबाद 45 रन,
- रबाडा- होल्डर को 2-2 विकेट हासिल हुए

मुल्लांपुर, वार्ता। राजस्थान रायल्स ने आईपीएल 2026 के क्वालिफायर-2 में गुजरात टाइटंस को 215 रन का टारगेट दिया है। राजस्थान ने मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह स्टेडियम में टास जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। वैभव सूर्यवंशी के 96 रन की बदौलत राजस्थान ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 214 रन बनाए।

सूर्यवंशी ने 204.26 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और पारी में 8 चौके और 7 सिक्स भी लगाए। उनके अलावा रवींद्र जडेजा ने नाबाद 45 रन की पारी खेली। वहीं, डोनोवन फरेरा ने 11 बाल पर नाबाद 38 रन बनाए। आखिरी ओवर में डोनोवन फरेरा ने राशिद खान के ओवर की दूसरी, तीसरी और चौथी गेंद पर उन्होंने लगातार तीन छक्के जड़ दिए, जिससे राजस्थान को जोरदार फिनिश मिला। आखिरी गेंद पर भी फरेरा ने डीप एक्स्ट्रा कवर के ऊपर शानदार छक्का लगाकर ओवर खत्म किया। इस ओवर से कुल 27 रन आए और राजस्थान ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 214 रन बना दिए। 18वें ओवर में रबाडा की बाल पर सूर्यवंशी शार्ट और आफ स्टंप के बाहर जाती गेंद पर और कट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सही तरीके से टाइम नहीं हुई और थर्ड मैन की दिशा में हवा में चली गई। वहां प्रसिद्ध कृष्णा ने कैच पकड़ लिया। सूर्यवंशी 47 गेंदों में 96 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 8 चौके और 7 छक्के शामिल रहे। सूर्यवंशी आईपीएल इतिहास में सबसे तेज 1,000 रन बनाने वाले बैटर बन गए हैं। उन्होंने यह मुकाम केवल 440 गेंदों का सामना करते हुए हासिल किया था, जिससे उन्होंने आंद्रे रसेल (545 गेंदें) का रिकॉर्ड तोड़ा। 13वें ओवर में सूर्यवंशी ने सिंगल लेकर इस सीजन का अपना छठा 50+ स्कोर पूरा किया। प्रसिध्द की शार्ट गेंद को सूर्यवंशी ने मिडविकेट की दिशा में खेलकर एक रन लिया और शानदार अर्धशतक तक पहुंचे। 12वें ओवर की चौथी बाल पर प्रसिद्ध कृष्णा ने राजस्थान को पांचवां झटका दिया। 146 किमी/घंटा की रफ्तार से फेंकी गई फुल गेंद पर आर्चर बड़ा ड्राइव लगाने गए, लेकिन गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर बटलर के हाथों में चली गई। आर्चर 4 गेंदों में 7 रन बनाकर आउट हुए। 12वें ओवर में होल्डर ने मिडिल ओवरों में अपना असर जारी रखते हुए शनाका को पवेलियन भेज दिया। बैक आफ लेंथ गेंद पर शानाका पुल शाट खेलने गए, लेकिन गेंद ग्लव्स से लगकर विकेटकीपर बटलर के हाथों में चली गई। शनाका 9 गेंदों में सिर्फ 3 रन बनाकर आउट हुए। 10वें ओवर में होल्डर ने राजस्थान को तीसरा झटका देते हुए रियान पराग को आउट कर दिया। फुल गेंद पर पराग ने फ्लिक शाट खेला, लेकिन गेंद बड़ी बाउंड्री पार नहीं कर सकी। डीप मिडविकेट पर मौजूद रबाडा ने आसान कैच पकड़ लिया। पराग 6 गेंदों में 11 रन बनाकर लौटे। 11वें ओवर की दूसरी बाल पर सूर्यवंशी को जीवनदान मिला। प्रसिद्ध कृष्णा की शार्ट गेंद पर सूर्यवंशी पुल शाट खेलने गए, लेकिन गेंद बल्ले का टाप-एज लेकर हवा में चली गई।

पर्थ में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराया

पर्थ, वार्ता। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शुक्रवार को पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेली जा रही फ्रेंडली सीरीज के तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 2-0 की शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ, भारत अब चार मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे हो गया है। पहले मैच में मिली हार के बाद, भारत ने दूसरे मैच में शूटआउट में 4-2 से जीत हासिल करते हुए शानदार वापसी की थी। दोनों टीमों के बीच खेले गए तीसरे मैच में दोनों ही पक्षों की ओर से अनुशासित रक्षात्मक खेल देखने को मिला।

पहले दो क्वार्टर में कोई गोल नहीं हुआ और हाफ-टाइम तक स्कोर 0-0 ही रहा। आखिरकार, भारत को तीसरे क्वार्टर में सफलता मिली, जब सोनम (36वें मिनट) ने एक फील्ड गोल करके मेहमान टीम को बढ़त दिला दी। भारत ने आखिरी क्वार्टर में भी अपनी लय बरकरार रखी। लालरेमसियामी (49वें मिनट) ने एक और फील्ड गोल करके बढ़त को दोगुना कर दिया और अपनी टीम के लिए 2-0 की जीत पक्की कर दी। सीरीज का चौथा और आखिरी मैच शनिवार, 30 मई को इसी मैदान पर भारतीय समयानुसार सुबह 11:00 बजे खेला जाएगा। आईआईएचएफ विश्व चैंपियनशिप में भारत की तीन टीमें लेंगी हिस्सा नई दिल्ली। जर्मनी में 14 से 30 मई 2027 होने वाली आईआईएचएफ विश्व चैंपियनशिप में भारत की महिला, पुरुष और अंडर-20 लड़कों टीमें हिस्सा लेंगी। भारतीय आइस हॉकी संघ (आईएचएआई) ने शुक्रवार को यह घोषणा की। भारत 1989 से अंतर्राष्ट्रीय आइस हॉकी संघ का पूर्णकालिक सदस्य है।भारतीय टीमों ने पहले भी अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है, लेकिन वर्ल्ड चैंपियनशिप स्केल, स्टूक्चर और लॉन्ग-टर्म असर के मामले में एक बड़ा स्टेज है।

खेल विशेष

ब्राजील वर्ल्ड कप के पहले मैच में नेमार के बिना खेलेगा रियो डी

जेनेरो, वार्ता। ब्राजीलियन फुटबॉल कॉन्फेडरेशन ने गुरुवार को बताया कि नेमार पिंडली की चोट के कारण 13 जून को मोरक्को के खिलाफ ब्राजील का पहला फीफा वर्ल्ड कप मैच नहीं खेल पाएंगे। रियो डी जेनेरो के पास, टेरसोपोलिस में ब्राजील के ट्रेनिंग कैंप में हुए स्कैन से पता चला कि सैंटोस के इस फॉरवर्ड को पिंडली की मांसपेशियों में ग्रेड-2 का खिचाव है, जिसके ठीक होने में दो से तीन हफ्ते का समय लगेगा। ब्राजील टीम के डॉक्टर रोड्रिगो लास्मार ने कहा कि नेमार कल ट्रयूटी पर आए, उनके सभी मेडिकल टेस्ट हुए, जिनका नतीजा एमआरआई स्कैन से निकला। स्कैन में पिंडली में ग्रेड-2 की चोट का पता चला, सिर्फ सूजन नहीं है। उम्मीद है कि दो से तीन हफ्ते में उन्हें खेलने की अनुमति मिल जाएगी। नेमार, जो 128 इंटरनेशनल मैचों में 79 गोल के साथ ब्राजील के अब तक के सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं।

न्यूजीलैंड ने आयरलैंड के खिलाफ टेस्ट में बनाई मजबूत पकड़

बेलफास्ट, वार्ता। नाथन स्मिथ (छह) विकेट की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने एकमात्र टेस्ट मैच के दूसरे दिन आयरलैंड को पहली पारी में 179 रन पर ढेर करने के बाद फॉलोआन खेलने उतरी आयरलैंड के दूसरी पारी में 65 रन पर दो विकेट झटकर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। न्यूजीलैंड ने आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र चार-दिवसीय टेस्ट में अपना मजबूत नियंत्रण बना लिया है। पहले दिन रचिन रवींद्र की सेंचुरी से बनी मजबूत नींव को आगे बढ़ाते हुए, मेहमान टीम ने टॉम ब्लंडेल के 186 और डेब्यू करने वाले डीन फॉक्सक्रॉफ्ट के 98 रन की मदद से 8 विकेट पर 490 रन बनाए। इसके बाद, दूसरे दिन तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ ने आयरलैंड के शीर्षक्रम को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने अपने एट बॉल स्पेल में 29 गेंदों के अंदर पांच विकेट लिए, और 40 रन देकर 6 विकेट लिए। इससे आयरलैंड की पहली पारी 179 रन पर सिमट गई।

वेस्टइंडीज की महिला टीम ने आयरलैंड को 10 विकेट से हराया

डबलिन, वार्ता। कप्तान हेली मैथ्यूज (नाबाद 82) रनों की विस्फोटक पारी की बदौलत वेस्टइंडीज की महिला टीम टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मैच में आयरलैंड को आठ विकेट से हरा दिया। इस श्रृंखला की तीसरी टीम पाकिस्तान है। मेजबान टीम को मात्र 103 रन पर रोकने के बाद, वेस्टइंडीज ने कप्तान हेली मैथ्यूज की सिर्फ 44 गेंदों पर नाबाद 82 रन की पारी की मदद से 11-3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। वेस्टइंडीज टॉस जीतकर गुरुवार को पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

80 रन बनाता हूं और मेरी टीम जीत जाती है: वैभव सूर्यवंशी

- यह मेरे लिए शतक बनाने से ज्यादा मायने रखता है

नई दिल्ली, वार्ता। 'निडर युवा खिलाड़ी' वैभव सूर्यवंशी ने टाटा आईपीएल में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से सबका ध्यान खींचा है। वह 242 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 680 रन बनाकर ऑरेंज कैप होल्डर बने हुए हैं।

क्वालीफायर 2 से पहले जियो स्टार से बात करते हुए, सूर्यवंशी ने पिछले सीजन में आरआर के लिए अपने आईपीएल डेब्यू, निजी उपलब्धियों से ज्यादा टीम के लक्ष्यों को प्राथमिकता देने और जीटी के खिलाफ नॉकआउट मैच से पहले अपनी मानसिकता के बारे में बात की। सूर्यवंशी ने 2025 में अपने आईपीएल डेब्यू के बारे में बताया और यह भी बताया कि जब आरआर ने उन्हें ऑक्शन में चुना, तो सबसे पहले उन्हें किसका फोन आया था कि मुझे सबसे पहला फोन टीम मैनेजर रोमी भिडर सर का आया था। मैं दुबई में था, और ऑक्शन भी वहीं हो रहा था। ट्रायल्स के बाद, मैंने उनसे बात की थी और उन्होंने मुझसे कहा था कि वे मुझे टीम में लेने की कोशिश करेंगे। फिर फोन पर हमारी दो-तीन मिनट बात हुई और उन्होंने मुझे बधाई दी। अपने डेब्यू मैच में, मैंने पहली ही गेंद पर छक्का मारा था, इसलिए वह एक बहुत ही खास पल और एक बेहत. रीन याद थी। फिर, उसी सीजन में मैंने 100 रन बनाए, जो मेरे और मेरे परिवार, दोनों के लिए बहुत ही गर्व का पल था। यह मेरा सिर्फ तीसरा ही मैच था, इसलिए अपने आईपीएल करियर की इतनी अच्छी शुरुआत करना बहुत अच्छा लगा, और अब मैं उसी लय को आगे बढ़ा रहा हूं। टीम के लक्ष्य को अपने निजी रिकॉर्ड से ऊपर रखने के बारे में उन्होंने कहा कि बचपन से ही मेरे पिता ने मुझसे हमेशा कहा है कि अगर तुम सौ, दो सौ, या यहां तक कि तीन सौ रन भी बना लो, लेकिन तुम्हारी वजह से टीम न जीते, तो उन रनों की कोई कीमत नहीं होती। वे शायद सिर्फ तुम्हारे निजी रिकॉर्ड के लिए हों, लेकिन उनसे टीम को कोई फायदा नहीं होता। आखिरकार, क्रिकेट एक टीम गेम है। इसलिए, अगर मैं सौ की जगह 80 रन बनाऊं और मेरी टीम जीत जाए, और अगर मेरे शतक बनाने के बावजूद हम न जीत पाएं, तो मेरे लिए उन सौ रनों से ज्यादा अहमियत उन 80 रनों की होगी। मेरी टीम टूर्नामेंट में जितनी ज्यादा देर तक बनी रहेगी और हम प्लेऑफ और फाइनल में जितना आगे तक जाएंगे, मुझे शतक बनाने और जो भी रिकॉर्ड मैं तोड़ना चाहता हूं, उन्हें हासिल करने के उतने ही ज्यादा मौके मिलेंगे। इसलिए, इससे मुझे निजी तौर पर भी फायदा होता है और टीम को भी। क्वालीफायर 2 में उतरते समय अपनी सोच के बारे में सूर्यवंशी ने कहा कि हम अच्छी सोच और सकारात्मक इरादे के साथ मैदान में उतरना चाहते हैं, और वही करते रहना चाहते हैं जो पूरी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में किया है। हमें खेल का मजा लेते रहना चाहिए, जैसा कि हम हमेशा करते हैं, बड़े मैच का दबाव नहीं लेना चाहिए, और अपनी ताकत पर भरोसा रखना चाहिए। एक टीम और एक यूनिट के तौर पर, हम फाइनल में पहुंचना चाहते हैं और उम्मीद है कि ट्रॉफी भी जीतेंगे। अंडर19 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के एक दिन बाद ही प्रैक्टिस पर लौटने के बारे में उन्होंने कहा कि यह सब मेरे पिता की वजह से है। बचपन से ही उन्होंने मुझसे इतनी प्रैक्टिस करवाई है कि अगर मैं एक दिन भी प्रैक्टिस न करूं, तो ऐसा लगता है जैसे मेरी जदिगी थोड़ी धीमी पड़ गई हो। इसलिए, मुझे बहुत लंबे ब्रेक की जरूरत नहीं पड़ती, एक दिन ही काफी है। मुझे लगा कि मुझे प्रैक्टिस करनी चाहिए क्योंकि आईपीएल आने वाला था, और मैं वनडे क्रिकेट खेलकर वापस आ रहा था। फॉर्मेट में भी बदलाव था, इसलिए मुझे अपने खेल के कुछ पहलुओं पर काम करने की जरूरत थी। जहां तक सपोर्ट स्टाफ की बात है, अगर हम ट्रॉफी जीतते हैं, और उम्मीद है कि हम जीतेंगे, तो मैं इसे उन्हें समर्पित करूंगा। जिस तरह हर कोच हर खिलाड़ी के पीछे मेहनत करता है, जिस तरह वे प्रैक्टिस सेशन की योजना बनाते हैं, और जिस तरह हमारे फिजियो और ट्रेनर हमारी रिकवरी का ध्यान रखते हैं, इन सबका बहुत बड़ा योगदान होता है। इसलिए, अगर हम ट्रॉफी जीतते हैं, तो यह उनके लिए भी उतनी ही बड़ी जीत होगी। सूर्यवंशी ने अभी भी कार्टून देखने के बारे में कहा कि जब मैं दो-तीन साल पहले घर पर रहता था और वहां मैच खेलता था या प्रैक्टिस करता था, तो जब भी मुझे घर पर खाली समय मिलता था, मैं कार्टून देखता था, और मुझे इसमें बहुत मजा आता था। आज भी, जब भी मुझे लगता है कि मुझे थोड़ी राहत या शांति चाहिए।

ऋषभ पंत ने लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी छोड़ी

- पंत को 2025 के सीजन से पहले मेगा नीलामी में एलएसजी ने खरीदा था

लखनऊ, वार्ता। आईपीएल 2026 में खराब प्रदर्शन के बाद ऋषभ पंत ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की कप्तानी छोड़ दी है। पंत को 2025 के सीजन से पहले मेगा नीलामी में एलएसजी ने खरीदा था और उन्हें टीम का कप्तान नियुक्त किया गया था। हालांकि पंत की कप्तानी में एलएसजी लगातार दूसरी बार प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई।

इस सीजन 14 मुकाबलों में केवल चार जीत के साथ एलएसजी ने लीग स्टेज को अंक तालिका में अंतिम स्थान पर रहते हुए समाप्त किया। एलएसजी ने अपनी प्रेस रिलीज में कहा कि लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) औपचारिक रूप से यह घोषणा करती है कि ऋाभ पंत ने फ्रेंचाइजी से कप्तानी छोड़ने का अनुरोध किया है। फ्रेंचाइजी ने उनके इस अनुरोध को तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। साथ ही एलएसजी प्रबंधन ने कप्तान के रूप में ऋाभ पंत के योगदान की सराहना करते हुए उनके नेतृत्व और टीम के प्रति समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया है। एलएसजी के क्रिकेट निदेशक टॉम मूडी ने कहा कि ऋषभ ने फ्रेंचाइजी से इस संबंध में संपर्क किया था और हमने सम्मानपूर्वक उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। ऐसे निर्णय लेना कभी आसान नहीं होता। कप्तान के रूप में ऋषभ ने इस ड्रेसिंग रूम में जो कुछ भी योगदान दिया है, उसके लिए हम उनके आभारी हैं। अब हमारा ध्यान सर्वश्रेठ मानकों तक पहुंचने के लिए टीम के सामूहिक पुनर्निर्माण और पुनर्गठन पर है। पंत की कप्तानी में एलएसजी को कुल 10 जीत और 18 हार मिली हैं। आईपीएल 2026 में अंतिम स्थान पर रहते हुए सीजन को समाप्त करने से पहले आईपीएल 2025 में एलएसजी सातवें स्थान पर रही थी।

केतन कुशवाहा की हैट्रिक भारत की अंडर18 पुरुष टीम ने कजाकिस्तान को 13-0 से रौंदा

काकामिगाहारा, (जापान), वार्ता। भारत की अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम ने शुक्रवार को एशिया कप के ग्रुप ए के मुकाबले में कजकिस्तान पर 13-0 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। भारत के लिए कप्तान केतन कुशवाहा ने तीन गोल करके शुरुआत की, जबकि प्रहलाद राजभर, आशीष तानी पूर्ति, अंश ने गोल किए। बहुता और शाहरुख अली ने दो-दो गोल किए। भारत ने शुरू से ही मैच पर नियंत्रण बनाए रखा और कजाकिस्तान के शुरुआती दबाव को झेलने के बाद उन्हें अपनी लगन का इनाम मिला।

शाहरुख अली (12) ने सर्कल के अंदर से एक जोरदार गोल करके स्कोर बराबर किया, जिसके ठीक दो मिनट बाद प्रहलाद राजभर (14) ने बढ़त दोगुनी कर दी, जिससे पहले क्वार्टर के आखिर तक भारत ने मैच पर मजबूत पकड़ बना ली। दूसरे क्वार्टर में भी गोल होते रहे। कैप्टन कुशवाहा (18) ने पास से गोल किया, जब भारत ने पिच पर ऊपर से कब्जा किया, जबकि गाजी खान (20) ने थोड़ी देर बाद चौथा गोल करके बढ़त और बढ़ा दी। ब्रेक से पहले भारत ने कोई ढील नहीं दी। शाहरुख (29) ने एक शानदार फिनिश के साथ अपने दो गोल पूरे किए, और पूर्ति (30) ने एक मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जिससे भारत ने हाफ-टाइम तक 6-0 की बड़ी बढ़त बना ली। तीसरा क्वार्टर सबसे अधिक फायदेमंद साबित हुआ, जिसमें भारत के पांच में से चार गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए। बहुता (31, 44) ने दो गोल किए, जबकि पूर्ति ने भी दो गोल किए। क्वार्टर के आखिरी मिनट में, कुशवाहा ने एक पेनल्टी कॉर्नर सहित जल्दी-जल्दी दो गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी की। भारत ने तीसरा क्वार्टर 11-0 की बढ़त के साथ खत्म किया। भारतीय टीम ने आखिरी क्वार्टर में दबाव बनाए रखा और शानदार जीत हासिल की। आकाश दीप (47) ने खुले गोल में गेंद डालकर स्कोरशीट में अपना नाम दर्ज कराया, इससे पहले राजभर ने 51वें मिनट में दिन का अपना दूसरा गोल किया। भारत का अगला मुकाबला 31 मई मेजबान जापान से होगा।

कार्लसन ने गुकेश को हराया, हम्पी, दिव्या, बिबिसारा के मैच ड्रॉ रहे

ओस्लो, वार्ता। नॉर्वे शतरंज 2026 के चौथे राउंड में ओस्लो में एक और रोमांचक दिन देखने को मिला, जिसमें दुनिया के नम्बर 1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन और मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश डोम्माराजू के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबले का निर्णायक नतीजा सामने आया।

काले मोहरों से खेलते हुए, कार्लसन ने एक जटिल खेल में धीरे-धीरे गुकेश को मात दे दी। खेल के अधिकांश समय तक स्थिति संतुलित बनी रही, लेकिन बीच के खेल (मिडगेम) में नॉर्वे के इस सितारे ने अपना मौका भुना लिया। बढ़ते दबाव और समय की कमी के चलते, गुकेश अपनी स्थिति को संभाल नहीं पाए, जिससे कार्लसन को अपनी बढ़त को जीत में बदलने और एक महत्वपूर्ण क्लासिकल जीत हासिल करने का मौका मिल गया। इस जीत से कार्लसन को टूर्नामेंट की अंक तालिका में कीमती अंक मिले हैं, क्योंकि वे अपनी घरेलू धरती पर धीमी शुरुआत से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। ओपन टूर्नामेंट के बाकी दो मैच कड़ी टक्कर के बाद ड्रॉ पर समाप्त हुए। वेस्ली सो और अलीरेजा फिरोजा के बीच एक रणनीतिक मुकाबला हुआ, जिसमें कोई भी खिलाड़ी निर्णायक बढ़त नहीं बना पाया और अंतत: खेल शांतिपूर्ण ढंग से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। बाद में सो ने आर्मागेडन गेम में जीत हासिल की और अतिरिक्त अंक अपने नाम किए। विन्सेंट कीमर और प्रग्नानंद के बीच एक संतुलित मुकाबला हुआ।

सिंधु क्वार्टर फाइनल में हारीं, सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में

- दो बार की ओलंपिक पदक विजेता, सिंधु यह मैच 21.17, 1.14 से हार गईं

सिंगापुर, वार्ता। पीवी सिंधु का सिंगापुर बैडमिंटन ओपन 2026 में अभियान शुक्रवार को समाप्त हो गया जब भारतीय खिलाड़ी महिला एकल क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नम्बर 1 और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन कोरिया गणराज्य की एन से-यंग से हार गईं।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता, सिंधु यह मैच 21-17, 21-14 से हार गईं, जिससे एन से-यंग के खिलाफ उनकी हार का सिलसिला नौ मैचों तक बढ़ गया। 12वीं रैंक वाली सिंधु, इस दौरान सिर्फ एक बार कोरियाई खिलाड़ी से गेम जीत पाईं हैं, वह भी 2023 बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में। सिंधु शुरुआती गेम में 7-7 से बराबर थीं, इससे पहले एन से-यंग, जो इस साल अपने 32 मैचों में से सिर्फ एक हारी हैं, ने पांच पॉइंट की बढ़त बना ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने अंतर को 19-17 तक कम कर दिया, लेकिन कुछ गलतियों की वजह से कोरियाई खिलाड़ी ने गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी यही पैटर्न रहा, जिसमें एन से-यंग ने 6-0 की बढ़त बना ली। सिंधु ने वापसी करते हुए 30 शॉट की कड़ी रैली जीतकर अंतर को 14-12 कर दिया, लेकिन टॉप सीड खिलाड़ी ने 48 मिनट में मैच जीत लिया।

पुरुष डबल्स में भारत के लिए बेहतर खबर थी, जहां सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने मलेशिया के 27वें रैंक वाले जोड़ी एरॉन टैंग पर 19-21, 21-17, 21-13 से वापसी करते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। शुरुआती गेम में देर से पांच अंकों से पिछड़ने और बाद में दूसरे गेम में 8-3 से पिछड़ने के बाद, दुनिया की चौथे नम्बर की भारतीय जोड़ी और एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन जोंघे ने नियंत्रण हासिल करने से पहले निर्णायक स्थिति में पहुंचने के लिए जोरदार वापसी की।

सम्पादकीय

पेपर लीक पर हिदायत

आखिर सुप्रीम कोर्ट ने नीट पेपर लीक मामले में एनटीए से जवाब मांग ही लिया और चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आखिर पेपर लीक कैसे हो गया, क्योंकि यह मामला देश के भविष्य से जुड़ा है। एसजी तुषार मेहता ने बताया कि एनटीए और समिति ने हलफनामे दाखिल किए हैं और सरकार युवाओं के भविष्य को लेकर गंभीर है। पीएम मोदी स्वयं मामले की निगरानी कर रहे हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि अगर ऐसा है तो बहुत दुखद है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट की चिंता जायज है, क्योंकि यह पहली बार नहीं हुआ। इससे पहले भी जनवरी 2024 से लेकर अब तक देश भर में लगभग 65 से 70 प्रमुख प्रतियोगी और भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होने के मामले सामने आ चुके हैं। इन घटनाओं ने लाखों छात्रों के भविष्य को प्रभावित किया है। नीटयूजी 2024 परीक्षा में व्यापक स्तर पर पेपर लीक और धांधाली हुई थी, जिसकी जांच सीबीआई द्वारा की गई। परीक्षा में अनियमितताओं के चलते इसे सरकार द्वारा रद्द कर दिया गया था। यूपी पुलिस सिपाही परीक्षा 2024 में पेपर लीक होने के बाद इस भर्ती परीक्षा को रद्द कर दिया गया था और बाद में दोबारा परीक्षा आयोजित की गई। पेपर लीक की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने जून 2024 में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 लागू किया है। इस नए एंटी-पेपर लीक कानून के तहत दोषियों के लिए 10 साल तक की जेल और 1 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है, लेकिन इस कानून के बाद भी पेपर लीक हो रहे हैं। ऐसा लगता है कि आरोपियों को कानून का कोई भय नहीं है। कानून का भय न होने के कारण युवाओं के भविष्य को बरबाद किया जा रहा है। जब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा, तो कोर्ट ने सरकार और एनटीए पर सख्त टिप्पणी की और कहा कि इस मामले में जवाबदेही तय होनी चाहिए। कोर्ट ने समिति के अध्यक्ष से कहा कि हम आपसे पूछना चाहते हैं कि आप मूल रूप से विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे, कार्यान्वयन की निगरानी कितनी हुई? यह विफलता कैसे हुई? एचपीसी की सिफारिशों के आधार पर आपकी निगरानी के बावजूद यदि यह घटना घटी है, तो सिफारिश में ही कोई समस्या है। या हो सकता है कि निगरानी हुई ही न हो। सुप्रीम कोर्ट ने एसजी मेहता से कहा कि यह बहुत ही संवेदनशील मामला है। आखिर ये कैसे हुआ, हकीकत सामने आनी चाहिए। सुनवाई के दौरान डा. राधाकृष्णन ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि हमने 60 सुझाव दिए थे। पहले 60 में से अधिकतर लागू हो चुके हैं। कुछ अभी भी प्रक्रियाधीन हैं। 2025 में नीटयूजी परीक्षा संतोषजनक ढंग से आयोजित की गई थी। कुछ केंद्रों में बिजली गुल होने की घटनाएं हुईं, अन्यथा सिफारिशों को लागू किया गया और परीक्षा सफल रही। हमने एनटीए को मजबूत करने की सिफारिश की थी।

श्रीमुख से...

गुंडे और बदमाश अपनी औकात में आए

वर्तमान सरकार के कार्यकाल में माफिया, गुंडे और बदमाश अपनी औकात में आ गए हैं तथा प्रदेश छोड़कर भाग चुके हैं, अब किसी में इतनी हिम्मत नहीं है कि बेटियों और व्यापारियों की सुरक्षा में सेंध लगा सके, यदि कोई अपराधी बेटियों और व्यापारियों की सुरक्षा में सेंध लगाने की सोचता भी है, तो उसका इंतजार यमराज करते हैं, पूर्ववर्ती सरकार में नेताओं की स्थिति ऐसी थी कि माफियाओं को देखकर उनके पसीने छूट जाते थे, जबकि आज माफिया प्रदेश से गायब हैं, वर्तमान समय में प्रदेश में रामलीला, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, रक्षाबंधन, होली, दीपावली और दशहरा जैसे सभी पर्व-त्योहार उत्साह और शांति के साथ मनाए जा रहे हैं, अब किसी गुंडे या माफिया में इतनी हिम्मत नहीं है कि वह किसी पर्व या त्योहार में विघ्न डाल सके।

-योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उप्र

अपने विचार रखें...

हम पाठकों के साथ ही वरिष्ठ स्तंभकारों, लेखकों को सम्पादकीय पेज हेतु आलेख अथवा जनमानस से जुड़े मुद्दों पर अपनी राय भेजने के लिए आमंत्रित करते हैं, सम्पादकीय पेज पर प्रकाशित किसी भी लेख से सम्पादक अथवा संस्थान का सहमत होना आवश्यक नहीं है, यह लेखक के अपने निजी विचार होते हैं।

सम्पादकीय डेस्क
पत्राचार: सुजडू चुंगी, मेरठ रोड मुजफ्फरनगर, पिन कोड-251003
Dainikshahtimes@gmail.com

'बहुत तलाश किया, कोई आदमी ना मिला'

प्रो. आर.के. जैन

उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो, बशीर बद्र की यह पंक्ति आज स्वयं एक विदाई का सन्नाटा बनकर गूंज रही है। उर्दू शायरी का वह नर्म, रोशन और संवेदनशील सितारा अब अस्त हो गया है। केवल एक शायर नहीं गया बल्कि एक पूरी भावनात्मक परंपरा मौन हो गई। 28 मई 2026 को भोपाल में लंबी बीमारी के बाद 91 वर्ष की आयु में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कहा, लेकिन उनकी शायरी अब भी सांसों में जीवित है। वे केवल शब्द नहीं रचते थे, बल्कि टूटे हुए दिलों को जोड़ने वाली भावनाओं की पूरी दुनिया बसाते थेकृजहां दर्द भी सुंदर लगता था और उम्मीद भी बहुत करीब। उनका जाना एक खालीपन नहीं, बल्कि एक ऐसी खामोश मौजूदगी है जो हर एहसास में धीरे-धीरे उतरती रहती है।

जब शब्दों की रौशनी खुद इतिहास बन जाए, तो समझिए कोई शायर अमर हो चुका होता है। मशहूर उर्दू शायर और गजलकार पद्म बशीर बद्र का जाना साहित्य जगत के लिए एक ऐसा आघात है जिसने भावनाओं की सबसे नाजुक परत को हिला दिया। वे उन विरले शायरों में थे जिनके शब्द मंच से उतरकर सीधे जीवन की सांसों में बस जाते थे। उनका जाना केवल शरीर का अंत नहीं, बल्कि उस आवाज का ठहर जाना है जिसने सादगी को भी शिखर बना दिया। फिर भी, उनकी गजलें आज भी हर टूटे दिल में जीवित हैं और हर याद में चुपचाप रोशनी बनकर चलती रहती हैं। जहां शब्द जन्म लेते हैं और संवेदना उन्हें आकार देती है, वहीं से एक असाधारण सफर शुरू होता है। 15 फरवरी 1935 को अयोध्या (तब फैजाबाद) में जन्मे बशीर बद्र बचपन से ही शायरी की ओर आकर्षित थे और सात वर्ष की उम्र में ही शेर कहने लगे थे। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से बीए, एमए और पीएचडी के बाद उन्होंने वहीं उर्दू के प्रोफेसर के रूप में कार्य किया, फिर मेरठ कॉलेज में 17 वर्षों तक विभागाध्यक्ष रहे। फारसी, हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी पर उनकी गहरी पकड़ ने उनकी शायरी को समृद्ध और बहुआयामी बनाया। उनका जीवन ज्ञान और भावना का ऐसा संगम रहा जिसने उन्हें एक विशिष्ट पहचान दी। जब जीवन की सबसे गहरी आग इंसान के भीतर उतर जाए, तो शब्द भी राख से जन्म लेते हैं। 1987 के मेरठ दंगों ने बशीर बद्र को भीतर तक तोड़ दियाकृउनका घर, यादें और अनमोल अनप्रकाशित रचनाएं सब कुछ जलकर राख हो गया। इस त्रासदी ने उन्हें लंबे समय तक लेखन से दूर कर दिया, और उनका जीवन गहरे खालीपन में डूब गया, लेकिन भोपाल में डॉ. राहत बद्र के साथ नए सिरे से मिली जीवन-धारा ने उन्हें फिर से शब्दों की ओर लौटा दिया। उसी पीड़ा से निकली उनकी अमर पंक्ति लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में आज भी मानवीय संवेदना की सबसे तीखी और सजीव अभिव्यक्ति मानी जाती है। शब्दों को सजाने के बजाय उन्हें जीने की कला बशीर बद्र की शायरी की सबसे बड़ी पहचान थी। उन्होंने जटिल अलंकारों की जगह जीवन की सीधी, सरल भाषा को अपनाया और उसी में गहराई भर दी। प्रेम, विरह, अकेलापन और सामाजिक यथार्थ उनकी गजलों में सहजता से उतरते थे। उनकी प्रमुख कृतियां 'इकाई', 'इमेज', 'आमद', 'आहट', 'आस' और 'कुल्लियात-ए-बशीर बद्र' आधुनिक उर्दू साहित्य की अमूल्य धरोहर बन गईं।'आस' के लिए उन्हें 1999 में साहित्य अकादमी पुरस्कार और उसी वर्ष पद्म से सम्मान मिला। साथ ही उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी से चार बार, बिहार उर्दू अकादमी से एक बार तथा 1980 में न्यूयॉर्क के 'पोएट ऑफ द ईयर' सम्मान ने उनकी वैश्विक पहचान को और मजबूत किया। कुछ पंक्तियां समय को भी पीछे छोड़ देती हैं और स्मृतियों में हमेशा के लिए बस जाती हैं ऐसी ही शायरी बशीर बद्र की पहचान है। उनकी मशहूर पंक्तियां उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो और दुश्मनी जम कर करो लेकिन यह गुंजाइश रहे आज भी लोगों की जुबान पर जीवित हैं, जो रिश्तों और भावनाओं को एक नई दृष्टि देती हैं। उनके 18,000 से अधिक शेर और असंख्य गजलें फिल्मों, रेडियो और मुशायरों में लगातार गूंजती रही हैं। उनकी शायरी ने उर्दू गजल को आम इंसान की भाषा बना दिया, जहां हर व्यक्ति अपने दर्द और अपनी पहचान को महसूस कर सकता है। जब यादें साथ छोड़ने लगती हैं, तब भी शब्द अपनी रोशनी नहीं खोते बशीर बद्र के जीवन का अंतिम चरण इसका साक्षात प्रमाण रहा। डिमेंशिया ने धीरे-धीरे उनकी स्मृतियों पर धुंध छा दी, लेकिन उनकी पत्नी डॉ. राहत बद्र उनकी रचनाएं सुनाकर उन्हें फिर से जीवित करती रहीं। पुत्र नुसरत बद्र के निधन का गहरा आघात भी उन्होंने सहा, जो स्वयं फिल्मी गीतों की दुनिया में प्रतिष्ठित थे। इसके बावजूद, अंतिम वर्षों तक वे मुशायरों के सुल्तान बने रहे, जहां उनकी उपस्थिति ही मंच को जीवंत कर देती थी। स्मृतियां भले कमजोर पड़ती रहीं,

लेकिन उनके शब्दों की चमक अंत तक अडिग रही एक ऐसा जीवन, जो संघर्ष, प्रेम और साहित्य की अविस्मरणीय यात्रा बन गया। विदा तो शरीर ने ली है, पर उनकी आवाज अभी भी दिलों में चलती है। बशीर बद्र अब इस संसार में नहीं हैं, फिर भी उनकी शायरी हर उस जगह मौजूद है जहां दर्द है, प्रेम है या टूटी हुई उम्मीदों की हल्की सी रोशनी। वे केवल शायर नहीं थे, बल्कि भावनाओं को शब्द देने वाला एक पूरा युग थे। उनकी विरासत बताती है कि साहित्य केवल पढ़ा नहीं जाता, उसे महसूस किया और जिया जाता है। उनकी गजलें समय की सीमाओं को पार कर आज भी लोगों को जोड़ती हैं, और यही साबित करती हैं कि सच्ची रचना कभी मरती नहीं।

रूप बदलती पत्रकारिता और उसकी चुनौती

आर.पी. तोमर

कड़वी सच्चाई है कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पहचाने जाने वाली पत्रकारिता का स्वरूप आज एक मिशन से बदलकर पूरी तरह से व्यावसायिक और तकनीकी-उन्मुख हो गया है। इंटरनेट, स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के प्रसार ने मुद्रित और दृश्य-श्रव्य माध्यमों को डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर एकीकृत कर दिया है, जिससे पत्रकारिता अधिक तात्कालिक, बहुआयामी और डेटा-संचालित हो गई है। पत्रकारिता आज प्रिंट से डिजिटल और सोशल मीडिया की ओर मुड़ गई है। समाचार अब केवल सुबह के अखबारों तक सीमित नहीं हैं। ट्विटर, एक्स और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सबसे पहले खबरें पहुंचाने का मुख्य माध्यम बन गए हैं। इसके अलावा, यू ट्यूब और विभिन्न पॉडकास्ट ने दृश्य-श्रव्य पत्रकारिता का लोकतंत्रीकरण कर दिया है। स्मार्टफोन की उपलब्धता और इंटरनेट की पहुंच ने आम नागरिकों को भी पत्रकार बना दिया है। आज कोई भी व्यक्ति किसी घटना का सीधा वीडियो या फोटो सोशल मीडिया के माध्यम से दुनिया के सामने ला सकता है, जिससे पारंपरिक मीडिया की एकाधिकार वाली भूमिका कम हुई है। अब खबरों को केवल शब्दों में नहीं, बल्कि डाटा रेपर या टैब्लेऔ जैसे टूल्स के माध्यम से इन्फोग्राफिक्स, चार्ट और इंटरैक्टिव डेटा के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। डिजिटल युग में क्लिकबेट, सनसनीखेज हेडलाइंस और फर्जी खबरों का चलन बढ़ा है। त्वरित समाचार देने की होड़ में कई बार तथ्यों के सत्यापन में कमी आती है। पारंपरिक पत्रकारिता वन-वे (एकतरफा) थी, लेकिन डिजिटल पत्रकारिता टू-वे (दोतरफा) हो गई है। वहीं आज अधिकांश मीडिया चेनलों व प्लेटफार्म पर पत्रकार की जगह एमबीए पास सेल्समैन को प्राथमिकता दी जाने लगी है। चाटुकारिता ने भी पत्रकारिता का स्वरूप बदल दिया है। कुल मिलाकर, पत्रकारिता ने अपनी गति और पहुंच में विस्तार तो किया है, लेकिन पत्रकारिता में गिरावट भी आई है। इसके साथ ही विश्वसनीयता बनाए रखना और व्यावसायिक दबावों से बचना आज के पत्रकारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

देश जानता है कि भारत में हिन्दी पत्रकारिता की न केवल आजादी के संघर्ष में बल्कि उससे पूर्व के गुलामी की बेड़ियों में जकड़े राष्ट्र की संकटपूर्ण स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका रही है, आज के नए भारत में यह भूमिका और भी अधिक अहम हो जाती है, क्योंकि तब से आज तक समाज की आवाज उठाने, सत्ता से सवाल पूछने और जनभावनाओं को मंच देने में इसका योगदान अविस्मरणीय रहा है। हिंदी पत्रकारिता या स्थानीय पत्रकारिता, लोगों को उनकी भाषा में जानकारी उन तक पहुंचाता है और देश भर में ज्ञान के व्यापक प्रसार को सुगम बनाता है। भारत में हर साल हम 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाते है। विदित है कि दो शताब्दी पूर्व ब्रिटिशकालीन भारत में जब तत्कालीन हिन्दुस्तान में दूर- दूर तक मात्र अंग्रेजी, फारसी, उर्दू एवं बांग्ला भाषा में अखबार छपते थे, तब देश की राजधानी कलकत्ता से हिन्दी भाषा में 'उदन्त मार्तण्ड' के नाम से पहला हिन्दी समाचार पत्र वर्ष 1826 को छपा था। पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने इसे साप्ताहिक के तौर पर शुरू किया था।

जो कुछ समय बाद ही बंद हो गया था, लेकिन इसने हिंदी पत्रकारिता के सूर्य को उदित कर दिया था जो आज भी देदीप्यमान है। आज जब हिन्दी देश एवं दुनिया में सर्वाधिक बोली एवं प्रयोग की जाने वाली तीसरी भाषा बन चुकी है, ऐसे में सहज ही हिन्दी पत्रकारिता का मूल्य बढ़ा है। निस्संदेह, सजग, सतर्क और निर्भीक हिन्दी पत्रकार एवं पत्रकारिता एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाकर सत्ताधीशों को राह ही दिखाता है। अकबर इलाहाबादी ने सटीक ही कहा था कि 'न खींचो कमान, न तलवार निकालो, जब तोप हो मुकाबिल तब अखबार निकालो।' उन्होंने इन पंक्तियों के जरिए हिन्दी पत्रकारिता को तोप और तलवार से भी शक्तिशाली बता कर इनके इस्तेमाल की बात कह दी थी, लेकिन आज खबरनवीसों की कलम को तोड़ने, उन्हें कमजोर करने एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निस्तेज करने के लिए स्वार्थी ताकतें सत्ता, तलवार और तोप का इस्तेमाल कर रही हैं। परंतु आज भी सच्चे व निष्पक्ष पत्रकारों की वजह से बड़े-बड़े राजनेता, उद्योगपतियों और सितारों को अर्श से फर्श पर आना पड़ा है, ऐसे पत्रकारों की बदौलत ही लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का मान बचा हुआ है। मिशन से व्यवसाय बनती हिन्दी पत्रकारिता आज कई संकटों का सामना कर रही हैं- संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, साम्प्रदायिकता एवं अंधधार्मिकता, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक- आर्थिक असमानताएं, पर्यावरणीय संकट और लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियां आदि जटिलतर स्थितियों के बीच हिन्दी पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

लोकतंत्र, कानून के शासन और मानवाधिकारों को आधार देने वाली संस्थाओं पर गंभीर प्रभाव के कारण ही यह भूमिका महत्वपूर्ण है। बावजूद इसके हिन्दी पत्रकारिता की स्वतंत्रता, पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगातार हमले हो रहे हैं। सत्ता विरोधी यानी सच्चाई लिखने वाले पत्रकारों का उत्पीड़न आम हो गया है। ऐसा करने वाले मीडिया को भी सत्ता के दलाल खरीद लेते हैं।

त्याग, तप और राष्ट्रभक्ति के युगपुरुष महंत अवैद्यनाथ

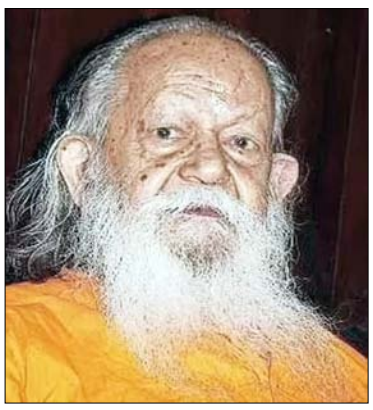

प्रणम्य है नाथ परंपरा के वे संत जिन्होंने हठयोग की परंपरा को संरक्षित करने के साथ उसे सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में विस्तारित करके धर्म, सेवा, त्याग और राष्ट्रवाद के अद्भुत समन्वय के रूप में समाज के सम्मुख प्रस्तुत किया जो भारत के उत्तर में हिम किरीट के रूप में अवस्थित ऋषियों, मुनियों व संतो की तपोस्थली और देवभूमि नाम से विख्यात उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के कांडी गांव में 28 मई 1921 को राय सिंह बिष्ट के पुत्र रूप में अवतरित हुए जिनका कृपाल सिंह बिष्ट के रूप में सांसारिक नामकरण हुआ किन्तु गोरखनाथ मठ के तत्कालीन पीठाधीश्वर महंत दिग्विजय नाथ से दीक्षा प्राप्त कर जो विश्व में महंत अवैद्यनाथ के नाम से प्रख्यात हुए। मेरी स्वरचित ए पंक्तियां -भयानक तूफान तबाही के निशान छोड़ जाते हैं। युग पुरुष अपने कर्मों से अपनी पहचान छोड़ जाते हैं। जग में अमर होता है नाम उन्हीं का, अच्छाइयों के जग में जो प्रतिमान छोड़ जाते हैं। बरबस मेरा ध्यान युग पुरुष महंत अवैद्यनाथ की ओर आकर्षित करती हैं जिन्होंने मठ की परंपराओं का निर्वहन करने के साथ समाज में नए प्रतिमान गढ़ने का कार्य किया जिसके कारण उनके अवतरणदिवस पर हम उनके उल्लेखनीय ऐतिहासिक कार्यों को स्मरण करने के साथ उनको नमन कर रहे हैं।1969 में गुरुदेव के ब्रह्मलीन होने पर आप गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर बने। आपने गोरखनाथ मठ को एक आध्यात्मिक केंद्र से सामाजिक सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया। इस हेतु आपने मठ का भव्य विस्तार, आधुनिक निर्माण और मठ को सुविधाओं से संपन्न कराया ।आपने अखंड अन्न क्षेत्र की प्राचीन परंपरा को मजबूती प्रदान करने के साथ छुआछूत का विरोध करते हुए मठ में सभी वर्गों के लिए भंडारा खोला जिसमें हजारों भक्त, दर्शनार्थी और असहाय व्यक्ति प्रतिदिन बिना भेदभाव के मध्यान्ह और सांयकाल प्रसाद ग्रहण करते हैं। यह भंडारा, अन्नदान के साथ नाथ परंपरा की समानता और सेवा भावना को उद्घाटित करता है। साथ ही उन्होंने जाति-पाति से ऊपर उठने हेतु संतों को प्रेरित किया। शिक्षा के क्षेत्र में आपका योगदान अतुलनीय है। गुरु दिग्विजय नाथ द्वारा शुरू की गई शैक्षिक परियोजनाओं को आपने विस्तार दिया। आपने गोरखपुर तथा आसपास के क्षेत्र में स्कूल, कॉलेज और छात्रावासों की स्थापना की ताकि गरीब और ग्रामीण बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके। संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा दिया तथा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के माध्यम से अनेक स्कूल -कॉलेजों का संचालन किया। गोरखपुर में उनके नाम पर अवैद्यनाथ सरकारी डिग्री कॉलेज की स्थापना भी की गई है। लोक कल्याण में स्वास्थ्य सेवाओं का स्थान सर्वोपरि है। इस भावना के दृष्टिगत आपने मठ में अस्पताल, आयुर्वैदिक केंद्र और अन्य स्वास्थ्य सेवाएं विकसित की और ग्रामीण अंचल में नि:शुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया ताकि गरीब और आम जनता को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्राप्त हो सकें। आयुर्वेद, योग और आधुनिक चिकित्सा का समन्वय आपके स्वास्थ्य-कार्यक्रमों की विशेषता थी। मठ के अस्पतालों से पूर्वांचल के लाखों लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त हुआ। इसके साथ ही आपने मठ के माध्यम से पूर्वी उत्तर प्रदेश में नक्सलवाद, अपराध और भ्रष्टाचार के विरुद्ध सामाजिक जागृति फैलाने का महती कार्य किया। 1966 के गौ हत्या विरोधी आंदोलन में आपने सक्रिय भूमिका का निर्माण किया तथा निरंतर गौ रक्षा अभियान के लिए प्रयास किए। मठ में गौशालाएं चलाई गई जहां साइक्लोन गायों की देखभाल होती है। महंत अवैद्यनाथ का सबसे बड़ा व अविस्मरणीय योगदान राम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति की 1984 में स्थापना है जिसके परिणाम स्वरूप महंत अवैद्यनाथ जी ने नाथ परंपरा को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से जोड़कर एक नया आयाम दिया। इस समिति के वे प्रथम अध्यक्ष रहे और उन्होंने हिंदू संगठन और संतों को एक मंच पर लाकर राम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन को एक नई दिशा प्रदान की। इस हेतु उन्होंने सितंबर 1984 में बिहार के सीतामढ़ी से अयोध्या तक धार्मिक यात्रा का आयोजन किया जिसमें हिंदू राष्ट्रवादी नारे गूंजायमान हुए। साथ ही आपने पूरे देश में व्याख्यान देकर लोगों का आवाहन किया की वे केवल उन्हीं पार्टियों को वोट दें व समर्थन करें जो राम मंदिर निर्माण कराने का वादा करें। आपके प्रयासों तथा 1985 में उडुपी सम्मेलन में संतों की मांग के फल स्वरूप 1 फरवरी 1986 को अयोध्या विवादित ढांचे के ताले खोलने का आदेश फैजाबाद जिला न्यायालय द्वारा निर्गत किया गया। 6 दिसंबर 1992 को विवादित ढांचा गिरने के बाद संसद में आपने मजबूती से हिंदुओं व मन्दिर के समर्थन में तथ्यों सहित अपनी बातों को प्रस्तुत किया। आपके प्रयासों से यह आंदोलन एक जन आंदोलन बना। महंत अवैद्यनाथ ने राजनीति की उपादेयता को समझ कर उसे सेवा भावना के रूप में अपनाया और वे मानीराम विधानसभा क्षेत्र से 1962, 1967 ,1969 और 1972 में 5 बार विधायक निर्वाचित हुए। साथ ही गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र से 1970 में स्वतंत्र पार्टी ,1989 में हिंदू महासभा और 1991 व 1996 में भाजपा से चार बार सांसद रहे। वे राजनीति में हिंदुत्व, राष्ट्रवाद और सामाजिक न्याय के पक्षधर थे। उन्होंने वाराणसी में डोम राजा के यहां भोजन कर सामाजिक बंधनों को तोड़ने का संदेश दिया। यह घटना आज भी समाज में सामाजिक समरसता के रूप में याद की जाती है।

-डॉ. चंद्र प्रकाश शर्मा

कर्नाटक। चिक्कमगलुरु जिले में खेत में गेंदे के फूलों की कटाई करती महिला मजदूर।

पीयूष गोयल ने न्यूयॉर्क में प्रमुख निवेशकों, उद्यमियों के साथ की बैठक

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल न्यूयॉर्क प्रवास के दौरान कई उच्च स्तरीय व्यापार और निवेश संबंधी बैठकों में शामिल हुए जिनका मुख्य उद्देश्य भारत-अमेरिका व्यापार और निवेश संबंध को मजबूत करना था। वाणिज्य मंत्रालय की शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार गोयल कनाडा की अपनी तीन दिन की यात्रा समाप्त कर 28 मई को न्यूयार्क पहुंचे। गोयल ने न्यूयार्क प्रवास के दौरान कार्लाइल ग्रुप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हार्वे श्वाट्र्ज, मॉर्गन स्टेनली के अध्यक्ष एवं सीईओ टेड पिक, वारबर्ग पिक्स के अध्यक्ष चार्ल्स केय, एमनील फार्मास्यूटिकल्स के सह-संस्थापक एवं सीईओ चिंटू पटेल तथा मास्टरकार्ड के सीईओ माइकल मीबाक के साथ अलग-अलग बैठकें कीं।

भारत ने 2026 की अध्यक्षता के तहत ब्रिक्स MSME सहयोग बढ़ाया

नई दिल्ली। नई औद्योगिक क्रांति के लिए ब्रिक्स साझेदारी (पार्टएनआईआर) के तहत एसएमई कार्य समूह का नेतृत्व केन्द्र सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय कर रहा है। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 2026 के तहत मंत्रालय तीन एसएमई कार्य समूह की बैठकों और पहले ब्रिक्स एमएसएमई फोरम का आयोजन करेगा, जो एमएसएमई के लिए वित्त तक पहुंच, प्रौद्योगिकी तक पहुंच और स्थिरता-उन्मुख विकास जैसे तीन प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर केंद्रित होंगे। चौबीस अप्रैल को आयोजित प्रथम एसएमई कार्य समूह की बैठक के बाद एमएसएमई मंत्रालय ने 26 मई को ब्रिक्स पार्टएनआईआर ट्रैक के तहत 'एमएसएमई के लिए प्रौद्योगिकी तक पहुंच बढ़ाना' विषय पर द्वितीय एसएमई कार्य समूह की बैठक सफलतापूर्वक आयोजित की।

अमेरिका में 250 डॉलर के नोट पर ट्रम्प की तस्वीर

150 साल पुराना नियम बदलने की तैयारी, संसद की मंजूरी बाकी

वाशिंगटन। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प की तस्वीर वाले 250 डॉलर के नोट को जारी करने की तैयारी शुरू हो गई है। ट्रम्प सरकार का कहना है कि अगर कांग्रेस (संसद) कानून बदल देती है, तो नया नोट छापने का रास्ता साफ हो जाएगा।

अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्काट बेसेंट ने बताया कि अभी अमेरिका में एक नियम है, जिसके तहत किसी जीवित व्यक्ति की तस्वीर नोट पर नहीं छापी जा सकती। इसी नियम में बदलाव की कोशिश चल रही है, अगर प्रस्ताव पास हो जाता है, तो ट्रम्प अमेरिकी नोट पर छपने वाले 150 साल से ज्यादा समय बाद पहले जीवित व्यक्ति होंगे। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्काट बेसेंट ने व्हाइट हाउस ब्रीफिंग में ट्रम्प की तस्वीर वाले नोट को जारी करने की जानकारी दी। बेसेंट ने बताया कि 2026 में अमेरिका अपनी स्थापना के 250 साल पूरे करेगा। ऐसे मौके पर उस समय के राष्ट्रपति की तस्वीर वाला स्मारक नोट जारी करने में कुछ गलत नहीं है। हालांकि फिलहाल यह सिर्फ प्रस्ताव है और इसे लागू करने के लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी होगी। वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प प्रशासन ने अमेरिकी करेंसी छापने वाली एजेंसी ब्यूरो आफ इंग्रेविंग एंड प्रिंटिंग (बीईपी) को नए नोट का डिजाइन तैयार करने के निर्देश दिए हैं। प्रस्तावित डिजाइन में ट्रम्प की तस्वीर नोट के बीच में रखी गई है। ट्रम्प की तस्वीर वाले 250 डॉलर के नोट का प्रस्ताव पिछले साल साउथ कैरोलिना के रिपब्लिकन सांसद जो विल्सन ने पेश किया था। फरवरी 2025 में इस बिल को हाउस फाइनेंशियल सर्विसेज कमेटी के पास भेजा गया था। अब इसे कानून बनने के लिए हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव और सीनेट दोनों से मंजूरी लेनी होगी। इससे पहले मार्च में अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने घोषणा की थी कि अमेरिकी नोटों पर ट्रम्प के हस्ताक्षर भी जोड़े जाएंगे। इसे अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ समारोह से जोड़कर देखा जा रहा है। ट्रेजरी विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी करेंसी छापने वाली एजेंसी ब्यूरो आफ इंग्रेविंग एंड प्रिंटिंग (बीईपी) इस प्रस्ताव को लेकर शुरुआती तैयारी और जांच कर रही है। विभाग का कहना है कि अगर कानून पास हो जाता है, तो अमेरिका को 250वीं वर्षगांठ के मौके पर ट्रम्प की उपलब्धियों को सम्मान देने के लिए यह नोट जारी किया जाएगा।

■ अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्काट बेसेंट ने व्हाइट हाउस ब्रीफिंग में ट्रम्प की तस्वीर वाले नोट को जारी करने की जानकारी दी

होर्मुज में एक बार फिर बढ़ा तनाव

ईरान ने चार जहाजों पर दागीं मिसाइलें, बुशहर में अमेरिकी विमान गिराने का भी किया दावा

■ फिलहाल इन जहाजों की पहचान और उनकी मंजिल का खुलासा नहीं किया गया है लेकिन कुछ रिपोर्ट्स में इनके संबंध अमेरिका से होने का दावा किया गया

तेहरान। पश्चिम एशिया में स्थिति एक बार फिर बेहद संवेदनशील हो गई है। होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी सुरक्षा बलों ने समन्वय की कमी का हवाला देते हुए चार अज्ञात जहाजों पर चेतावनी मिसाइलें दागी हैं। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब हालिया सैन्य हमलों के कारण अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। ईरानी राज्य प्रसारक आईआरआईबी की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब 12.35 बजे हुई।

चार अज्ञात जहाजों ने ईरानी सुरक्षा बलों को सूचित किए बिना फारस की खाड़ी में प्रवेश करने का प्रयास किया। जब इन जहाजों ने चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया, तो ईरानी बलों ने उन पर चेतावनी शाट दागे, जिसके बाद जहाजों को वापस लौटने पर मजबूर होना पड़ा। ईरान समर्थक मीडिया का दावा है कि इन जहाजों ने तय समुद्री प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया था। फिलहाल इन जहाजों की पहचान और उनकी मंजिल का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन कुछ रिपोर्ट्स में इनके संबंध अमेरिका से होने का दावा किया गया है। इस घटना के तुरंत बाद, शुक्रवार तड़के ईरानी सरकारी टेलीविजन ने दावा किया कि ईरान की वायु रक्षा प्रणाली ने तटीय बुशहर प्रांत के जाम क्षेत्र में एक अमेरिकी विमान को मार गिराया है। तस्नीम समाचार एजेंसी ने जाम काउंटी के गवर्नर मसूद तंगेस्तानी के हवाले से इस बात की पुष्टि की। हालांकि, समाचार एजेंसी रायटर्स के मुताबिक, अमेरिका ने ईरानी दावे को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। पिछले चार दिनों में दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव काफी तेज हुआ है। इस सैन्य तनाव के बीच, अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने ईरान के सैन्य अभियानों को मिलने वाले फंड को रोकने के लिए उसके तेल शिपिंग नेटवर्क पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। इसके तहत आठ तेल टैंकरों को ब्लैकलिस्ट किया गया है, जिनमें मार्शल द्वीप समूह का फ्लोरा, कोमोरोस का हौंकायो और पनामा का इल्ल गैप शामिल हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्काट बेसेंट ने कहा कि इसका उद्देश्य ईरान को सेना के पुनर्गठन के लिए तेल राजस्व जुटाने से रोकना है। यह पूरी कार्रवाई उस समय हुई है जब दोनों पक्ष 60 दिनों के युद्धविराम विस्तार और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के एक समझौते पर सहमत हो चुके थे। हालांकि, इस समझौते को अभी तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के सर्वोच्च नेता मोजताबा खामेनेई की अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है।

अमेरिका-ईरान एक समझौता पत्र पर सहमत दोनों ओर से मंजूरी अभी बाकी

वाशिंगटन। अमेरिका-ईरान के वार्ताकारों के बीच एक समझौता पत्र (एमओयू) पर सहमति बन गई है। रिपोर्टों के अनुसार, लेकिन दोनों ओर से अभी अंतिम सहमति मिलनी बाकी है। चैनल 12 की रिपोर्ट के अनुसार, ह्वाइट हाउस ने इस बात की पुष्टि की है कि इस समझौते से मौजूदा युद्धविराम 60 दिन के लिए और बढ़ जाएगा। इस दौरान दोनों पक्ष ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाने को लेकर बातचीत करेंगे। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को अभी एमओयू पर हस्ताक्षर करने बाकी है। रिपोर्ट में एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि ट्रम्प एमओयू को मंजूरी देने से पहले इस पर विचार करने के लिए कुछ दिनों का समय चाहते है। मध्यस्थता प्रक्रिया में शामिल देशों में से एक के राजनयिक ने 'द टाइम्स ऑफ इजरायल' को बताया कि चैनल 12 की रिपोर्ट में बातचीत की स्थिति को गलत तरीके से पेश किया गया है और अभी ईरान की तरफ से भी अंतिम मंजूरी मिलनी बाकी है। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने तेहरान की वार्ताकार टीम के करीबी सूत्र के हवाले से इस बात से इनकार किया है कि ईरान की तरफ इसे अंतिम मंजूरी मिली है। सूत्र ने दावा किया है कि समझौते के मसौदे को अभी अंतिम रूप दिया जा रहा है और मंजूरी मिलने की स्थिति में ईरान इसकी सार्वजनिक रूप से घोषणा करेगा।

गाजा पट्टी में आईडीएफ ने हमास के उप कमांडर हुसैन स्लिम को मार गिराया

यरुशलम। इजरायल के रक्षा बलों (आईडीएफ) और शिन बेट ने उत्तरी गाजा पट्टी में आतंकवादी संगठन हमास की सैन्य शाखा में गाजा सिटी ब्रिगेड के उप-कमांडर इमाद हसन हुसैन स्लिम को मार गिराया है। आईडीएफ ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर बताया कि आईडीएफ और शिन बेट बलों ने दो दिन पहले (बुधवार को) आतंकवादी इमाद हसन हुसैन स्लिम को निशाना बनाकर मार गिराया था। वह गाजा सिटी ब्रिगेड का उप-कमांडर और संगठन की सैन्य शाखा में 'ऑलिव बटालियन' का कमांडर था। हुसैन स्लिम ने सात अक्टूबर 2023 को हुएए हमले हमले की कमान संभाली थी। आईडीएफ के अनुसार इस आतंकवादी ने हाल के वर्षों में और विशेष रूप से पिछले कुछ समय में गाजा पट्टी में आईडीएफ के जवानों के खिलाफ कई आतंकवादी साजिशें रची थी। इसलिए इसे एक बड़ा खतरा माना जा रहा था। आईडीएफ ने बताया है कि जिस ठिकाने पर हमला किया गया, वहां आतंकवादी संगठन हमास का एक और कमांडर भी मौजूद था।

ममदानी ने ईरान जंग का किया विरोध

वाशिंगटन। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने ईरान जंग का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह युद्ध अब खत्म होना चाहिए, क्योंकि इसकी सबसे बड़ी कीमत आम लोग चुका रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए ममदानी ने कहा कि आज से तीन महीने पहले एक ऐसा युद्ध शुरू हुआ था, जिसके लिए किसी ने वोट नहीं किया था।

लेकिन इसकी कीमत उन लोगों ने चुकाई, जिनकी इसमें कोई आवाज नहीं थी। उन्होंने कहा कि इस युद्ध में हजारों नागरिकों की जान जा चुकी है। साथ ही 13 अमेरिकी सैनिक भी मारे गए, जो अब कभी अपने परिवारों के पास वापस नहीं लौट पाएंगे। ममदानी ने कहा कि इस युद्ध का असर सिर्फ युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि अमेरिका के आम लोगों पर भी पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और खाने-पीने की चीजों की कीमतें बढ़ गई हैं, जिससे मिडिल और वर्किंग क्लासस के परिवारों का बजट बिगड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह संघर्ष अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस की मंजूरी के बिना शुरू किया गया। ममदानी ने कहा, विदेश में जाने वाली हर जान और अमेरिका में आम परिवारों पर पड़ने वाला हर आर्थिक बोझ, एक ही लापरवाह फैसले की कीमत है।

■ न्यूयॉर्क मेयर ने कहा: इसमें हजारों जान गईं, लोग एक लापरवाह फैसले की कीमत चुका रहे
■ यह संघर्ष अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस की मंजूरी के बिना शुरू किया गया

संक्षिप्त समाचार

रूस ने यूक्रेन के 208 ड्रोन को मार गिराया

मॉस्को। रूस की वायु रक्षा प्रणालियों ने गुरुवार रातभर यूक्रेन के 208 ड्रोन को मार गिराया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि मॉस्को समयानुसार कल रात आठ बजे से आज सुबह सात बजे तक ड्यूटी पर तैनात वायु रक्षा प्रणालियों ने यूक्रेन के 208 फिक्स्ड-विंग मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) को हवा में ही नष्ट कर दिया।

नोरबू नेगी सिएरा लियोन में भारत के उच्चायुक्त नियुक्त

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी नोरबू नेगी को पश्चिम अफ्रीकी देश सिएरा लियोन में भारत का अगला उच्चायुक्त नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि भारतीय विदेश सेवा के 2009 बैच के अधिकारी नेगी अभी पेरिस स्थित यूनेस्को कार्यालय में भारत के स्थाई प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा है कि नेगी के शीघ्र ही कार्यभार संभालने की संभावना है।

आतंकी हमले की साजिश रचने वाले को 15 साल की सजा

मॉस्को। ऑस्ट्रिया की एक अदालत ने अमेरिकी गायिका टेलर स्विफ्ट के वियना स्थित कॉन्सर्ट में आतंकी हमले की साजिश रचने के आरोपी इस्लामिक स्टेट आतंकी समूह (आईएस, आईएसआईएस, रूस में प्रतिबंधित) के 21 वर्षीय सदस्य को 15 साल की जेल की सजा सुनाई है।

फ्लोरिडा लॉन्च पैड पर फटा जेफ बेजोस का 'न्यू ग्लेन' रॉकेट

वाशिंगटन। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस की अंतरिक्ष कंपनी 'ब्लू ओरिजिन' को फ्लोरिडा में बड़े परीक्षण के दौरान भारी झटका लगा है। कंपनी का 'न्यू ग्लेन' रॉकेट ग्राउंड टेस्ट के दौरान लॉन्च पैड पर ही भयानक विस्फोट के साथ आग के विशाल गोले में तब्दील हो गया। यह घटना गुरुवार रात फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन के लॉन्च कॉम्प्लेक्स-36 पर हुई।

न्यू ग्लेन रॉकेट का 'हॉट-फायर' टेस्ट चल रहा था, जिसमें रॉकेट को उड़ान भरने से रोकने के लिए लॉन्च पैड पर ही मजबूती से जकड़कर रखा जाता है और जमीन पर ही उसके इंजनों को पूरी क्षमता से चालू कर परखा जाता है। जैसे ही इसके मीथेन-ईंधन वाले इंजनों को चालू किया गया, रॉकेट के बूस्टर स्टेज में कुछ तकनीकी खराबी आई और देखते ही देखते पूरा रॉकेट भीषण विस्फोट के साथ फट गया। एयरोस्पेस न्यूज ऑर्गनाइजेशन के लाइवस्ट्रीम वीडियो में साफ देखा गया कि विस्फोट इतना जबरदस्त था कि आसमान में दूर तक धुएं का गुबार छा गया। इस धमाके की गूंज इतनी तेज थी कि केप कैनावेरल और कोको बीच के आस-पास के घर तक हिल गए। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई भी कर्मचारी हताहत नहीं हुआ है। ब्लू ओरिजिन और जेफ बेजोस ने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी पुष्टि की। जेफ बेजोस ने लिखा कि सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं और उनका पता लगा लिया गया है। यह बहुत कठिन दिन था, लेकिन जो कुछ भी दोबारा बनाने की जरूरत होगी, हम उसे बनाएंगे और फिर से उड़ान भरेंगे। विस्फोट के कारण हालांकि लॉन्च पैड और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है, लेकिन जून में लॉन्च होने वाले अमेजन के 'प्रोजेक्ट कुइपर' के 48 ब्रॉडबैंड सैटेलाइट पूरी तरह सुरक्षित बच गए, क्योंकि उन्हें अभी रॉकेट के ऊपर फिट नहीं किया गया था। फिर भी यह विफलता ब्लू ओरिजिन के कमर्शियल शेड्यूल और नासा के आगामी 'आर्टेमिस' मून मिशन के लिए बड़े विलंब का कारण बन सकती है।

■ यह घटना गुरुवार रात फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन के लॉन्च कॉम्प्लेक्स-36 पर हुई

गुलामों को चल संपत्ति मानने वाले कानून को फ्रांस के निचले सदन ने किया रद्द

फ्रांस ने करीब 170 साल पहले गुलामी प्रथा को कर दिया था खत्म

पेरिस। फ्रांस की संसद के निचले सदन ने एक ऐतिहासिक फैसले में सर्वसम्मति से उस क्रूर कानून (कोड नोयर) को पूरी तरह रद्द कर दिया है, जो सदियों से फ्रांस के उपनिवेशों में दासों पर लागू था।

लुई चौदहवें के जमाने (1685) के इस कानून के तहत गुलामों को इंसानों के बजाय 'चल संपत्ति' माना जाता था और उनके साथ मारपीट, शोषण, खरीद-बिक्री और हत्या तक की छूट मिली हुई थी। फ्रांस ने करीब 170 साल पहले गुलामी प्रथा को खत्म कर दिया था और साल 2001 में इसे 'मानवता के खिलाफ अपराध' भी घोषित किया था। इसके बावजूद, गुलामों की कानूनी स्थिति तय करने वाले इन पुराने शाही कानूनों को कभी आधिकारिक तौर पर पूरी तरह निरस्त नहीं किया गया था। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने भी पिछले हफ्ते इस काले कानून को हटाने का पुरजोर समर्थन किया था। (नेशनल एसेंबली) निचले सदन की हरी झंडी के बाद अब यह विधेयक अंतिम मंजूरी के लिए सीनेट में जाएगा। ऐतिहासिक आंकड़ों के मुताबिक, ब्रिटेन और पुर्तगालियों के बाद फ्रांसीसी लोग यूरोप में गुलामों के तीसरे सबसे बड़े व्यापारी थे। 17वीं से 19वीं शताब्दी के बीच फ्रांसीसी जहाजों के जरिए अफ्रीका से 10 लाख से अधिक पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को जबरन ले जाकर कैरेबियाई देशों के बागानों में गुलामी की बेड़ियों में जकड़ दिया गया था। फ्रांस ने हालांकि 1794 की क्रांति के दौरान गुलामी खत्म की थी, लेकिन 1802 में नेपोलियन बोनापार्ट ने दोबारा सेना भेजकर इस प्रथा को बहाल कर दिया, जिसे आखिरकार 1848 में जाकर पूरी तरह समाप्त किया जा सका। इस ऐतिहासिक फैसले के बाद अब फ्रांस में गुलामों के वंशजों को मुआवजा देने की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। मार्टिनिक द्वीप के प्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर कहा है कि केवल प्रतीकात्मक कदम उठाना काफी नहीं है।

■ राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने भी पिछले हफ्ते इस काले कानून को हटाने का पुरजोर समर्थन किया था

नाटो रोमानिया के साथ खड़ा है: मार्क रूटे

महासचिव का यह बयान पूर्वी यूरोप में बढ़ते सुरक्षा खतरों व रूस के साथ जारी तनाव के बीच आया

■ रूटे रोमानिया के राष्ट्रपति निकुसोर डैन से बात की और उन्हें रोमानिया के साथ नाटो की एकजुटता का आश्वासन दिया

ब्रुसेल्स। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव मार्क रूटे ने रोमानिया की सुरक्षा और संप्रभुता का पूरा समर्थन करते हुए कहा है कि नाटो रोमानिया के साथ दृढ़ता से खड़ा है। गौरतलब है कि उनका यह बयान पूर्वी यूरोप में बढ़ते सुरक्षा खतरों और रूस के साथ जारी तनाव के बीच आया है।

उन्होंने यह बात तब कही जब शुक्रवार तड़के देश के दक्षिणी-पूर्वी हिस्से गलाती शहर में एक रूसी ड्रोन घुस आया, जो एक रिहायशी इमारत से टकराकर गिर गया और दो लोगों को घायल कर गया। रूटे ने सोशल मीडिया पर कहा कि उन्होंने रोमानिया के राष्ट्रपति निकुसोर डैन से बात की और उन्हें रोमानिया के साथ नाटो की एकजुटता का आश्वासन दिया। रूटे ने कहा कि मैंने इस बात की पुष्टि की कि नाटो अपने सहयोगी देशों के क्षेत्र के हरेक इंच की रक्षा करने को तत्पर है। हम ड्रोन सहित किसी भी खतरे को रोकने और उससे बचाव के लिए अपनी तैयारी को लगातार बढ़ाते रहेंगे। रूसी ड्रोन से दो लोगों को मामूली चोटें आई, जबकि अन्य लोगों को वहां से सुरक्षित निकाल लिया गया। डेन्यूब नदी के किनारे स्थित गलाती शहर मोल्दोवा और यूक्रेन की सीमाओं के करीब है। रूटे ने इस घुसपैठ के लिए रूस को दोषी ठहराते हुए कहा कि उस देश का 'लापरवाह रवैया' हम सभी के लिए एक खतरा है। उन्होंने कहा कि वह पूरे यूक्रेन में आम नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना जारी रखे हुए है और पिछली रात की घटना ने एक बार फिर यह साबित किया है कि उनके अवैध और आक्रामक युद्ध के परिणाम केवल सीमा तक ही सीमित नहीं रहते। वहीं रोमानिया के राष्ट्रपति निकुसोर डैन ने कहा कि उन्होंने आज इस घटना पर चर्चा करने के लिए नाटो की राष्ट्रीय रक्षा सर्वोच्च परिषद की बैठक बुलाई है। उन्होंने इस घटना को 2022 में यूक्रेन पर रूस के बड़े पैमाने पर आक्रमण की शुरुआत के बाद से रोमानिया के राष्ट्रीय क्षेत्र पर असर डालने वाली सबसे 'गंभीर' घटना बताया है। उन्होंने कहा कि हम रूसी संघ के संबंध में उचित कदम उठाने का आदेश देंगे।

यूरोप के ज्यादा ठंडे मुल्कों में आइसक्रीम की दीवानगी

बर्लिन। हर साल, यूरोपीय देश 3.3 अरब लीटर से अधिक आइसक्रीम का उत्पादन करते हैं और इस दौड़ में सबसे बड़े उत्पादक के रूप में जर्मनी सबसे आगे है।दिलचस्प बात यह है कि यूरोस्टेट और उद्योग की रिपोर्टों के आंकड़ों से पता चलता है कि आइसक्रीम के सबसे बड़े उपभोक्ता भूमध्यसागरीय (मेडिटेरेनियन) क्षेत्रों में नहीं, बल्कि उत्तरी और पूर्वी यूरोप के उन देशों में है, जहां कड़ाके की ठंड पड़ती है। यही वजह है कि पोलैंड प्रति व्यक्ति सालाना 16 किलोग्राम की आश्चर्यजनक खपत के साथ सबसे आगे है। स्वीडन और फिनलैंड के निवासी भी पोलैंड से ज्यादा पीछे नहीं हैं, जो सालाना 11 से 14 लीटर के बीच आइसक्रीम खाते हैं, जबकि जर्मनी में एक औसत व्यक्ति हर साल लगभग आठ लीटर आइसक्रीम खा जाता है। मोटे तौर पर इसका अर्थ यह हुआ कि 115 से 160 स्कूप। जब खाने की आदतों की बात आती है तो जर्मन लोग घर पर आइसक्रीम खाना पसंद करते हैं, जो महीने में औसतन पांच बार होता है, जबकि इटली और स्पेन के लोग का झुकाव बाहर जाकर जेलाटेरिया और पार्लरों में आइसक्रीम खाने में दिखता हैं।